MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 18 जनवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-17

बचाओ...बचाओ!

सिकंदराबाद शांति रैली में अशांति

हैदराबाद, 17 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

पृथक सिकंदराबाद नगर निगम (एसएमसी) की स्थापना की माँग को लेकर भारत राष्ट्र समिति द्वारा आयोजित रैली के कारण आज सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन और उसके आसपास के इलाकों में भारी तनाव व्याप्त रहा। पुलिस ने बीआरएस नेताओं को स्टेशन की ओर बढ़ने से रोकने के लिए बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियां कीं।

यह रैली सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से एमजी रोड स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा तक निकाली जानी थी। हालांकि, पुलिस ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी।

व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे

प्रदर्शन के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई थी। एहतियात के तौर पर अल्फ़ा कैफे सहित अधिकांश वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों और दुकानों को बंद करा दिया गया। स्टेशन के चारों ओर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। लाठियों से लैस पुलिस कर्मियों ने यह सुनिश्चित किया कि इलाके में यातायात बाधित न हो और यात्रियों को असुविधा न हो। स्टेशन की ओर मार्च करने का प्रयास कर रहे बीआरएस नेताओं और समर्थकों को पुलिस ने बीच रास्ते में ही रोक दिया। प्रदर्शनकारियों को पुलिस वाहनों में भरकर स्थानीय थानों में ले जाया गया।

सरकार विरोधी नारेबाजी और तीखी बहस

बीआरएस नेताओं ने आरोप लगाया कि उन्होंने पुलिस को पहले ही सूचित कर दिया था कि रैली शांतिपूर्ण होगी और इससे जनता को कोई परेशानी नहीं होगी, इसके बावजूद पुलिस ने जबरन गिरफ्तारियां कीं।

गिरफ्तारी के दौरान बीआरएस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी बहस देखने को मिली। कार्यकर्ता मौजूदा कांग्रेस सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे थे। पुलिस द्वारा प्रदर्शन को रोकने के प्रयासों के बीच कई कार्यकर्ताओं को जबरन वाहनों में बैठाकर वहाँ से हटाया गया। स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए देर शाम तक भी इलाके में पुलिस की गश्त जारी थी।

तलसानी का सरकार पर प्रहार

सनतनगर के विधायक और पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने बीआरएस की रैली को रोकने के लिए कांग्रेस सरकार की कड़ी आलोचना की । उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सिकंदराबाद के निवासियों की लंबे समय से लंबित मांगों को दबाने की कोशिश कर रही है। शनिवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए श्रीनिवास यादव ने बताया कि पुलिस ने शुरू में सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से एमजी रोड स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा तक शांतिपूर्ण रैली निकालने की अनुमति दी थी।(विस्तृत फ़ोटो पृष्ठ 13 पर.) ▶10पर

रेवंत की तानाशाही : केटीआर

हैदराबाद, 17 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के निर्णयों को तर्कहीन बताते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव ने शनिवार को कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि लोगों ने अब तक केवल इतिहास की किताबों में तुगलक के शासन के बारे में पढ़ा था, लेकिन अब तेलंगाना में वे इसे अपनी आँखों से देख रहे हैं। मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए केटीआर ने कहा, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उनके प्रशासन के रूप में तेलंगाना के लोग अब तुगलक के व्यक्तित्व और उसके शासन के तौर-तरीकों को समझ रहे हैं। केटीआर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने 6 गारंटियों और 420 आश्वासनों के वादे के साथ सत्ता हासिल की थी, लेकिन सरकार इन्हें लागू करने के बजाय केवल नाम और परंपराएं बदलने में व्यस्त है। उन्होंने कहा, पहले सरकार ने टीएस को बदलकर टीजी किया। फिर तेलंगाना तल्ली की मूर्ति से बतुकम्मा को हटा दिया गया।

▶10पर

मेट्रो फेज़-2 : गेंद तेलंगाना के पाले में

हैदराबाद, 17 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शहर हैदराबाद के लिए लगातार अच्छी खबरें आ रही है। अब समाचार यह है कि केंद्र सरकार ने हैदराबाद मेट्रो रेल (एचएमआर) के दूसरे चरण (फेज़-2) के निर्माण के लिए सैद्धांतिक रूप से अपनी सहमति दे दी है। हालाँकि, इस परियोजना को गति देने के लिए केंद्र अब तेलंगाना सरकार द्वारा एक संयुक्त समिति के लिए दो अधिकारियों को नामित किए जाने का इंतजार कर रहा है। गौरतलब है कि फेज़-2 के अंतर्गत कॉरिडोर 4 : नागोल–आरजीआईए (एयरपोर्ट कॉरिडोर), कॉरिडोर 5: रायदुर्ग – कोकापेट नियोपोलिस, कॉरिडोर 6 : एमजीबीएस – चंद्रायनगुट्टा (ओल्ड सिटी कॉरिडोर), कॉरिडोर 7 : मियांपुर – पटनचेरु, कॉरिडोर 8 : एलबी नगर – हयातनगर, कॉरिडोर 9 : आरजीआईए – फोर्थ सिटी (स्किल यूनिवर्सिटी) प्रस्तावित है और यह कुल 116.2 किमी क्षेत्र है।

केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी को सूचित किया कि प्रस्तावित संयुक्त समिति में केंद्र के दो अधिकारी भी शामिल होंगे। इस समिति का मुख्य कार्य फेज़-1 के अधिग्रहण और फेज़-2 के प्रारंभिक कार्यों के बीच समन्वय स्थापित करना होगा।

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शुक्रवार (16 जनवरी, 2026) को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को लिखे एक पत्र में इस घटनाक्रम ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

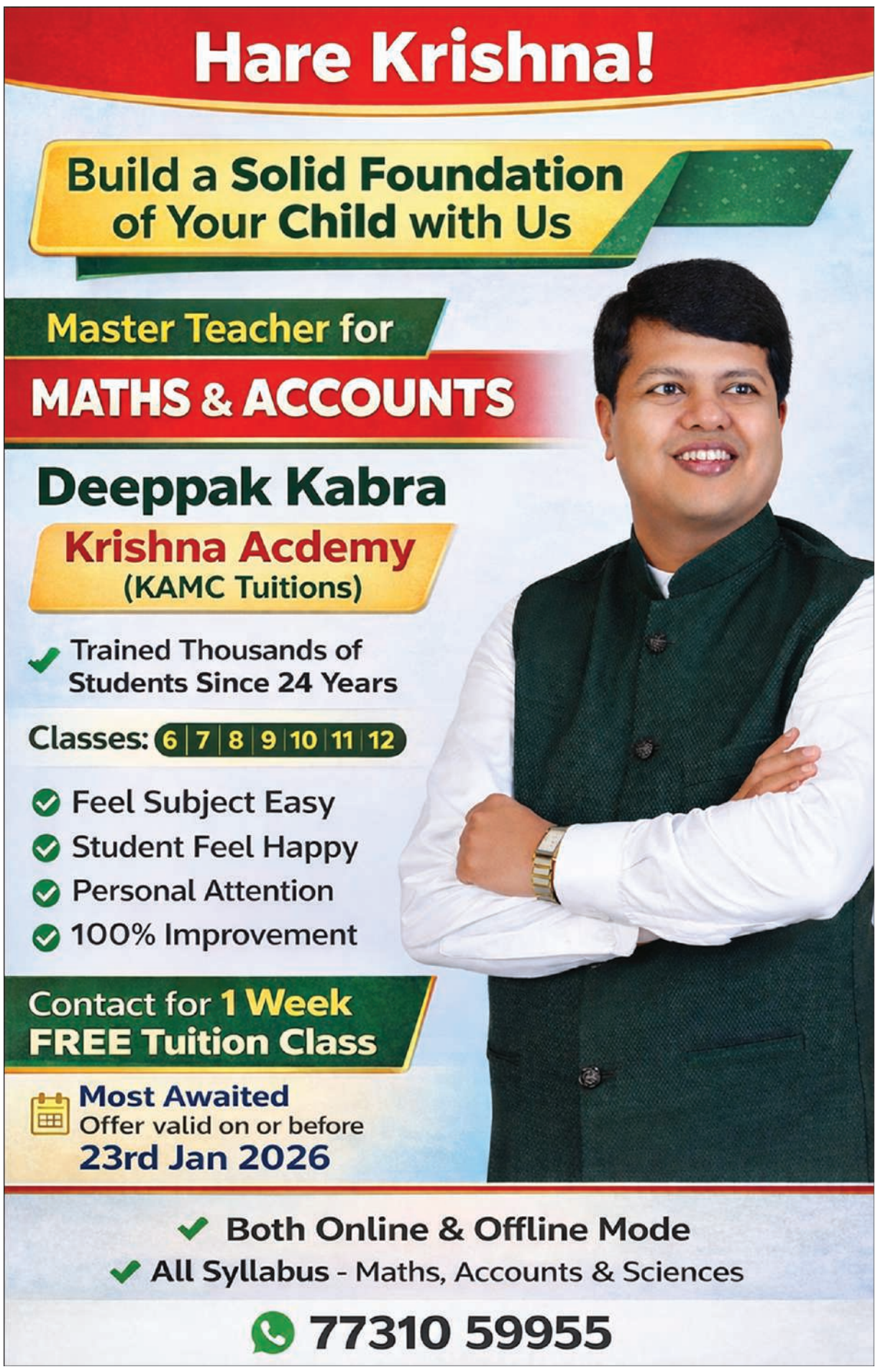

मुंह में लालीपाप, पेट में बच्चा 9 साल की लड़की का वीडियो वायरल, सच या झूठ कुछ वायरल कंटेंट फर्जी हों, लेकिन वे गंभीर समस्या की ओर इशारा कर रहे

लंदन,17 जनवरी (एजेंसियां)।

सोशल मीडिया पर एक वायरल वीडियो ने हलचल मचा दी हैं वीडियो में फिलीपींस की एक 9 साल की बच्ची अल्ट्रासाउंड करवा रही है और वह गर्भवती है। वीडियो में बच्ची के मुंह में लालीपाप, उसका मासूम चेहरा और पेट में बच्चे होने की बात सुनकर लोग हैरान हैं। बताया जा रहा है कि यह वीडियो एक अल्ट्रासाउंड क्लिनिक में रिकार्ड किया गया है और इतनी कम उम्र में मां बनी बच्ची को देखकर हर कोई हैरान है।

हालांकि, इस वायरल दावे के पीछे सच और झूठ का मिला-जुला चेहरा सामने आया है। फैक्ट चेक रिपोर्ट्स के मुताबिक ऐसे कई वीडियो और तस्वीरें असल में एआई से बनाई गई हैं या फिर पूरी तरह फर्जी हैं। दिसंबर 2024 में फिलीपींस के जनरल सैंटोस शहर से जुड़े इसी तरह के दावे सामने आए थे, जिनमें 10 से 14 साल की लड़कियों के गर्भवती होने की बात कही गई थी। बाद में एएफपी और अन्य फैक्ट चेक संगठनों ने जांच में पाया कि वायरल तस्वीरें और कुछ वीडियो वास्तविक नहीं थे, बल्कि एआई टूल्स की मदद से तैयार किए गए थे। इनका मकसद सोशल मीडिया पर सनसनी फैलाना और भावनात्मक प्रतिक्रिया पैदा करना था।

विशेषज्ञों का कहना है कि भले ही कुछ वायरल कंटेंट फर्जी हों, लेकिन वे एक गंभीर और वास्तविक समस्या की ओर जरूर इशारा करते हैं। एशिया में फिलीपींस किशोर गर्भावस्था के मामलों में शीर्ष देशों में शामिल है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टों के मुताबिक यहां टीनएज प्रेग्नेंसी की दर काफी ऊंची है। इसके पीछे बाल विवाह, यौन शिक्षा की कमी, गरीबी और सामाजिक दबाव जैसे कई कारण हैं। कई मामलों में नाबालिग लड़कियां बिना पर्याप्त जानकारी और सुरक्षा के मां बनने को मजबूर हो जाती हैं, जिसका असर उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य पर पड़ता है।

जानकारी के मुताबिक यह समस्या केवल फिलीपींस तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी जड़ें भारत में भी फैली हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 के आंकड़े बताते हैं कि भारत में 15 से 19 साल की करीब 6.8 फीसदी लड़कियां पहले ही मां बन चुकी हैं या गर्भवती हैं। ग्रामीण इलाकों में यह प्रतिशत और ज्यादा है। हाल के वर्षों में कर्नाटक राज्य इस मुद्दे को लेकर खासा चर्चा में रहा है।

न्यूज ब्रीफ

दुनिया में सबसे ताकतवार पासपोर्ट सिंगापुर का.....भारत सूची में 80वें स्थान पर

वाशिंगटन। 2026 में दुनिया के पासपोर्ट की ताकत का नया आंकड़ा सामने आया है। ये दिखाता है कि ग्लोबल मोबिलिटी की खाई और बड़ी है। हेन्ली पासपोर्ट इंडेक्स के मुताबिक, कूटनीति, आर्थिक ताकत और राजनीतिक स्थिरता ने इस रैंकिंग को पूरी तरह बदल दिया है। जहां सिंगापुर ने फिर दुनिया का सबसे मजबूत पासपोर्ट का ताज अपने नाम किया है, जबकि कई यूरोपीय देश पीछे छूटते दिख रहे हैं। ये इंडेक्स बताता है कि पासपोर्ट कितनी जगहों पर बिना वीजा के घूमने की आजादी देता है। सिंगापुर का पासपोर्ट दुनिया में नंबर 1 है। इसके धारक 192 देशों में बिना पहले वीजा लिए जा सकते हैं। ये लगातार कई सालों से टाप पर बना हुआ है। जापान और साउथ कोरिया संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं, दोनों के पासपोर्ट से 188 जगहों पर वीजा-फ्री एंट्री मिलती है। वहीं तीसरे नंबर पर डेनमार्क, लक्जमबर्ग, स्पेन, स्वीडन और स्विट्जरलैंड हैं, हर एक से 186 डेस्टिनेशन वीजा-फ्री हैं। चौथे नंबर पर 10 यूरोपीय देश टाई हैं। इसमें आस्ट्रिया, बेल्जियम, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, आयरलैंड, इटली, नीदरलैंड्स और नार्वे शामिल हैं। इनके पासपोर्ट से 185 जगहों पर आसानी से घूमा जा सकता है। पांचवें स्थान पर हंगरी, पुर्तगाल, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया और यूएई हैं, जहां 184 डेस्टिनेशन वीजा-फ्री हैं। इस सूची में यूएई की तरक्की खास है, क्योंकि इसने आक्रामक वीजा डिप्लोमेसी से बड़ा उछाल मारा है। छठे नंबर पर क्रोएशिया, चेकिया, एस्टोनिया, माल्टा, न्यूजीलैंड और पोलैंड हैं। सातवें पर आस्ट्रेलिया, लातविया, लिकटेंस्टीन और यूके हैं। आठवें स्थान पर कनाडा, आइसलैंड और लिथुआनिया हैं। नौवें पर मलेशिया और दसवें पायदान पर दुनिया का ताकतवार देश अमेरिका है। वहीं भारत का पासपोर्ट 2026 में 80वें स्थान पर है। भारतीय पासपोर्ट धारक अब 55 देशों में वीजा-फ्री या वीजा-आन-अराइवल जा सकते हैं। बीते साल यानी 2025 में भारत 85वें स्थान पर था, इस हिसाब ये पांच पायदानों की बढ़त है। भारत अभी भी ग्लोबल औसत से काफी नीचे है और कई उभरते देशों से पीछे चल रहा है।

चीन में डेटा से लेकर साफ्टवेयर तक मेड इन चाइना नीति, विदेशी टेक पर शिकंजा

बीजिंग। चीन ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए अपने देश की कंपनियों को अमेरिका और इजरायल की साइबर सुरक्षा कंपनियों का साफ्टवेयर इस्तेमाल करने से रोकने का निर्देश दिया है। इस फैसले से अमेरिका की कई बड़ी साइबर सिक्योरिटी कंपनियां प्रभावित हुई हैं, जिनमें वीएमवेयर (ब्राडकाम के स्वामित्व वाली), फोर्टिनेट, क्राउडस्ट्राइक, सेंटिनलवन, मैनडियंट, पालो आल्टो नेटवर्क्स और रैपिड7 शामिल हैं। इसके अलावा इजरायल की चेक पाइंट साफ्टवेयर टेक्नोलाजी भी इस लिस्ट में है। चीन का संशोधित साइबर सिक्योरिटी ला 1 जनवरी 2026 से लागू हो गया है। इसे विदेशी तकनीक के खिलाफ बीजिंग की अब तक की सबसे सख्त कार्रवाई माना जा रहा है। नए कानून में जुर्माने की राशि कई गुना बढ़ा दी गई है और पहले चेतावनी देने की शर्त भी हटा दी गई है। अब बिना मंजूरी वाला विदेशी साफ्टवेयर इस्तेमाल करना सिर्फ तकनीकी फैसला नहीं, बल्कि भारी कानूनी और आर्थिक जोखिम बन गया है। जांच में सामने आया है कि नए कानून के तहत चीन विदेशी तकनीक को व्यवस्थित तरीके से अपने सिस्टम से बाहर कर रहा है।

हिंदू पुरुषों की सड़कों पर हत्याएं.....ब्रिटिश संसद ने लेबर सरकार से दखल देने का आव्हान किया

लंदन। ब्रिटेन में प्रमुख विपक्षी नेता, कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद बाब ब्लैकमैन ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा का हवाला देकर लेबर सरकार से मोहम्मद यूनुस की सरकार पर दबाव डालने का आह्वान किया है, ताकि वहां अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। ब्रिटिश संसद में ब्लैकमैन ने कहा कि 12 फरवरी को होने वाले चुनाव तब आयोजित किए जा रहे हैं, जब अपदस्थ पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पर पूर्ण प्रतिबंध के कारण लोकतांत्रिक चिंताएं बढ़ गई हैं। उन्होंने इस्लामी ताकतों के कथित उदय का भी विरोध किया। हिंदू पुरुषों की सड़कों पर हत्याएं की जा रही हैं, उनके घर जलाए जा रहे हैं मंदिर जलाए जा रहे हैं, और इतना ही नहीं अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों को भी इसी तरह की नियति का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अगले माह तथाकथित स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव होने वाले हैं। प्रमुख राजनीतिक पार्टी, अवामी लीग, जनमत सर्वेक्षणों में करीब 30 प्रतिशत वोट हासिल करने के बावजूद, इन चुनावों में भाग लेने से प्रतिबंधित है।

पहले दी ईरान पर हमला करने और मदद की बात, फिर अचानक नरम पड़े डोनाल्ड ट्रंप

48 घंटों में पर्दे के पीछे बनी कूटनीति, सऊदी अरब, कतर, ओमान, मिस्र ने टाला खतरा

वाशिंगटन,17 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चाहते थे कि ईरान पर तुरंत एक्शन लिया जाए। उन्होंने कहा था कि प्रदर्शनकारी संस्थानों पर कब्जा करें, हम मदद भेज रहे हैं, लेकिन ऐसा क्या हुआ कि अचानक ही उनके सुर नरम पड़ गए। गुरुवार को वह कहते नजर आए कि ईरान अब प्रदर्शनकारियों को फांसी नहीं देगा, हमें भरोसा है कि वो ऐसा नहीं करेगा। इससे लग रहा है कि पिछले 48 घंटों में पर्दे के पीछे चली एक जबरदस्त कूटनीति ने फिलहाल इस खतरे को टाल दिया है। इस पूरे घटनाक्रम में चार अरब देशों सऊदी अरब, कतर, ओमान और मिस्र ने अहम भूमिका निभाई है।

मीडिया रिपोर्ट में एक गल्फ अधिकारी के मुताबिक इन चार देशों ने अमेरिका और ईरान दोनों के साथ लगातार बातचीत की, ताकि एक और विनाशकारी युद्ध से बचाया जा सके। सूत्रों के मुताबिक जब वाशिंगटन में ईरान पर हमले की योजना पर विचार चल रहा था, ठीक उसी समय रियाद, दोहा, मस्कट और काहिरा के फोन लाइनें वाशिंगटन और तेहरान के बीच बज रही थीं। इन चार देशों ने एक संयुक्त और समन्वित प्रयास किया। रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी अरब, कतर और ओमान ने वाशिंगटन में लाबिंग की और ट्रंप प्रशासन को यह समझाने की कोशिश की कि अभी हमला करना बड़ी गलती होगी।

इन चार देशों ने अमेरिका को बहुत स्पष्ट और कड़े शब्दों में चेतावनी दी। उन्होंने वाशिंगटन को बताया कि अगर ईरान पर हमला हुआ, तो इसके परिणाम सिर्फ मिडिल ईस्ट तक सीमित नहीं रहेंगे। पूरा क्षेत्र अस्थिरता की आग में जल उठेगा। युद्ध का असर तेल की कीमतों और ग्लोबल सप्लाई चेन पर पड़ेगा, जिसका सीधा असर अंतत: अमेरिका की अपनी अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। इन देशों का तर्क था कि एक नया युद्ध उन आर्थिक सुधारों और स्थिरता को बर्बाद कर देगा जिसे हासिल करने के लिए यह क्षेत्र पिछले कुछ सालों से संघर्ष कर रहा है।

सिर्फ अमेरिका ही नहीं, इन चार देशों ने ईरान को भी कड़ा संदेश दिया। उन्होंने तेहरान को साफ कहा कि अगर अमेरिकी हमले के जवाब में ईरान ने खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी ठिकानों पर हमला किया, तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। ईरान को बताया कि अगर उसने जवाबी कार्रवाई में पड़ोसी देशों को घसीटा, तो क्षेत्र के अन्य देशों के साथ उसके राजनयिक और आर्थिक संबंध पूरी तरह खत्म हो जाएंगे। यह ईरान के लिए एक बड़ी चेतावनी थी, क्योंकि वह पहले ही प्रतिबंधों से जूझ रहा है और उसे पड़ोसियों के सहयोग की जरूरत है।

सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देशों की चिंता बेवजह नहीं है। इन देशों में बड़े पैमाने पर अमेरिकी सैन्य अड्डे हैं। खाड़ी देशों को डर था कि अगर अमेरिका ईरान पर बमबारी करता है, तो ईरान पलटवार में इन देशों की धरती पर मौजूद अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाएगा। इसके अलावा, ईरान क्षेत्र के उन महत्वपूर्ण ऊर्जा संयंत्रों और तेल के कुओं को भी निशाना बना सकता है जो क्षेत्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। 2019 में सऊदी अरामको पर हुए हमले की यादें अभी भी ताज़ा हैं, और कोई भी देश वैसा जोखिम दोबारा नहीं उठाना चाहता।

इस कूटनीति में सऊदी अरब और मिस्र का शामिल होना सबसे अहम है। ऐतिहासिक रूप से ये दोनों देश ईरान के शिया नेतृत्व के विरोधी रहे हैं, लेकिन 2023 में सऊदी अरब और ईरान के बीच हुए समझौते ने तस्वीर बदल दी है। अब रियाद का फोकस अपनी महत्वकांक्षी विजन 2030 योजना और आर्थिक प्राथमिकताओं पर है। सऊदी अरब नहीं चाहता कि कोई भी युद्ध उसके विकास के एजेंडे को पटरी से उतारे। वहीं, ओमान और कतर पारंपरिक रूप से पश्चिम और ईरान के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाते रहे हैं। इस कूटनीति का मकसद सिर्फ युद्ध टालना नहीं था, बल्कि बयानबाजी को कम करना भी था।

भारत के मुकाबले ईरान में बहुत सस्ती हैं मेडिकल की पढ़ाई इसलिए भारतीय छात्रों में क्रेज

तेहरान,17 जनवरी (एजेंसियां)।

ईरान में दिन-ब-दिन हालात बिगड़ते जा रहे हैं। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम को साफ निर्देश दिए हैं कि अगर अमेरिका कभी ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करता है, तब वह बेहद तेज और निर्णायक होनी चाहिए। ट्रंप नहीं चाहते कि यह किसी लंबे युद्ध में बदले। इस तनाव के बीच ईरान एक अलग वजह से भी भारत में मेडिकल शिक्षा को लेकर चर्चा का विषय बना हुआ है। ईरान बीते कुछ सालों में भारतीय मेडिकल छात्रों के लिए बड़ा विकल्प बनकर उभरा है। इसकी सबसे बड़ी वजह है यहां की कम फीस और रहने का कम खर्च आता है। भारत में जहां निजी मेडिकल कालेज आम परिवार की पहुंच से बाहर होते जा रहे हैं, वहीं ईरान में डाक्टर बनना तुलनात्मक रूप से काफी सस्ता है। ईरान में एमबीबीएस की सालाना फीस करीब 2 से 5 लाख रुपये के बीच होती है।

पूरे कोर्स की कुल लागत करीब 18 से 25 लाख रुपये में पूरी हो जाती है, जिसमें हास्टल और बेसिक सुविधाएं भी शामिल होती हैं। यह रकम भारत के प्राइवेट मेडिकल कालेजों की तुलना में कई गुना कम है, जहां सिर्फ ट्यूशन फीस ही 50 लाख से 1 करोड़ रुपये तक पहुंच जाती है। भारत में सरकारी मेडिकल कालेजों की सीटें सीमित हैं और प्रतिस्पर्धा बेहद ज्यादा है। हर साल करीब 20 लाख छात्र नीट परीक्षा देते हैं, जबकि एमबीबीएस की सीटें करीब एक लाख के आसपास ही हैं। जो छात्र सरकारी कालेज में नहीं पहुंच पाते, उनके सामने प्राइवेट कालेज ही विकल्प बचता है, जहां फीस बेहद ज्यादा होती है। इसी वजह से ईरान जैसे देश भारतीय छात्रों को आकर्षित करते हैं। ईरान की मेडिकल यूनिवर्सिटीज की डिग्री डब्ल्यूएचओ और भारत के एनएमसी से मान्यता प्राप्त होती है। यहां एमबीबीएस की पढ़ाई अंग्रेजी माध्यम में होती है, जिससे भारतीय छात्रों को भाषा की बड़ी दिक्कत नहीं होती है। कोर्स का स्ट्रक्चर इंटरनेशनल स्टैंडर्ड के अनुसार होता है और क्लिनिकल ट्रेनिंग भी समय पर शुरू हो जाती है। भारतीय छात्र के लिए ईरान में एमबीबीएस के लिए नीट पास होना अनिवार्य है। इसके अलावा 12वीं कक्षा में फिजिक्स, कैमिस्ट्री और बायोलाजी के साथ 50 से 70 प्रतिशत अंक होने चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में अमेरिका और ईरान के बीच तू-तू-मैं-मैं

वाशिंगटन। वाशिंगटन में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक के दौरान अमेरिका और ईरान के बीच तीखी बयानबाजी हुई। अमेरिका ने ईरान को कड़ा संदेश देकर कहा कि देश में चल रहे जनविरोध प्रदर्शनों पर हो रही कथित क्रूर कार्रवाई को रोकने के लिए सभी विकल्प खुले हैं। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत माइक वाल्ट्ज ने दो टूक कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प केवल बयान देने वाले नेता नहीं हैं, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर ठोस कार्रवाई करने से भी पीछे नहीं हटते। वाल्ट्ज ने ईरान के आम नागरिकों की सराहना कर कहा कि देश के इतिहास में पहली बार जनता इतनी मजबूती से आज़ादी और अधिकारों की मांग कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि ईरानी सरकार प्रदर्शनकारियों को दबाने के लिए अत्यधिक बल का प्रयोग कर रही है और इंटरनेट ब्लैकआउट के जरिए सच्चाई को दुनिया से छिपाने की कोशिश हो रही है।

लंदन की महिला के दावे ने वेज-नानवेज को लेकर छेड़ी नई बहस

लंदन,17 जनवरी (एजेंसियां)।

यहां रहने वाली एक 41 वर्षीय आईटी प्रोफेशनल लारा स्लिजाइट ने न्यूट्रिशन एक्सपर्ट्स को सोचने पर मजबूर कर दिया है। करीब 13 साल तक वीगन रहने के बाद लारा ने अब पूरी तरह कार्निवोर डाइट अपना ली है, जिसमें उनका आहार सिर्फ मांस, मछली, अंडे और मक्खन तक सीमित है। उनका दावा है कि फल और सब्जियां अब उनके शरीर को नुकसान पहुंचाती हैं। लारा के मुताबिक, उन्होंने करीब ढाई साल पहले इस डाइट को महज 30 दिनों के लिए आजमाने का फैसला किया था, लेकिन इसके असर देखकर उन्होंने इसे अपनी स्थायी जीवनशैली बना लिया। लारा बताती हैं कि वीगन रहने के दौरान वे कई स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थीं। उन्हें डिप्रेशन, जोड़ों में दर्द, लगातार थकान, एक्जिमा, मसूड़ों से खून आना और माइग्रेन जैसी परेशानियां थीं। हालात इतने बिगड़ गए थे कि उन्हें एनीमिया यानी खून की कमी भी हो गई थी।

उनका कहना है कि मांसाहारी आहार शुरू करने के बाद उनकी सेहत में धीरे-धीरे लेकिन स्पष्ट बदलाव नजर आने लगा। उनकी ऊर्जा स्थिर हो गई, बार-बार अनहेल्दी खाने की इच्छा खत्म हो गई और त्वचा से जुड़ी समस्याएं भी काफी हद तक ठीक हो गईं। लारा का दावा है कि अब वे पहले से ज्यादा संतुलित और एक्टिव महसूस करती हैं। दिलचस्प बात यह है कि पिछले साल उन्होंने एक बार फिर प्रयोग के तौर पर अपने आहार में फल और सब्जियां शामिल करने की कोशिश की। लेकिन कुछ ही समय में उनके पुराने लक्षण वापस आने लगे। उनका मूड खराब रहने लगा, एक्जिमा फिर से उभर आया और उन्हें बार-बार भूख लगने लगी। इसके बाद उन्हें यह अहसास हुआ कि उनका शरीर मांस आधारित डाइट पर ही सबसे बेहतर तरीके से काम करता है।

लारा के रोजमर्रा के भोजन की बात करें तो सुबह वे अंडे और मक्खन लेती हैं, दोपहर में चिकन लीवर और रात के खाने में मक्खन व नमक के साथ बीफ जाइंट खाती हैं। हाल ही में उन्होंने छह दिनों का सार्डिन फास्ट भी किया, जिसमें वे सिर्फ मछली पर निर्भर रहीं। लारा का कहना है कि इससे उन्हें मानसिक स्पष्टता और बेहतर नींद का अनुभव हुआ। हालांकि, उनकी इस डाइट को लेकर आलोचक लगातार दिल से जुड़ी बीमारियों और हार्ट अटैक के खतरे की चेतावनी देते रहते हैं। इसके बावजूद लारा का मानना है कि वे अब पहले से कहीं ज्यादा स्वस्थ और ऊर्जावान हैं।

वाइकिंग काल की दो कब्रों की खोज ने डाल दिया हैरानी में

ओस्लो,17 जनवरी (एजेंसियां)।

दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में समय-समय पर प्राचीन सभ्यताओं से जुड़े ऐसे अवशेष मिलते रहे हैं, जो उस दौर की अनोखी मान्यताओं, डर और रस्मों की कहानी बयां करते हैं। हाल ही में नार्वे के बजुग्न इलाके में स्थित एक खेत से वाइकिंग काल की दो कब्रों की खोज ने पुरातत्वविदों को हैरानी में डाल दिया है। इन कब्रों से जुड़ा एक ऐसा अनोखा अनुष्ठान सामने आया है, जिसका उल्लेख इससे पहले कभी ऐतिहासिक अभिलेखों में नहीं मिला। इस खोज की शुरुआत तब हुई, जब राय सोरेंग नाम के व्यक्ति को मेटल डिटेक्टर की मदद से एक अंडाकार ब्रोच मिला। यह ब्रोच आमतौर पर 8वीं या 9वीं शताब्दी के वाइकिंग काल से जुड़ा माना जाता है। इस जानकारी के सामने आते ही नार्वेजियन यूनिवर्सिटी आफ साइंस एंड टेक्नोलाजी की पुरातत्व टीम मौके पर पहुंची और खेत में खुदाई शुरू की गई।

खुदाई के दौरान वैज्ञानिकों को करीब 1200 साल पुरानी एक महिला की कब्र मिली, जिसमें उस समय के कीमती गहने और खजाने सुरक्षित अवस्था में मौजूद थे। हालांकि, इस खोज की सबसे चौंकाने वाली बात आभूषण नहीं, बल्कि वह रहस्यमयी रस्म थी, जो महिला के शव के साथ की गई थी। जांच में सामने आया कि महिला के मुंह के दोनों किनारों पर समुद्री सीपियां, जिन्हें स्कैलप शेल्स कहा जाता है, रखी गई थीं। पुरातत्वविद रेमंड सावेज के अनुसार, ईसाई धर्म से पहले के वाइकिंग काल की हजारों कब्रों का अध्ययन किया जा चुका है, लेकिन इस तरह की रस्म का कोई उदाहरण अब तक नहीं मिला। यही वजह है कि यह खोज वैज्ञानिकों के लिए एक बड़ी पहेली बन गई है। महिला को जिस तरह से पारंपरिक वाइकिंग पोशाक और कीमती गहनों के साथ दफनाया गया था, उससे संकेत मिलता है कि वह समाज में एक स्वतंत्र और संभवत: उच्च दर्जे की, शायद विवाहित महिला रही होगी। लेकिन उसके मुंह पर सीपियां रखने का कारण अब भी स्पष्ट नहीं है।

क्या यह किसी विशेष धार्मिक मंत्र का हिस्सा था, या फिर आत्मा को रोकने अथवा किसी डर से जुड़ी रस्म इन सवालों के जवाब फिलहाल शोध के दायरे में हैं। इस खेत में पिछले साल 700 ईस्वी का एक और बेहद सुरक्षित कंकाल भी मिला था, जिससे यह संदेह और गहरा गया है कि यह स्थान किसी खास धार्मिक या पारिवारिक कब्रिस्तान के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा होगा। खेत के मालिक की सतर्कता के चलते इन अवशेषों को सुरक्षित तरीके से प्रयोगशाला भेज दिया गया है, ताकि खेती के दौरान इन्हें नुकसान न पहुंचे। अब वैज्ञानिक इस कंकाल पर डीएनए टेस्ट और कार्बन डेटिंग जैसे आधुनिक परीक्षण करेंगे, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस महिला का संबंध पहले मिले कंकाल से था या नहीं।

पानी, हवा और दवा में ज़हर, जवाब मांगो तो चलेगा बुलडोजर इंदौर त्रासदी पर राहुल गांधी का भाजपा सरकार पर तीखा हमला

नई दिल्ली/इंदौर,17 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इंदौर में दूषित पेयजल से हुई मौतों के मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी की 'डबल इंजन' सरकार पर बड़ा हमला बोला है। राहुल गांधी ने भाजपा के 'स्मार्ट सिटी मॉडल' पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि इस व्यवस्था में गरीबों की जान की कोई कीमत नहीं है और जवाबदेही मांगने पर 'बुलडोजर' की धमकी दी जाती है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म द (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट साझा करते हुए भाजपा सरकार की नीतियों को घेरा। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा – इगझ की डबल इंजन सरकार का नया स्मार्ट सिटी मॉडल-पानी में ज़हर, हवा में ज़हर, दवा में ज़हर, ज़मीन में ज़हर, और जवाब मांगो तो चलेगा बुलडोजर! कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि इस प्रशासनिक मॉडल में लापरवाही से होने वाली मौतों के लिए किसी को भी जिम्मेदार नहीं ठहराया जाता। उन्होंने इंदौर की घटना को 'सरकारी लापरवाही' करार दिया।

इंदौर त्रासदी : मुआवजे और न्याय की मांग

हाल ही में इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में सीवेज मिला दूषित पानी पीने से कई लोगों की मृत्यु हो गई और सैकड़ों लोग बीमार होकर अस्पतालों में भर्ती हैं। इस मानवीय त्रासदी पर दुख व्यक्त करते हुए राहुल गांधी ने सरकार से तीन प्रमुख मांगें की हैं:

जवाबदेही तय हो : इंदौर त्रासदी की जिम्मेदारी सरकार तुरंत स्वीकार करे।दोषियों को सजा : लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और ज़िम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाए।मुआवजा और इलाज: पीड़ितों को बेहतर चिकित्सा सुविधा और उनके परिवारों को जल्द से जल्द उचित मुआवजा दिया जाए।

गरीबों की मौतों के लिए कोई जिम्मेदार नहीं

राहुल गांधी ने अपने बयान में तंज कसते हुए कहा कि भाजपा के शासन में गरीब बेबस है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब जनता बुनियादी सुविधाओं जैसे साफ पानी और शुद्ध हवा की मांग करती है, तो प्रशासन समाधान देने के बजाय दमनकारी नीतियों का सहारा लेता है।

क्या है इंदौर जल संकट?इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दिसंबर के अंतिम सप्ताह और जनवरी की शुरुआत में पेयजल पाइपलाइन में सीवेज का पानी मिलने से डायरिया का भीषण प्रकोप फैला। आधिकारिक तौर पर मौतों का आंकड़ा कम बताया जा रहा है, लेकिन स्थानीय निवासियों और विपक्षी दलों का दावा है कि इस लापरवाही के कारण अब तक 15 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (छ्त्रछ्ढ) ने भी इस मामले में संज्ञान लिया है।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव: हार के बाद ईवीएम पर सवाल, नाना पटोले बोले– बैलेट पेपर का होना चाहिए इस्तेमाल

मुंबई,17 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में निकाय चुनावों में करारी शिकस्त के बाद कांग्रेस ने मांग उठाई है कि राज्य में जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव बैलेट पेपर पर कराए जाएं। कांग्रेस के नेता नाना पटोले ने इस संबंध में राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने ईवीएम को लेकर भी सवाल उठाए हैं। नाना पटोले ने कहा कि ईवीएम से भरोसा उठ गया है। नगर निगम चुनावों में हुई गड़बड़ी की वजह से चुनावी प्रक्रिया में जनता का भरोसा कम हुआ है। वीवीपैट का इस्तेमाल न होना पारदर्शिता पर सवाल उठाता है। यह चुनावी उदासीनता नहीं, बल्कि प्रशासनिक अक्षमता है। उन्होंने चिट्ठी में कहा है कि लोकतंत्र को बचाने के लिए बैलेट पेपर का इस्तेमाल फिर से शुरू किया जाना चाहिए। कांग्रेस नेता ने चिट्ठी में लिखा, 29 नगर निगमों के चुनावों ने महाराष्ट्र में चुनावी सिस्टम की पोल पूरी तरह से खोल दी है। शहरी इलाकों में बहुत कम मतदान प्रतिशत सिर्फ 'वोटर की बेपरवाही' की निशानी नहीं है, बल्कि चुनावी प्रक्रिया में जनता के कम होते भरोसे की भी निशानी है। सबसे गंभीर बात यह है कि इन चुनावों में वीवीपैट मशीनों का इस्तेमाल नहीं किया गया। इसलिए, मतदाता से अपना वोट वेरिफाई करने का अधिकार छीन लिया गया। इसके अलावा, मीडिया में सैकड़ों वीडियो और असली उदाहरण सामने आए हैं, जिनमें दिखाया गया है कि वोटरों की उंगलियों पर लगी स्याही हाथ धोने के बाद आसानी से उतर जाती है। इन सब वजहों से चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता, विश्वसनीयता और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठे हैं।उन्होंने लिखा, मतदाता सूची में गड़बड़ी, मतदाताओं को मतदान केंद्र ढूंढने के लिए दो-तीन घंटे इंतजार करना, और आखिर में हजारों लोगों का बिना वोट दिए लौटना। ये सब चुनाव आयोग की नाकामी के गंभीर संकेत हैं। यह स्थिति लोकतंत्र के लिए खतरनाक है और इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा, यह सवाल जनता के मन में उठ गया है। देश के कई राज्यों ने लोगों का भरोसा बनाए रखने और विवाद से बचने के लिए स्थानीय निकाय चुनाव ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर पर कराने का फैसला किया है। तो महाराष्ट्र में ईवीएम पर इतना जोर क्यों? यह मजबूरी किसके फायदे के लिए है? यही सवाल आज आम वोटर पूछ रहा है।कांग्रेस नेता नाना पटोले ने कहा कि जिला परिषद और पंचायत समिति ग्रामीण लोकतंत्र की रीढ़ हैं। अगर इन चुनावों को लेकर शक, अविश्वास और कुप्रबंधन का माहौल बना रहा, तो इसका राज्य के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ेगा। इसलिए आने वाले जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव बैलेट पेपर पर ही होने चाहिए, यह जनता की भावना है। इस जनता की भावना का सम्मान करते हुए आने वाले जिला परिषद पंचायत समिति के चुनाव बैलेट पेपर पर होने चाहिए।

देवभूमि उत्तराखंड सत्यम, शिवम और सुंदरम का प्रतीक है : सीपी राधाकृष्णन

नई दिल्ली,17 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शनिवार को उत्-ाराखंड के देहरादून में जागरण फोरम का उद्घाटन किया, जिसका आयोजन राज्य के गठन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में किया गया है। उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने उत्तराखंड को त्याग, दृढ़ता और राष्ट्र सेवा का प्रतीक बताया और इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर राज्य की जनता को हार्दिक बधाई दी। उत्-ाराखंड के गठन को याद करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि राज्य का गठन पहाड़ी लोगों की लंबे समय से चली आ रही आकांक्षाओं का लोकतांत्रिक जवाब था और इसने भारत की संघीय प्रणाली की मजबूती को फिर से स्थापित किया। उन्होंने लोकसभा सदस्य के रूप में उत्तराखंड के गठन के विधेयक के पक्ष में मतदान करने के अपने व्यक्तिगत अनुभव को भी साझा किया। उपराष्ट्रपति ने देवभूमि उत्तराखंड के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत की सभ्यतागत चेतना में इस राज्य का विशेष स्थान है। वैदिक और पौराणिक परंपराओं का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि उत्-ाराखंड सत्यम, शिवम और सुंदरम के सार को प्रतिबिंबित करता है। उन्होंने राज्य के पारिस्थितिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि इसके हिमनद, नदियां और वन इसकी भौगोलिक सीमाओं से कहीं अधिक दूर तक जीवन को पोषित करते हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य ने सड़क, रेल, हवाई और संचार संपर्क के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति देखी है।

विकास पर जोर देते हुए उपराष्ट्रपति ने पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने हरित विकास को बढ़ावा देने, विशेष रूप से सौर ऊर्जा के क्षेत्र में उत्तराखंड के प्रयासों की सराहना की और सकल घरेलू उत्पाद के साथ-साथ सकल पर्यावरण उत्पाद की अवधारणा को अपनाने वाला देश का पहला राज्य होने के लिए उत्तराखंड की प्रशंसा की।

उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रीय सुरक्षा में राज्य के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों में बड़ी संख्या में अधिकारी उत्तराखंड से आते हैं।

उत्तराखंड के रणनीतिक महत्व का जिक्र करते हुए उपराष्ट्रपति ने जीवंत सीमावर्ती गांवों को अंतिम चौकी नहीं, बल्कि शक्ति, विरासत और लचीलेपन की पहली पंक्ति बताया, और प्रधानमंत्री के उस दृष्टिकोण को याद किया जिसमें उन्होंने माना गांव को भारत का पहला गांव बताया गया था।

2047 तक भारत को आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने की दिशा में आगे बढ़ते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा, जैविक कृषि, बागवानी, पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों, आयुष, पर्यावरण पर्यटन, स्टार्टअप और कौशल विकास में अपनी विशाल क्षमता के साथ उत्तराखंड एक अद्वितीय स्थान रखता है।

'कोई भूखा न रहे' के संकल्प के साथ दिल्ली में लागू होंगे नए खाद्य सुरक्षा नियम : सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली,17 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत और गरीब-केंद्रित बनाने की दिशा में बड़ा फैसला लिया गया है। अब 1.20 लाख रुपये तक की वार्षिक पारिवारिक आय वाले परिवारों को राशन कार्ड का अधिकार मिलेगा, जो पहले एक लाख तक सीमित था। यह निर्णय हाल में दिल्ली कैबिनेट की बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने की। उनका स्पष्ट कहना है कि खाद्य सुरक्षा कोई एहसान नहीं, बल्कि गरीबों का अधिकार है। हमारी सरकार का संकल्प है कि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति केवल व्यवस्था की खामियों के कारण भूखा न रहे। सरकारी जानकारी के अनुसार वर्षों से स्पष्ट नियमों के अभाव में दिल्ली में 3 लाख 89 हजार 883 से अधिक आवेदन लंबित हैं और 11 लाख 65 हजार 965 से ज्यादा लोग आज भी खाद्य सुरक्षा की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जिन्हें अब पारदर्शी और जरूरत-आधारित प्रणाली के तहत शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि नए नियमों के तहत प्राथमिकता परिवारों की पहचान के लिए आय सीमा को व्यावहारिक बनाया गया है। अब 1.20 लाख रुपये तक की सालाना पारिवारिक आय वाले परिवार खाद्य सुरक्षा के दायरे में आएंगे। पहले यह आय सीमा एक लाख रुपये थी। इसके लिए राजस्व विभाग की ओर से जारी आय प्रमाणपत्र अनिवार्य किया गया है, जिससे स्व-प्रमाणन (सेल्फ वेरिफिकेशन) की व्यवस्था समाप्त होगी। नए नियमों के अनुसार ऐसे परिवार जिनके पास दिल्ली में ए से ई श्रेणी की कॉलोनियों में संपत्ति है, जो आयकर देते हैं, जिनके पास चार पहिया वाहन है (रोजी-रोटी के लिए इस्तेमाल होने वाला एक कमर्शियल वाहन इसमें शामिल नहीं है), जिनके परिवार का कोई सदस्य सरकारी सेवा में है या जिनके घर में 2 किलोवाट से अधिक का बिजली कनेक्शन है, इस योजना के पात्र नहीं होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब 'पहले आओ-पहले पाओ' की व्यवस्था समाप्त कर जिला स्तरीय समितियों के माध्यम से आवेदनों की जांच, स्वीकृति और क्रमबद्ध प्राथमिकता तय की जाएगी। इससे सबसे अधिक जरूरतमंद परिवारों को सूची में आगे स्थान मिलेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि जिला स्तरीय समिति को प्राथमिकता निर्धारण की केंद्रीय इकाई बनाया गया है। इसकी अध्यक्षता जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) या अपर जिला मजिस्ट्रेट (एडीएम) करेंगे। समिति में स्थानीय विधायक और संबंधित अधिकारी शामिल होंगे। यह समिति आ-वेदनों की जांच कर उन्हें क्रमबद्ध करेगी ताकि सबसे जरूरतमंद परिवारों को पहले लाभ मिले। साथ ही, 20 प्रतिशत की वेटिंग लिस्ट भी बनाई जाएगी, जिससे रिक्तियों को समय पर भरा जा सके।

मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्षों से स्पष्ट नियमों के अभाव में भारी बैकलॉग बना हुआ था। सरकार ने खाद्य सुरक्षा प्रणाली डेटा की जांच की। इसमें कई गड़बड़ियां पाई गईं। इसके आधार पर उन लोगों को सूची से हटाया है जो वास्तव में इसके हकदार नहीं थे। डेटा वेरिफिकेशन से पता चला कि लगभग 6 लाख 46 हजार 123 ऐसे लाभार्थी सामने आए जिनकी आय जानकारी नियमों से मेल नहीं खाती थी। 95 हजार 682 ऐसे लोग थे जो लंबे समय से सिस्टम में थे लेकिन लाभ नहीं ले रहे थे। लगभग 23 हजार 394 नाम दोहराव में पाए गए। 6,185 मामलों में लाभ मृत लोगों के नाम पर दर्ज था। लगभग 56 हजार 372 लोगों ने खुद ही सिस्टम से बाहर होने का अनुरोध किया।

इन सभी कारणों से कुल मिलाकर 8 लाख 27 हजार 756 से अधिक रिक्त स्थान बने। यह भी पता चला कि वर्तमान में 3 लाख 89 हजार 883 से अधिक आवेदन लंबित हैं और 11 लाख 65 हजार 965 से अधिक लोग खाद्य सुरक्षा का इंतजार कर रहे हैं। अब इन खाली जगहों पर वर्षों से राशन कार्ड या खाद्य सुरक्षा का इंतजार कर रहे लोगों को शामिल किया जाएगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह केवल नियमों का दस्तावेज नहीं, बल्कि दिल्ली के सबसे कमजोर वर्गों के लिए सम्मान, पारदर्शिता और भरोसे की गारंटी है। हमारी सरकार का संकल्प है कि कोई भी जरूरतमंद भूखा न रहे और खाद्य सुरक्षा व्यवस्था वास्तव में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के सिद्धांत पर काम करे। मुख्यमंत्री के अनुसार यह निर्णय राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के प्रभावी और न्यायसंगत क्रियान्वयन की दिशा में लिया गया है। नए नियमों के माध्यम से तकनीक आधारित, न्यायसंगत और पारदर्शी सार्वजनिक वितरण प्रणाली विकसित की जा रही है, जिससे दुरुपयोग रुकेगा और वास्तविक जरूरतमंदों तक लाभ पहुंचेगा।

राष्ट्रव्यापी प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा ने उठाए लोकतंत्र और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे गंभीर मुद्दे

नई दिल्ली,17 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने देश भर में 10 महत्वपूर्ण स्थानों पर प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कीं, जिनमें लोकतंत्र, राष्ट्रीय सुरक्षा और महिलाओं की गरिमा के लिए गंभीर खतरों को उजागर किया गया। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने तीन प्रमुख मुद्दों पर मीडिया को संबोधित किया। पश्चिम बंगाल में घुसपैठ और पत्रकारों पर हमले, पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार द्वारा पंजाब केसरी कार्यालय पर कथित छापे, और मध्य प्रदेश में एक कांग्रेस विधायक द्वारा महिलाओं के संबंध में की गई विवादास्पद टिप्पणी पर भी भाजपा नेताओं ने मीडिया का ध्यानाकर्षण किया। भाजपा द्वारा उठाया गया पहला मुद्दा पश्चिम बंगाल से संबंधित था, जहां पार्टी ने बड़े पैमाने पर घुसपैठ, कानून-व्यवस्था के बिगड़ने और पत्रकारों पर बार-बार हमलों का आरोप लगाया। भाजपा नेताओं ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर तुष्टीकरण की राजनीति को बढ़ावा देने और विशेष रूप से चुनाव अधिकारियों, मीडियाकर्मियों और आम नागरिकों के लिए भय का माहौल बनाने का आरोप लगाया। दूसरा मुद्दा पंजाब से संबंधित था, जहां भाजपा ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के प्रभाव में चल रही आम आदमी पार्टी सरकार पर मीडिया को निशाना बनाने का आरोप लगाया। पार्टी ने पंजाब केसरी कार्यालय पर कथित छापे और बिजली कटौती की कड़ी निंदा करते हुए इसे प्रेस की स्वतंत्रता पर हमला और आपातकाल के दौर की याद दिलाने वाला बताया। तीसरा और अंतिम मुद्दा मध्य प्रदेश से संबंधित था, जहां एक कांग्रेस विधायक ने महिलाओं के बारे में बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी की। भाजपा ने इन टिप्पणियों को शर्मनाक, महिला-विरोधी और मानवता-विरोधी करार देते हुए कांग्रेस नेतृत्व से संबंधित विधायक को निष्कासित करने सहित तत्काल कार्रवाई की मांग की।इन मुद्दों को जनता तक पहुंचाने के लिए भाजपा ने देश के विभिन्न हिस्सों में वरिष्ठ राष्ट्रीय और राज्य नेताओं के नेतृत्व में समन्वित प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कीं। इस क्रम में दिल्ली में राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद डॉ. संबित पात्रा, लखनऊ में राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी, मुंबई में राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला, हरियाणा में मोहन लाल बडोली, रायपुर में राज्य मुख्य प्रवक्ता और सांसद संतोष पांडे, दरभंगा में संजय सरावगी, जम्मू में सत शर्मा, धर्मशाला में राजीव बिंदल, गांधीनगर में जगदीश विश्वकर्मा, और कोलकाता में लॉकेट चटर्जी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

यूपी में न्यायिक व्यवस्था से जुड़े कार्य पूरा होने में देर नहीं लगती : योगी

चंदौली, 17 जनवरी (एजेंसियां)। देश के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में शनिवार को चंदौली में छह जिलों (चंदौली, महोबा, अमेठी, शामली, हाथरस व औरैया) के एकीकृत न्यायालय परिसर का शिलान्यास व भूमि पूजन किया। सीएम योगी ने मुख्य न्यायाधीश को स्मृति चिह्न प्रदान किया और सभी न्यायमूर्तियों का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र के सशक्तिकरण के लिए अत्यंत आवश्यक है कि न्यायपालिका भी उतनी ही सशक्त हो। आम आदमी को जितनी सहजता-सरलता से न्याय प्राप्त हो, उतना ही अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर होना भी आवश्यक है। यूपी सरकार के पास न्यायिक व्यवस्था से जुड़े कोई भी कार्य आते हैं तो उसे पूरा होने में देर नहीं लगती। हमारा मानना है कि सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त करना है तो न्यायिक सुविधा को सुदृढ़ करने के लिए कोई कोताही नहीं बरतनी चाहिए और यूपी इसे लेकर बेहतरीन दिशा में आगे बढ़ चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी की दृष्टि से आज का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज यहां न्यायपालिका के इतिहास के नए पृष्ठ का सृजन हो रहा है। मुख्यमंत्री ने उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की पुरानी बातों का जिक्र किया और बताया कि उन्होंने अपनी एक यात्रा के दौरान उल्लेख किया था कि न्याय सहजता के साथ प्रत्येक नागरिक को उपलब्ध हो सके, इसके लिए आवश्यक है कि कुछ ऐसे मॉडल बनने चाहिए, जो इंटीग्रेटेड (एक छत के नीचे) हों। मुख्य न्यायाधीश की प्रेरणा से यूपी के छह जनपदों (चंदौली, महोबा, अमेठी, शामली, हाथरस व औरैया) में यह सुविधा उपलब्ध हो रही है। अगले कुछ महीने में चार अन्य जनपदों में यह सुविधा उपलब्ध होगी। भारत के न्यायिक इतिहास में यह पृष्ठ नए स्वर्ण अक्षर के रूप में जुड़ेगा। यूपी में इसकी शुरुआत मुख्य न्यायमूर्ति के करकमलों से हो रही है।

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में आने के बाद 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' व 'ईज ऑफ लिविंग' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तमाम सुधार किए। इंफ्रास्ट्रक्चर को अत्याधुनिक बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए। पीएम से हमें भी प्रेरणा मिली। प्रयागराज के एक कार्यक्रम में वर्तमान मुख्य न्यायाधीश ने कहा था कि कोर्ट कॉम्प्लेक्स भी इंटीग्रेटेड होना चाहिए, इस पर हम लोगों ने यूपी के अंदर कार्य प्रारंभ किया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में बिंदल जी ने सकारात्मक सहयोग किया और यूपी सरकार ने एक साथ 10 जनपदों में (जहां स्वयं के जनपद न्यायालय नहीं थे) इंटीग्रेटेड कोर्ट कॉम्प्लेक्स के लिए स्वीकृति दी।

सीएम ने कहा कि पहले चरण में चंदौली समेत छह जनपदों के लिए धनराशि अवमुक्त हो गई है। डिजाइन अप्रूव होने के साथ ही सारी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं। एलएंडटी जैसी विश्व विख्यात संस्थाओं के द्वारा अब निर्माण कार्य होगा। यहां एक ही छत के नीचे कोर्ट कॉम्प्लेक्स, अधिवक्ताओं के लिए अच्छे चैंबर, न्यायिक अधिकारियों के लिए आवास, कैंटीन, पार्किंग, खेल आदि की सुविधाएं रहेंगी। सीएम ने कहा कि न्याय के लिए जूझने वाले अधिवक्ता के चैंबर में जब वादकारी जाता था तो उसे सूर्य के दर्शन होते थे, लेकिन अब टूटे चैंबर्स नहीं, बल्कि हाईराइज बिल्डिंग में चैंबर की व्यवस्था होगी।

आप की सरकार ने न सीवर लाइन बिछाई, न कोई ठोस ड्रेनेज सिस्टम शुरू किया : प्रवेश वर्मा

नई दिल्ली,17 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के जवाहर पार्क में मंत्री प्रवेश वर्मा ने एक नई सीवर लाइन का उद्घाटन किया, जिससे अंबेडकर नगर और देवली विधानसभा क्षेत्रों की 11 अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वाले हजारों लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। इस परियोजना के पूरा होने से इलाके में जल निकासी और स्वच्छता व्यवस्था बेहतर होगी। उद्घाटन के दौरान मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि पिछले 11 वर्षों तक केजरीवाल सरकार के सत्ता में रहने के बावजूद पूरे विधानसभा क्षेत्र में सीवर लाइन नहीं बिछाई गई और न ही कोई ठोस ड्रेनेज सिस्टम शुरू किया गया। उन्होंने कहा, हमारी सरकार के आते ही सभी अधूरे और लंबित कामों को प्राथमिकता पर लिया गया। 31 करोड़ रुपए की लागत से 25 किलोमीटर लंबी सीवर लाइन बिछाई जा रही है, जिससे 10 से 12 कॉलोनियों को सीधा लाभ मिलेगा।

मंत्री ने यमुना नदी की सफाई को सरकार की बड़ी प्राथमिकता बताते हुए कहा कि दिल्ली की हर कॉलोनी और गांव को सीवर लाइन से जोड़ना इस दिशा में अहम कदम है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अगले दो से ढाई वर्षों में राजधानी की सभी कॉलोनियों और गांवों को सीवर नेटवर्क से जोड़ दिया जाएगा, ताकि गंदा पानी सीधे नदियों में जाने से रोका जा सके और पर्यावरण को साफ रखा जा सके।

यमुना में पानी के प्रवाह को बढ़ाने के सवाल पर मंत्री प्रवेश वर्मा ने बताया कि इसके लिए सभी बांधों पर काम चल रहा है। कुछ परियोजनाएं टेंडर प्रक्रिया में हैं, जबकि कुछ आंशिक रूप से पूरी हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि ये बांध हिमाचल प्रदेश में बनाए जा रहे हैं।

मंत्री के अनुसार, इन परियोजनाओं में दिल्ली ने अपनी हिस्सेदारी का फंड पहले ही उपलब्ध करा दिया है। हरियाणा और उत्तर प्रदेश भी अपने-अपने हिस्से का योगदान दे रहे हैं।

बिरजू महाराज: नृत्य से जब मंच पर चला दी थी ट्रेन घुंघरुओं में बोलती थी कथक की आत्मा

शाम का वक्त था, लखनऊ के एक पुराने घर के आंगन में सात-आठ साल का एक दुबला-पतला बालक अपने पैरों में बंधे भारी घुंघरुओं के साथ कुछ ऐसी जुगलबंदी कर रहा था कि वहां मौजूद उस्ताद भी दंग रह गए। उस बच्चे के पैर जमीन पर नहीं, बल्कि ताल के उस बारीक धागे पर थिरक रहे थे जिसे पकड़ना बड़े-बड़े दिग्गजों के बस की बात नहीं होती। यह बालक कोई और नहीं, बल्कि भविष्य के 'कथक सम्राट' पंडित बिरजू महाराज थे। बिरजू महाराज का बचपन किसी परीकथा जैसा सुखद नहीं था। लखनऊ के मशहूर कालका-बिन्दादीन घराने में 4 फरवरी 1938 को जब उनका जन्म हुआ, तो उनका नाम 'दुखहरण' रखा गया था। शायद परिवार को आभास था कि यह बच्चा अपने हुनर से न केवल अपने घर का, बल्कि पूरी कला बिरादरी का दुख हर लेगा। बाद में उनका नाम 'बृजमोहन नाथ मिश्रा' पड़ा, जो दुनिया के लिए 'बिरजू महाराज' बन गए। महज नौ साल की उम्र में पिता और गुरु अच्छन महाराज का साया सिर से उठ गया। उस छोटी सी उम्र में, जब बच्चे खिलौनों से खेलते हैं, बिरजू महाराज के कंधों पर सदियों पुरानी विरासत को सहेजने का भार आ गया था। उन्होंने अपने चाचाओं (लच्छू महाराज और शंभू महाराज) की देखरेख में अपनी कला को तराशा और उसे एक नई पहचान दी।

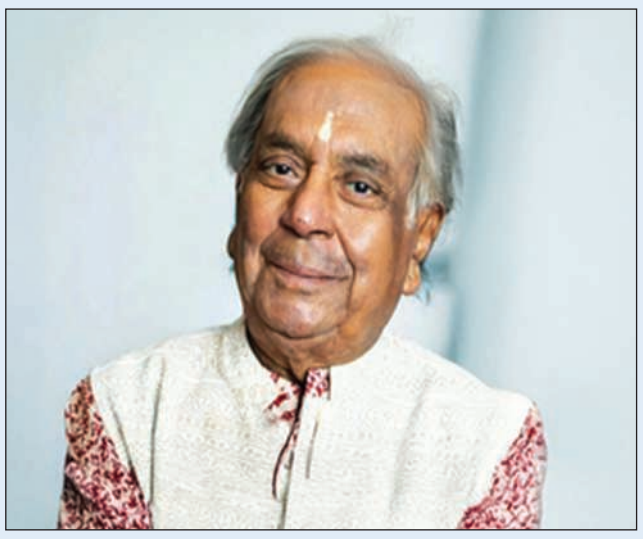

बिरजू महाराज की सबसे बड़ी खासियत यह थी कि वे सिर्फ नृत्य नहीं करते थे, वे 'कहानी' कहते थे। 'कथक' शब्द का अर्थ है 'कथा' कहे सो कथक कहावे'। उनके हाथों की भंगिमाएं औरआंखों की हरकतें बिना बोले ही पूरी रामायण या कृष्णलीला बयां कर देती थीं।

एक बार का किस्सा मशहूर है कि उन्होंने एक मंच पर केवल अपने पैरों की थाप से ट्रेन के चलने की आवाज, उसके इंजन की सीटी और पटरी की खटखटाहट पैदा कर दी थी। देखने वाले अपनी आंखों और कानों पर यकीन नहीं कर पा रहे थे।

बहुत कम लोग जानते हैं कि बिरजू महाराज जितने अच्छे नर्तक थे, उतने ही बेमिसाल गायक और संगीतकार भी थे। उनकी ठुमरी सुनने वाले मंत्रमुग्ध हो जाते थे। शास्त्रीय संगीत के सख्त अनुशासन को उन्होंने बड़े ही प्यार से फिल्मी पर्दे पर भी उतारा।

सत्यजीत रे की 'शतरंज के खिलाड़ी' से लेकर संजय लीला भंसाली की 'देवदास' और 'बाजीराव मस्तानी' तक, उन्होंने कथक को ग्लैमर के बीच भी उसकी पवित्रता के साथ पेश किया। 'काहे छेड़ मोहे' (देवदास) में माधुरी दीक्षित के भाव हों या 'मोहे रंग दो लाल' (बाजीराव मस्तानी) में दीपिका पादुकोण की नजाकत, इन सबके पीछे बिरजू महाराज की वह पारखी नजर थी जो जानती थी कि कैमरा और कला का तालमेल कैस बैठाना है। उन्हें फिल्म 'विश्वरूपम' के लिए नेशनल अवार्ड से भी नवाजा गया था। दुनियाभर के सबसे बड़े मंचों पर परफॉरमेंस देने और पद्म विभूषण जैसे सम्मान पाने के बावजूद महाराज जी दिल से एक 'लखनवी रईस' थे, पैसों से नहीं, तहजीब से। उन्हें पतंग उड़ाने का और गैजेट्स का बड़ा शौक था। वे अक्सर बच्चों की तरह नई मशीनों और मोबाइल को देखकर चकित होते थे। उनके पास बैठने वाला हर शख्स उनकी सादगी का कायल हो जाता था।

17 जनवरी 2022 को जब दिल्ली की सर्द रात में उन्होंने अपनी आखिरी सांस ली, तो मानो कथक के पैरों से घुंघरू ही छिटककर बिखर गए, लेकिन बिरजू महाराज केवल एक नर्तक नहीं थे। वे तो एक बहती हुई नदी थे, जिसमें लय, सुर, ताल और अभिनय का संगम था।

मोनिका बेदी – अंडरवर्ल्ड डॉन पर आया दिल तो छोड़ा करियर

कभी बॉलीवुड की ग्लैमर क्वीन, जिसकी खूबसूरती और एक्टिंग के चर्चे हर तरफ थे, आज उसकी कहानी काफी अलग है। वो चमक-दमक वाली फिल्मी दुनिया, जहां हर कोई सफलता की ऊंचाइयों पर पहुंचने के लिए आज जद्दोजहद कर रहा है, एक्ट्रेस मोनिका बेदी ने उसे बस अपने प्यार के लिए छोड़ दिया था। यह कोई आम लव स्टोरी नहीं थी, क्योंकि मोनिका बेदी जिसके प्यार में पड़ी थी और जिसके लिए अपना करियर छोड़ा था, वो अंडरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम था। 18 जनवरी 1975 को पंजाब के चब्बवाल में जन्मीं मोनिका बेदी ने तेलुगू फिल्म 'ताजमहल' से करियर की शुरुआत की थी। जल्द ही उन्होंने सैफ अली खान के साथ फिल्म सुरक्षा से बॉलीवुड में डेब्यू किया और गोविंदा, संजय दत्त, सुनील शेट्टी, चिरंजीवी, सलमान खान और धर्मेंद्र जैसे जाने-माने एक्टर्स के साथ काम किया। उनकी मशहूर फिल्मों में कॉमेडी हिट जोड़ी नंबर 1 शामिल है। लोग सोच रहे थे कि ये लड़की बॉलीवुड में लंबी पारी खेलने वाली है, लेकिन मुकद्दर को कुछ और ही मंजूर था।

1998 में दुबई में एक स्टेज शो के दौरान मोनिका का पहला संपर्क अबू सलेम से हुआ। शुरू-शुरू में अबू ने खुद को एक कारोबारी बताया, लेकिन धीरे-धीरे उसके अंदाज और बातचीत ने मोनिका का दिल छू लिया। दोनों का रिश्ता परवान चढ़ने लगा, लेकिन जिंदगी की इस मोड़ ने आगे चलकर मोनिका के लिए मुश्किलें खड़ी कर दीं। 2002 में अबू सलेम के साथ गिरफ्तार किया गया और मोनिका को जेल की कठोर जिंदगी झेलनी पड़ी। यह वह समय था जब वह फिल्मी दुनिया से दूर हो गई थीं। जेल में

बिताए हुए साल उनके लिए आसान नहीं थे, लेकिन उन्होंने अपनी हिम्मत और जज्बे के बल पर उस कठिन समय का सामना किया। 2007 में सजा पूरी होने के बाद मोनिका ने अपने करियर को फिर से संवारने की कोशिश की।मोनिका ने कई टीवी और रियलिटी शो में भाग लिया। बिग बॉस 2, झलक दिखला जा 3, सिरफिरे और रोमियो रांझा जैसे रियलिटी शो और फिल्मों के जरिए उन्होंने अपनी पहचान फिर से बनाने की कोशिश की। हालांकि फिल्म इंडस्ट्री में वो पहले जैसी जगह नहीं बना पाईं।

आज मोनिका बेदी मुंबई में अपने छोटे-मोटे शोज, स्टेज प्रोग्राम और सोशल मीडिया के जरिए एक्टिव हैं। इंस्टाग्राम पर वे फिटनेस और ब्यूटी टिप्स देती हैं और फैंस के साथ अपने अनुभव शेयर करती हैं। उन्होंने एक ब्यूटी सैलून भी खोला है, जिससे वे अपनी कमाई का अलग जरिया भी रखती हैं।

किसी को बुरा दिखाकर अच्छा नहीं बन सकते : सोनल चौहान

बॉलीवुड में पेड नेगेटिव पीआर और सोशल मीडिया ट्रोलिंग अब एक बड़ी समस्या बन चुकी है। कई एक्टर्स इस तरह की जानबूझकर फैलाई जा रही नकारात्मकता से परेशान हैं। इसी बीच अभिनेत्री सोनल चौहान ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की और कहा कि किसी को नीचा दिखाकर कोई खुद ऊपर नहीं उठ सकता। सोनल का मानना है कि बॉलीवुड में कॉम्पिटिशन तो होनी चाहिए, लेकिन वह सकारात्मक और रचनात्मक हो। ट्रोलिंग और पेड नेगेटिविटी से न सिर्फ एक्टर्स की मानसिक शांति प्रभावित होती है, बल्कि उनके काम और मेहनत पर भी बुरा असर पड़ता है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर किए पोस्ट के जरिए अपनी राय रखी।

उन्होंने कहा, एक्टर्स के खिलाफ चल रही ये पेड पीआर अब बंद होनी चाहिए। इतनी नेगेटिविटी की कोई जरुरत नहीं है। किसी को बुरा दिखाकर कोई अच्छा नहीं बन सकता। हम एक-दूसरे के लिए खुश क्यों नहीं हो सकते? सब बहुत मेहनत करते हैं, अगर हम सपोर्ट करें, तो इंडस्ट्री का माहौल बहुत बेहतर हो सकता है। हमें बस थोड़ा सकारात्मक रहना है। सोनल से पहले कई एक्टर्स पेड नेगेटिव पीआर के खिलाफ आवाज उठाते दिखे। तारा सुतारिया ने हाल ही में बताया कि उनके खिलाफ पेड नेगेटिव पीआर चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि झूठी अफवाहें और ट्रोलिंग से उनका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। वे चाहती हैं कि लोग उनके काम पर फोकस करें, न कि बनाई हुई कहानियों पर।

यामी गौतम ने भी पेड हाइप और नेगेटिव कैंपेन को इंडस्ट्री के लिए खतरनाक बताया। उन्होंने कहा कि यह एक तरह की वसूली है, जो धीरे-धीरे दीमक की तरह पूरी इंडस्ट्री को खा जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने इंडस्ट्री से इस कल्चर को खत्म करने की अपील की। ऋतिक रोशन ने पेड पीआर पर गहरा बयान दिया। उन्होंने बताया कि सबसे कीमती चीज जो खो जाती है, वह है पत्रकारों की सच्ची आवाज। पैसे के दबाव में उनकी कलम बंध जाती है, सच बोलने की आजादी छिन जाती है। सच्ची राय ही असली फीडबैक है, जो हमें बेहतर बनाती है। लेकिन, पेड पीआर के चक्कर में वह चीज खत्म हो जाती है।

दिल तो कश्मीर में ही बसता है, बिग बॉस 19 फेम फरहाना ने अपनी मातृभूमि के लिए जताया अटूट प्रेम

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर की रहने वाली फरहाना ने बिग बॉस 19 में शानदार प्रदर्शन किया। फरहाना ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कश्मीर के प्रति अपने प्रेम को व्यक्त किया। फरहाना का कहना है कि बिग बॉस से निकलने के बाद वे अगर कहीं जाना चाहती थीं तो वह कश्मीर है, क्योंकि यह उनकी मातृभूमि है, जहां से वे जुड़ी हैं और वहीं उनका दिल बसता है। उन्होंने कहा, बिग बॉस से बाहर आने के बाद यह मेरी कश्मीर की पहली यात्रा है। यह अनुभव बहुत अलग और खास है। मैंने कई देशों और राज्यों की सैर की है, लेकिन मैंने अपनी टीम से साफ कह दिया था कि सबसे पहले मुझे कहीं जाना है तो वह मेरा कश्मीर ही होगा। यह मेरी मातृभूमि है, जहां से मैं जुड़ी हूं।

अभिनेत्री ने बताया कि वह यह जानना चाहती थीं कि कश्मीर के लोग उन पर काफी गर्व करते हैं या नहीं, क्या वे उनसे प्यार करते हैं या नहीं।

फरहाना ने कहा, मेरी टीम मुझे लगातार बताती रहती थी कि कश्मीर के लोग तुम पर बहुत गर्व करते हैं और साथ ही खूब सपोर्ट भी करते हैं। मैंने जब यह सुना तो मैं हैरान हो गई थी। घर पहुंचकर जब मैंने पूछा कि यहां क्या चल रहा है, तो सबने बताया कि लोग तुम्हें बहुत प्यार और सपोर्ट दे रहे हैं।

इसी के साथ फरहाना ने अपने पुराने अनुभवों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, मैंने बॉलीवुड में 'लैला मजनू' और 'नोटबुक' जैसी फिल्मों में काम किया, लेकिन तब लोगों ने मुझे उतना पसंद नहीं किया था। शायद इसलिए क्योंकि मैं सिर्फ एक किरदार निभा रही थी, लेकिन इस बार बिग बॉस जैसे रियलिटी शो में लोगों ने मेरा असली रूप देखा, मेरी सच्ची पहचान जानी, इसलिए उन्होंने मुझे इतना प्यार दिया।

बॉलीवुड, हॉलीवुड और यूरोप : कबीर बेदी का करियर थ्रिलर फिल्म से कम नहीं

कबीर बेदी बॉलीवुड और इंटरनेशनल सिनेमा के एक ऐसे अभिनेता हैं, जिनकी जिंदगी और करियर किसी फिल्म की कहानी से कम नहीं है। अपने करियर में उन्होंने सिर्फ फिल्मों में ही नहीं बल्कि मॉडलिंग, थियेटर और टीवी में भी नाम बनाया। फिल्मों में आने से पहले कबीर ने मॉडलिंग की और बाद में उन्होंने करण जौहर की फिल्म 'माय नेम इज खान' में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर भी काम किया। उनकी बहुमुखी प्रतिभा ने उन्हें अभिनय तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि फिल्म निर्माण के हुनर को भी दर्शकों के सामने रखा। कबीर बेदी का जन्म 16 जनवरी 1946 को लाहौर में एक सिख परिवार में हुआ था। उन्होंने बचपन से ही हमेशा कला और अभिनय की ओर झुकाव महसूस किया। उन्होंने पढ़ाई पूरी करने के बाद मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा। मॉडलिंग से उन्हें पहचान मिली और धीरे-धीरे वह फिल्म उद्योग की ओर बढ़ने लगे। उनकी पहली हिंदी फिल्म 'हलचल' 1971 में आई, जिसने उन्हें बॉलीवुड में पहला मुकाम दिलाया। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में काम किया, जिनमें 'खून भरी मांग', 'मैं हूं ना', और 'द हीरो: लव स्टोरी ऑफ अ स्पाई' जैसी फिल्में शामिल हैं। कबीर ने बॉलीवुड के अलावा इंटरनेशनल सिनेमा में भी अपनी पहचान बनाई। उन्होंने इटली में बनी टीवी सीरीज 'सैंडोकन' में काम किया, जिसे यूरोप में बहुत सफलता मिली। इस सीरीज ने उन्हें यूरोप में सुपरस्टार बना दिया और हर जगह उनके फैंस बन गए। हॉलीवुड में भी कबीर ने काम किया, जिसमें सबसे प्रसिद्ध फिल्म 'ऑक्टोपसी' रही। इस फिल्म में उन्होंने जेम्स बॉन्ड की दुनिया में विलेन का रोल निभाया, जिसने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई।

कबीर केवल अभिनेता ही नहीं रहे, बल्कि उन्होंने अपने करियर में नए तरीके से खुद को साबित किया। उन्होंने कई विज्ञापन किए, थिएटर में अभिनय किया, और बड़े कलाकारों के साथ काम करने का अनुभव भी लिया। इसके अलावा, उन्होंने करण जौहर की फिल्म 'माय नेम इज खान' में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर भी काम किया। वह सिर्फ कैमरे के सामने ही नहीं, बल्कि कैमरे के पीछे भी काम करने में सक्षम हैं। उनके करियर में उन्हें कई पुरस्कार और सम्मान भी मिले। उन्हें अभिनय और इंटरनेशनल काम के लिए सराहा गया।

मौनी अमावस्या के दिन शिवलिंग पर ये पांच पत्ते करें अर्पितं, भोलेनाथ होंगे प्रसन्न

मौनी अमावस्या का हिंदू धर्म में बहुत खास महत्व होता है। इस तिथि पर मौन रहकर स्नान, दान करने से कई गुना फल की प्राप्ति होती है। माघ मास में पड़ने वाली अमावस्या तिथि को मौनी अमावस्या के नाम से जाना जाता है। इस दिन भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा करने से जीवन में सौभाग्य बढ़ता है। साथ ही, शास्त्रों में शिवलिंग पर कुछ विशेष पत्तों को अर्पित करना अत्यंत फलदायी माना गया है। अमावस्या पर इन्हें चढ़ाने से भो-लेनाथ जल्दी प्रसन्न हो सकते हैं और जातक को आर्थिक दिक्कतों से भी मुक्ति मिल सकती है।

शिवलिंग पर चढ़ाएं आक के पत्ते

माघ मास में पड़ने वाली अमावस्या तिथि पर भगवान शिव की पूजा अवश्य करनी चाहिए। साथ ही, इस दिन सुबह स्नानादि करके शिवलिंग का अभिषेक करें उन्हें आक के पत्ते अर्पित करें। आक के पेड़ का हिंदू धर्म में बहुत खास महत्व है। इसे बहुत शुभ और पवित्र माना जाता है। आक के पत्ते और फूल भगवान शिव को बेहद प्रिय हैं। ऐसे में अमावस्या के दिन शिवलिंग पर आक के पत्ते जरूर चढ़ाएं। ऐसा करने से भोलेनाथ जल्दी प्रसन्न हो सकते हैं।

अपामार्ग के पत्ते करें अर्पित

भगवान शिव की पूजा में अपामार्ग के पत्तों को भी शामिल किया जाता है। इन्हें शिवलिंग पर अर्पित करने से अत्यंत शुभ फल की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि ऐसा करने से जातक के जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। साथ ही, सौभाग्य बढ़ता है और मोक्ष के द्वार आपके लिए खुल सकते हैं।

शिवलिंग पर चढ़ाएं शमी के पत्ते

हिंदू धर्म में शमी के पत्तों को बहुत पवित्र माना जाता है। इसके पत्ते का प्रयोग भगवान गणेश, शनिदेव और भोलेनाथ की पूजा में किया जाता है। ऐसा करने से शिवजी प्रसन्न हो सकते हैं और उनकी कृपा अपने भक्तों पर बनी रहती है। ऐसे में अमावस्या तिथि के दिन शिवलिंग पर शमी के पत्ते अवश्य अर्पित करें। इससे जीवन के दुखों से मुक्ति मिल सकती है।

बेलपत्र शिवलिंग पर करें अर्पित

भगवान शिव को बेलपत्र बहुत प्रिय हैं। यही कारण है कि खास अवसरों और सोमवार के दिन भक्त शिवालय में जाकर शिवलिंग पर बेलपत्र अवश्य चढ़ाते हैं। मौनी अमावस्या के दिन स्नानादि करके साफ वस्त्र धारण करें। इसके पश्चात अपने घर के मंदिर या पास के शिवालय में जाकर शिवलिंग पर बेलपत्र और जल अर्पित करें। ऐसा करने से जीवन में आने वाली बाधाएं दूर हो सकती हैं और जेब कभी भी खाली नहीं रहती है।

धतूरे के पत्ते शिवलिंग पर चढ़ाएं

मौनी अमावस्या के दिन शिवलिंग पर धतूरे के पत्ते भी अर्पित कर सकते हैं क्योंकि, धतूरा भोलेनाथ को बेहद प्रिय है। ऐसे में उन्हें धतूरा और इसके पत्ते अर्पित करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है। साथ ही, जातक को भगवान शिव का विशेष आशीर्वाद प्राप्त होता है। इसके अलावा, बेलपत्र न हों तो आप भांग भी चढ़ा सकते हैं। ऐसा करने से आर्थिक तंगी से राहत मिलती है और नौकरी में तरक्की के मौके मिल सकते हैं।

शिवजी का पंचामृत से जरूर कराएं स्नान

माघ मास की इस अमावस्या तिथि पर शिवलिंग पर बेलपत्र, शमी के पत्ते आदि अर्पित करने के साथ-साथ उनका पंचामृत से स्नान भी अवश्य कराना चाहिए। इसके लिए सबसे पहले शिवलिंग पर शुद्ध जल अर्पित करें और फिर दूध, घी, शक्कर या गुड़, दही, गंगाजल आदि से शिवजी का स्नान कराएं। ऐसा करने से सभी पापों का नाश हो सकता है और मानसिक शांति महसूस होती है।

सूर्य और चंद्रमा का मकर राशि में मिलन

मौनी अमावस्या के दिन अद्भुत ग्रहीय संयोग

आज यानी 18 जनवरी 2026, दिन रविवार, को चन्द्रमा दिन में 4:39 पर मकर राशि में प्रवेश करेंगे, जहां चन्द्रमा का मिलन सूर्य के साथ मकर राशि में होगा। गौरतलब है मकर संक्रांति से सूर्य अपने पुत्र मकर राशि में प्रवेश करते हैं। मौनी अमावस्या के दिन सूर्य, चन्द्रमा के मिलन से जो ब्रह्माण्डीय उर्जा उत्सर्जित हो जाती है, वह स्नान, दान, ध्यान के माध्यम से मानव का कल्याण करती है।

मौनी अमावस्या पर पंचग्रहीय योग

मकर राशि में सूर्य, मंगल, बुध, शुक्र के साथ दिन में 4:39 पर चन्द्रमा का मिलन होने से पंचग्रहीय योग का सृजन हो रहा है, जिसके चलते ब्रह्माण्ड की शुभ उर्जा के माध्यम से भाग्य परिवर्तन का सूक्ष्म द्वार खुलेगा। मकर राशि में पांच ग्रह सूर्य, चन्द्र, मंगल, बुध, शुक्र के साथ मिथुन राशि में देवगुरु बृहस्पति, कुम्भ राशि का राहु, सिंह राशि का केतु तथा मीन राशि का शनि, 18 तारीख को पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र सुबह 10:15 तक रहेगा, उसके बाद उत्-ाराषाढ़ा नक्षत्र प्रारम्भ होगा, अमावस्या देर रात 1:18 मिनट तक रहेगी।

सूर्य और शनि

सूर्य ग्रहों का राजा है, आत्मा और प्रकाश का कारक है, शनि सूर्य का पुत्र है जो अंधकार का प्रतीक है। न्यायकर्ता के रूप में शनि की साढ़ेसाती एवं ढैय्या से शायद ही कोई मनुष्य पृथ्वी पर ऐसा हो जिसने इनका नाम न सुना हो, अथवा साढ़ेसाती, ढैय्या से न परिचित हो। पिता-पुत्र होकर सूर्य-शनि एक- दूसरे के शत्रु हैं। शनि के निमित्त छाया दान करना सबसे कारगर, सरल एवं व्ययशून्य उपाय माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र में सूर्य-शनि की शत्रुता का विवरण मिलता है, जब शनि की मकर राशि में पिता सूर्य आते हैं, तो दो विरोधी उर्जाओं के मिलन से होने वाला ब्रह्माण्डीय प्रभाव समस्त चराचर जगत को प्रभावित करता है।

तीर्थराज प्रयागराज का संगम अक्षय क्षेत्र है, विज्ञान की भाषा है, यह एक ऐसा उर्जा क्षेत्र है, जहां पर जल, वायु, वातावरण की दिव्यता मौनी अमावस्या पर देखी जा सकती है। माघ मेले का सबसे बड़ा स्नान पर्व मौनी अमावस्या ही है, करोड़ों श्रद्धालु मौनी अमावस्या पर दान-पुण्य कर्म करते देखे जाते हैं।

मौनी अमावस्या पर बना पंचग्रही योग, ये पांच राशियां रहें सतर्क, लग सकता है खुशियों को ग्रहण

आज 18 जनवरी अमावस्या तिथि के दिन पंचग्रही योग का बेहद ही दुर्लभ संयोग बन रहा है। अमावस्या तिथि पर सूर्य, चंद्रमा, मंगल, शुक्र और बुध सभी 5 ग्रह एक साथ मकर राशि में विराजमान होंगे। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, यह युति बेहद ही खतरनाक साबित होने वाली है। क्योंकि, सभी ग्रह सूर्य से सामान अंशों पर गोचर करेंगे। ऐसे में ग्रहों की यह युति कर्क, कुंभ सहित 5 राशियों के लिए अशुभ साबित होगा। इन राशियों को थोड़ा सावधानी के साथ अपने काम करने की जरूरत है। ज्योतिष गणना के अनुसार, ग्रहों की इस अशुभ स्थिति का प्रभाव देश और दुनिया पर भी पड़ने वाला है। पहाड़ों पर भारी बर्फबारी होने के साथ साथ भूकंप आदि की समस्या भी उत्पन्न हो सकती है। ऐसे में आइए जानते हैं अमावस्या पर बने पंचग्रही योग से किन किन राशियों को सतर्क रहना होगा।

मिथुन राशि पंचग्रही योग से बढ़ेगा संघर्ष

मिथुन राशि के लोगों के लिए पंचग्रही योग की युति अष्टम भाव में हो रही है। ऐसे में आपका मन पूजा पाठ में नहीं लगेगा। वाहन आदि का प्रयोग थोड़ा संभलकर करें। इस दौरान आपको करियर और पारिवारिक जीवन दोनों ही जगह काफी संघर्ष करना पड़ सकता है। आपका अगर पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा है तो इस अवधि में किसी निर्णय पर न पहुंचे। कुछ समय के लिए रुक जाना ही बेहतर रहेगा।

उपाय : जरुरतमंद लोगों को गर्म कपड़ों का दान करें

कर्क राशि पंचग्रही योग से रिश्तों में आएगी खटास

कर्क राशि के जातकों के लिए पंचग्रही योग उनके सप्तम भाव में बनने जा रहा है। ऐसे में कर्क राशि के लोगों को गुप्त रोग आदि की परेशानी हो सकती है। साथ ही अब आपको अपने रिश्तों को लेकर थोड़ा सावधानी रखनी होगी। आपके पार्टनर के साथ गलतफहमी होने के कारण रिश्तों में अलवा की स्थिति बन सकती है। वहीं, जो लोग साझेदारी में व्यापार करते हैं उन्हें कोशिश करनी है कि किसी के साथ अपनी योजनाओं को ज्यादा साझा न करें। वरना आपको भविष्य में भारी नुकसान हो सकता है।

उपाय : दूध और चावल का दान ब्रह्माण को करें

सिंह राशि पंचग्रही योग से थोड़ी निराशा हो सकती है

सिंह राशि के लोगों के लिए पंचग्रही की युति छठे भाव में होने जा रही है। ऐसे में सिंह राशि के जातकों को कोशिश करनी है कि आप किसी के साथ अनावश्यक वाद विवाद में न फंसे वरना आपको कोर्ट के चक्कर काटने पड़ सकते हैं। आप इस दौरान जो भी काम करेंगे इसमें आपको असफलता मिल सकती है। जिस वजह से आप थोड़े निराश भी रह सकते हैं। अगर कोई पुराना कोर्ट केस चल रहा है तो उसका फैसला आपके पक्ष में नहीं आएगा। इसलिए थोड़ा धैर्य और समझदारी से काम करें।

उपाय : पवित्र नदी में स्नान करें और पितरों के नाम से तर्पण करें

वृश्चिक राशि पंचग्रही योग से भाई बहनों से बिगड़ेंगे संबंध

वृश्चिक राशि के लोगों के लिए पंचग्रही योग का संयोग आपके तीसरे भाव में होने वाला है। ऐसे में वृश्चिक राशि के जातकों के अपने छोटे भाई बहनों के साथ संबंध थोड़ा बिगड़ सकते हैं। अगर आपने किसी यात्रा पर जाने का प्लान किया था तो वह यात्रा टल सकती है। आपको इस दौरान अपनी वाणी पर थोड़ा काबू रखें। वरना आपके रिश्तों में दरार आ सकती है। जो लोग लेखन आदि के कार्यों से जुड़े हैं उन्हें इस दौरान थोड़ा संभलकर काम करना होगा।

उपाय : चीनी और दूध का दान करें

कुंभ राशि पंचग्रही योग का सेहत पर पड़ेगा असर

कुंभ राशिवालों के द्वादश भाव में पंचग्रही योग की युति बनने वाली है। ऐसे में कुंभ राशि के जातकों को इस समय थोड़ा संभलकर रहना होगा क्योंकि, आपके खर्चों में काफी ज्यादा वृद्धि होगी। अगर आपका कोई पुराना कोर्ट कचहरी का केस चल रहा है तो थोड़ा संभलकर काम करें। अपनी सेहत को नजरअंदाज न करें वरना आपके भारी खर्चा हो सकता है। इस दौरान कोई पुरानी बीमारी फिर से उभर सकती है।

उपाय : जरुरतमंद लोगों को जूतों का दान करें।

मौनी अमावस्या पर छाया दान और तुला दान करने से होता है दुर्भाग्य दूर

मौनी अमावस्या के शुभ योग में सबसे ज्यादा दान का महत्व है। अमावस्या तिथि पितरों की तिथि है, दुर्भाग्य को दूर करने के लिए तथा सौभाग्य के सृजन के लिए अमावस्या को छाया दान करें। एक लोहे के पात्र में तेल भरकर उसमें अपना चेहरा देखें, तदुपरान्त एक-एक रुपए के आठ सिक्के धीरे-धीरे पात्र में डालें। पितरों का स्मरण करते हुए ईश्वर से प्रार्थना करें कि, 'हे प्रभु! हमारे पितरों का कल्याण हो, पितरों के आशीर्वाद से और देवताओं के शुभाशीष से अनिष्ट ग्रहों की पीड़ा का निवारण हो।' तदुपरान्त संकल्प पूर्वक अपनी ग्रह दशा एवं राशि से संबंधित दान के साथ तेल से भरा पात्र काले कपड़े से ढककर पीपल के वृक्ष के नीचे अथवा किसी मंदिर में पवित्र नदियों के स्थल पर रखकर आएं। जिन लोगों के ऊपर अनिष्ट ग्रहों का प्रभाव अत्यधिक हो, उन्हें इस दिन अपने वजन के बराबर कोयले का दान अथवा जिस ग्रह की मारक पीड़ा हो, उस ग्रह से संबंधित अनाज को अपने वजन के बराबर लेकर तुला दान अवश्य करना चाहिए।

मौन अमावस्या पर मौन व्रत धारण कर राशि अनुसार दान अवश्य करें-

मेष तथा वृश्चिक राशि- मेष तथा वृश्चिक राशि वाले मौनी अमावस्या के दिन लाल मसूर की दाल, गुण, लाल चंदन, लाल फूल, सिंदूर, तांबा, मूंगा, लाल वस्त्र आदि दान हेतु सम्मिलित करें तो उनको विशेष लाभ प्राप्त होगा।

वृष तथा तुला राशि- वृष तथा तुला राशि वाले मौनी अमावस्या के दिन सफेद वस्त्र, कपूर, खुशबूदार अगरबत्ती, धूप, इत्र आदि, दही, चावल, चीनी, दूध, चांदी, आदि दान हेतु सम्मिलित करें तो उनको विशेष लाभ प्राप्त होगा।

मिथुन तथा कन्या राशि- मिथुन तथा कन्या राशि वाले मौनी अमावस्या के दिन हरी सब्जी, हरा फल, हरा वस्त्र, कांसे का बर्तन, पन्ना या उसका उपरत्न ऑनेक्स, हरी दाल, आदि दान हेतु सम्मिलित करें तो विशेष शुभ फल प्राप्त होगा।

कर्क राशि- कर्क राशि वाले मौनी अमावस्या के दिन दूध, दही, चावल, सफेद वस्त्र, चीनी, चांदी, मोती, शंख, कपूर, बड़ा बताशा आदि का दान अवश्य करें।

सिंह राशि- सिंह राशि वाले मौनी अमावस्या के दिन गेहूं, गुड़, लाल वस्त्र, लाल पुष्प, लाल चन्दन, माणिक्य, शहद, केसर, सोना, तांबा, शुद्ध घी, कुमकुम आदि दक्षिणा सहित दान करें।

धनु तथा मीन राशि- धनु तथा मीन राशि वाले मौनी अमावस्या के दिन पीला वस्त्र, हल्दी, पीला अनाज, केला, चने की दाल, पुखराज या उसका उपरत्न सुनहला अथवा पीला हकीक, देसी घी, सोना, केसर, धार्मिक पुस्तक, पीला फूल, शहद आदि दान हेतु सम्मिलित अवश्य करें।

मकर तथा कुम्भ राशि- मकर तथा कुम्भ राशि वाले मौनी अमावस्या के दिन काले तिल, काला वस्त्र, लोहा, काली उड़द दाल, काले फूल, सुरमा (काजल), चमड़े की चप्पल, कोयला, काला मिर्च, नीलम अथवा उसका उपरत्न जमुनिया, काले चने, काली सरसों, तेल आदि दान करें।

लोहे का छल्ला पहनने से पहले जान लें ये जरूरी नियम, शनिदेव की कृपा से करियर और नौकरी में मिलेगा लाभ

लोहे के छल्ले का ज्योतिषशास्त्र में बेहद खास महत्व होता है। इसे शनि से जुड़ा माना गया है। ऐसे में लोहे का छल्ला धारण करने से साढ़ेसाती और ढैय्या के अशुभ प्रभावों से बचाव होता है। साथ ही, शनिदेव की कृपा से हर क्षेत्र में सफलता के मौके मिल सकते हैं और जीवन से नकारात्मकता दूर हो सकती है। लेकिन लोहे का छल्ला पहनने से पहले जरूरी नियमों का ध्यान रखना चाहिए, अन्यथा इसके प्रतिकूल प्रभाव जीवन पर पड़ सकते हैं। लोहे का छल्ला किसे पहनना चाहिए, कब पहनना चाहिए, क्यों पहनना चाहिए आदि के बारे में जानकर ही इसे धारण करने से पूर्ण लाभ प्राप्त होता है।

लोहे का छल्ला किस उंगली में पहनना चाहिए?

शास्त्रों के अनुसार, लोहे के छल्ले को दाएं हाथ की मध्यमा उंगली में धारण करना चाहिए। हस्तरेखा शास्त्र में मध्यमा उंगली को शनि की उंगली माना जाता है और लोहे के छल्ले का संबंध शनि से होता है। यही कारण है कि हमेशा लोहे का छल्ला मध्यमा उंगली में ही धारण करना चाहिए। अगर दाएं हाथ में इसे पहनना संभव न हो तो आप बाएं हाथ की मध्यमा उंगली में भी इसे पहन सकते हैं।

लोहे का छल्ला किस दिन पहनना चाहिए?

मान्यता है कि लोहे का छल्ला अमावस्या तिथि पर पहनना सबसे उत्तम होता है। ऐसे में आप किसी भी अमावस्या तिथि पर इसे धारण कर सकते हैं। इसके अलावा, शनिवार के दिन भी लोहे का छल्ला पहनना शुभ माना जाता है क्योंकि, ये दोनों तिथियां शनिदेव को समर्पित होती हैं। साथ ही, इस बात का भी ख्याल रखें कि जिस भी दिन आप इसे धारण करें तो पहले उस दिन का शुभ मुहूर्त जरूर देख लें।

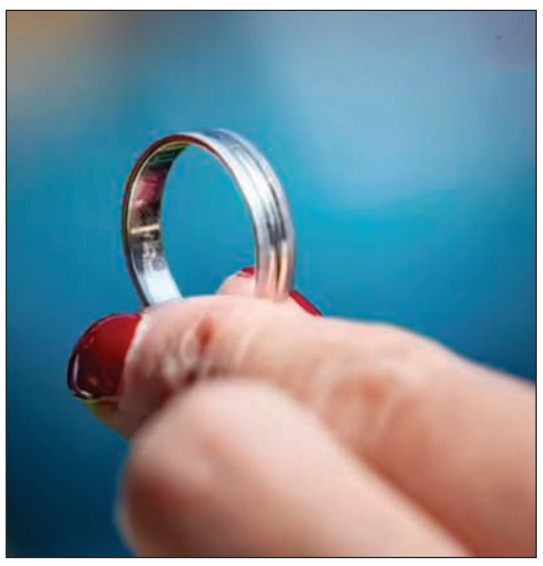

लोहे का छल्ला पहनने की विधि

शनि की उंगली यानी मध्यमा उंगली में लोहे का छल्ला पहनने से पहले इसकी विधि जरूर जान लेनी चाहिए। सबसे पहले स्वच्छ होकर लोहे के छल्ले को गंगाजल से शुद्ध कर लें। इसके पश्चात शनि के मंत्रों का कम से कम 108 बार जाप करने के बाद छल्ले को धारण करें। लोहे की अंगूठी पहनने का उत्तम समय शाम को प्रदोष काल में होता है जो सूर्यास्त से लगभग 45 मिनट पहले और 45 मिनट बाद तक की अवधि होती है। मान्यता है कि अंगूठी जिस भी ग्रह से संबंधित हो उसे पहनने से पहले उस ग्रह से जुड़े मंत्रों का जरूर जाप करना चाहिए।

लोहे का छल्ला किसे नहीं पहनना चाहिए?

वैसे तो लोहे का छल्ला पहनना बहुत लाभकारी सिद्ध हो सकता है। लेकिन कुछ जातकों को गलती से भी इसे नहीं पहनना चाहिए, अन्यथा प्रतिकूल प्रभावों का सामना करना पड़ सकता है। अगर शनि अष्टम या द्वादश भाव में हो तो इसे धारण नहीं करना चाहिए। इसके अलावा, शनि के साथ चंद्रमा होने पर, सूर्य या गुरु की दशा चल रही हो, राहु केतु के साथ शनि विराजमान होने पर भी किसी कुशल ज्योतिषी की सलाह लेकर ही सही रत्न धारण करना चाहिए।

लोहे का छल्ला किसे पहनना चाहिए?

अगर आपकी शनि की साढ़ेसाती या ढैय्या चल रही है तो लोहे का छल्ला धारण किया जा सकता है। मान्यता है कि शनि के अशुभ दशा में होने पर ही इसे धारण करना लाभकारी होता है। लेकिन तब भी इसे पहनने से पहले कुशल ज्योतिषी को अपनी कुंडली अवश्य दिखानी चाहिए। अगर शनि की दशा न चल रही हो तो इसे पहनने पर भी कोई लाभ प्राप्त नहीं होता है।

लोहे का छल्ला पहनने के फायदे

मध्यमा उंगली में लोहे का छल्ला धारण करने से शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या के दुष्प्रभावों से बचाव हो सकता है। साथ ही, शनिदेव की कृपा से जरूरी कार्यों में आ रही बाधाएं दूर हो सकती हैं और बिगड़े काम भी बनने लगते हैं। इसे सही विधि और नियमों का ध्यान रखकर पहनने से करियर में उन्नति के मौके मिलते हैं, नौकरी में लाभ होता है और जीवन के हर क्षेत्र में अपने प्रयासों और मेहनत से सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

क्या आप जानते हैं?

- कागज का आविष्कार चीन के ली यैंग में रहने वाले साई लुन ने 105 ई. में पुराने काटे गए मछली पकड़ने वाले जालों से किया।
- मिस्र की नील नदी के किनारे बहुतायत में उगने वाले 'पपायरस' नामक पौधे के नाम पर 'पेपर' शब्द बना।
- 1690 में जर्मनी स्थित पेनसिल्वेनिया शहर में विलियम रिटेनहाऊस ने पहली पेपर मिल का निर्माण किया।
- पेड़ों की लकड़ी के गुद्दे से निकलने वाले सैलुलोस फाइबर से कागज बनाया जाता है।
- 793 ईस्वी में अन्य देशों को कागजा के बारे में पता चला।

मैथ्स की जानकार

आमतौर पर मधुमक्खियों को मेहनती होने के कारण जाना जाता है, लेकिन ये गणित में भी होशियार होती हैं। वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन में पता लगाया है कि मधुमक्खियां एक ही नजर में नंबरों को पहचान सकती हैं। वैज्ञानिकों द्वारा किए गए इस अध्ययन में पता चला है कि मधुमक्खियां दो या तीन बिंदुओं के नमूने को आसानी से पहचान लेती हैं। साथ ही अगर उन्हें थोड़ी स्कूली शिक्षा भी दी जाए, तो तीन और चार की भी पहचान कर सकती हैं। अब वैज्ञानिक इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या मधुमक्खियां आधारभूत गणना कर सकती हैं। मधुमक्खियों के विभिन्न अंकों को पहचानने की क्षमता उन्हें परागों को ढूंढने में मददगार साबित हो सकती है, चाहे वे अपने छत्ते से कितनी ही दूर क्यों न हों। कबूतर, डॉल्फिन और बंदरों में भी नंबरों को पहचानने की क्षमता होती है।

पैशन का पैराशूट

प्यारे बच्चो, आसमान में उड़ने की चाह सबके मन में होती है। आइए आज आपको पैराशूट और इससे जुड़े तथ्यों के बारे में बताएं...

आसमान में उड़ना अपने आप में एक रोमांचक अनुभव है। सदियों से मनुष्य की इच्छा आसमान में उड़ने की रही है। इसीलिए वह उड़ने की कई असफल कोशिशों के बाद आखिर उड़ने में सफल हो गया। उसने जहाज, रॉकेट आदि कई तरह के उपकरणों को बनाया। मगर खुले रूप में आसमान में उड़ने की ख्वाहिश वैसी की वैसी ही रही। आज हम आपको मानव की जिस खोज के बारे में बता रहे हैं, वह ऐसी है, जो शायद इसी ख्वाहिश को पूरा करती है। जी हां यह खोज है- पैराशूट। इसके माध्यम से खुले रूप में आसमान में उड़ने का आनंद लिया जाता है। पैराशूट के साथ उड़ने का अनुभव जहाज में उड़ने के अनुभव से बिल्कुल अलग तरह का है।

आज इसके बिना वायुसेना का कोई भी पायलट जहाज में नहीं बैठता, पर आपको बता दें कि यात्री विमानों में पायलटों के लिए के लिए पैराशूट का उपयोग करना मना है।

मगर पैराशूट की खोज इतनी आसानी से नहीं हुई। इसके लिए लोगों को बहुत मेहनत करनी पड़ी। यहां तक कि कुछ लोगों को तो अपनी जान तक से हाथ धोना पड़ा। तब कहीं जाकर पैराशूट का वर्तमान स्वरूप हमारे सामने आया। मगर इस खोज पर काम करने वाले लोगों में इतना पैशन था कि वह अपने काम से पीछे नहीं हटे।

कहते हैं सबसे पहला पैराशूट इटली के प्रसिद्ध वैज्ञानिक ल्युनार्दो दसी ने आज से लगभग 500 साल पहले बनाया था, बहुत से लोगों ने इस में सुधार किए और कई नए डिजाइन के पैराशूट बनाए। 1783 में एक फ्रांसीस डॉक्टर स्वास्तिन लनारमां ने लकडी के ढांचे पर कपडा डालकर पैराशूट बनाया और इसके द्वारा एक ऊंची ईमारत से छलांग लगाई, जिसको देखकर लोग हैरान रह गए।

सन 1797 में एक अन्य फ्रांसीसी आंद्रे गार्निरन ने हवा में उड़ते हुए गुबारे पर से पैराशूट द्वारा छलांग लगाने का प्रदर्शन किया। यह कारनामा पैरिस के हजारों लोगो ने देखा। जब गार्निरन का गुब्बारा 3000 फुट की ऊंचाई पर पहुंचा, तो वह रस्सी काट दी गई, जिससे पैराशूट गुब्बारे के साथ बंधा हुआ था। रस्सी के कटते ही पैराशूट तेजी से धरती की ओर आया यह भयानक दृश्य देखकर बहुत से कमजोर लोग के स्त्री पुरुष बेहोश हो गए। लोगों का विचार था कि गार्निरन का पैराशूट नीचे गिर जाएगा और उसकी हड्डीपसली एक हो जाएगी, पर जैसे ही पैराशूट में हवा भरी गई, वह धीरे-धीरे धीमी गति से नीचे उतर आया। 24 जुलाई 1837 को रॉबर्ट काकिंग ने लन्दन के बॉक्स हाल गार्डन में पैराशूट की उड़ान का प्रदर्शन किया। उसने पैराशूट को एक गुबारे के नीचे बांधा और गुबारे को गैस द्वारा हवा में उड़ा दिया। वह स्वयं पैराशूट की टोकरी में खडा था। लोग खुशी से तालियां बजा रहे थे। पांच हजार फुट की ऊंचाई पर पहुंचकर उसने पैराशूट को गुबारे से अलग कर दिया। दुर्भाग्य से पैराशूट का लकड़ी का ढांचा हवा के दबाब से टूट गया और राबर्ट धरती पर गिरकर मर गया। पर मनुष्य हार कहां मनाता है, एक आविष्कार फेल हो जाए, तो दूसरे की खोज में लगा जाता है। वह अपनी हर असफलता से सफलता की सीढ़ी तलाश करता है। इस दुर्घटना के 15 महीने बाद ही एक अंग्रेज हेम्टन ने एक हल्का-फुल्का पैराशूट बनाया। वह इससे हवा में उड़ा और फिर एक उड़ते गुबारे से सफलता पूर्वक नीचे उतर आया।

लकड़ी के ढांचे पर कपड़ा डालकर बनाए जाते थे। फान टासल ने सूती कपड़े की एक छतरी बनाई। उसका यह पैराशूट बहुत लोकप्रिय हुआ। कुछ समय के बाद सूती कपड़े की बजाय रेशमी कपड़े का इस्तेमाल किया जाने लगा, जिससे यह अधिक मजबूत और अधिक हल्का हो गया। अमरीका का एक सैनिक कैप्टन एलबर्ट बेरी पहला व्यक्ति था, जिसने पैराशूट के द्वारा विमान से छलांग लगाई। उसका विमान 55 मील प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ रहा था। यह घटना 1912 की है। उन दिनों जहाज की नई-नई खोज हुई थी और उसकी गति भी बहुत धीमी हुआ करती थी।

पैराशूट के द्वारा अभी तक धरती पर उतरना एक खेल ही समझ जाता था। लोगों के दिमाग में अब तक यह विचार नहीं आया था कि इससे पायलटों को भी मुसीबत के वक्त बचाया जा सकता है। सन 1914 में पहला महायुद्ध शुरू हुआ, तो उसमें बमवर्षा के लिए जहाजों का भी इस्तेमाल किया गया। इसके 21 साल बाद जब दूसरा महायुद्ध हुआ, तो इसमें जहाज चालकों ने पैराशूट का उपयोग किया और इस प्रकार हजारों पायलट मौत के मुंह में जाने से बच गए। अब पैराशूट नायलोन के बनाए जाते हैं। यह बहुत हलके-फुल्के और मजबूत होते हैं। अब इनसे कई तरह के काम लिए जाते हैं। युद्ध आदि के दौरान पैराशूट द्वारा शत्रु के प्रदेश में सेना उतारी जाती है, इसको छाता सेना कहते हैं। इसके अलावा जरूरत के समय गोला-बारूद और खाने-पीने का सामान भी पैराशूट से सेना के मोर्चों में गिराया जाता है। तेज गति से चलने वाले जहाजों को हवाई अड्डे में रोकने के लिए भी पैराशूट का उपयोग किया जाता है। जब इस प्रकार का कोई जहाज धरती पर उतरता है, तो पीछे का पैराशूट खुल जाता है और उसमें हवा भर जाती है। जिससे विमान की गति काम हो जाती है। इस तरह उसको ब्रेक लगाकर आसानी से रोका जा सकता है। अंतरिक्ष यात्री जिस कैप्सूल में बैठकर धरती पर उतारते हैं, उसमें भी पैराशूट लगा होता है। यदि यह न हो, तो कैप्सूल धरती पर गिरकर टुकड़े-टुकड़े ही हो जाए।

>> बाल कविता

चूहा और बिल्ली

इक चूहे नें बिल्ली पाली।
आधी पीली आधी काली।

पीती दूध और खाए मलाई
अच्छी लगती उसे मिठाई।

मैगी नूडल्स पिज्जा बर्गर।
बातें करती वो फर्र-फ़र्र।

करती वो दिन भर आराम।
नहीं आती वो किसी के काम।

चूहे नें कुछ दिन की सेवा।
दिया मलाई फल और मेवा।

खाकर बिल्ली हो गई मोटी।
हुई चूहे पर नियत खोटी।

पलक झपकते पकड़ के खाया
अपना ही तो दांव गंवाया।

अब न मिलती रोटी सूखी।
दिन भर रहती बिल्ली भूखी।

सूख के हो गई दुबली-पतली।
दिख गया अपना चेहरा असली।

अपनी करनी का फल पाया
बिल्ली नें सब-कुछ गंवाया।

>> जिज्ञासा

किसने बनाई कुतुबमीनार

बच्चो, कुतुबमीनार के बारे में ज्यादातर लोगों में भ्रांतियां पाई जाती हैं। इसलिए इस इस प्रश्न का उत्तर ठीक से पढ़ना जरूरी है। कुतुबमीनार का निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1193 में शुरू करवाया था। पर ऐबक केवल काम शुरू ही करवा सका था कि उसकी मृत्यु हो गई। इल्तुतमिश ने जो ऐबक के बाद दिल्ली की गद्दी पर बैठा, इसमें तीन मंजिलें जुड़वाईं।

फिर कुतुबमीनार में आग लगने के बाद उसका पुनर्निर्माण फिरोजशाह तुगलक के समय हुआ। इस प्रश्न का उत्तर देते समय प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले जल्दबाजी में गड़बड़ कर जाते हैं। याद रहे कि काम शुरू ऐबक ने करवाया था और पूरा करवाया इल्तुतमिश ने और 1386 में मीनार को दुर्घटना के बाद दुरुस्त करवाया फिरोजशाह तुगलक ने। कुछ इतिहासकार मानते हैं कि कुतुबुद्दीन ऐबक के नाम पर ही इस मीनार का नाम पड़ा, जबकि कुछ बताते हैं कि बगदाद के संत कुतुबद्दीन बख्तियार काकी के नाम पर इस मीनार का नाम कुतुबमीनार पड़ा। काकी बाद में भारत में आकर ही रहे। इल्तुतमिश इन्हें बहुत मानता था। 72.5 मीटर ऊंची यह मीनार यूनैस्को की विश्व धरोहर स्मारकों की सूची में भी शामिल है।

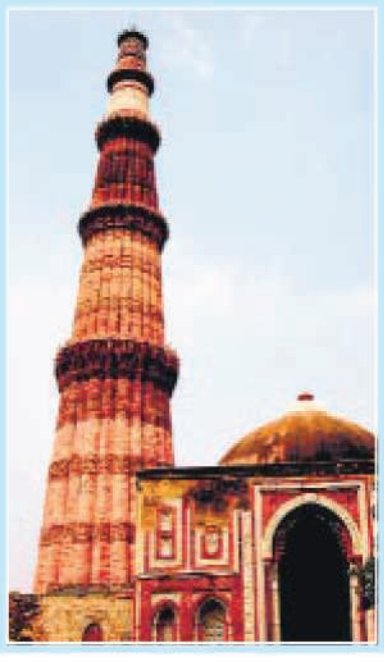

ये हमारा सौरमंडल

बच्चो सौरमंडल का जिक्र आते ही आप सूर्य और उसके गिर्द घूमते ग्रहों के बारे में सोचने लग गए होंगे। सभी ग्रह गुरुत्वाकर्षण के कारण सूर्य के गिर्द एक सीमित दूरी और रफ्तार से घूमते रहते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अब हमारे सौरमंडल में नौ ग्रहों की बजाए 8 ग्रह हैं। 2006 में नौवें ग्रह प्लूटो को सौरमंडल से बाहर करके एक बोने ग्रह का दर्जा दे दिया गया था। आइए जानें—

सूर्य- यह पृथ्वी से 109 गुणा बड़ा है। इसका पुंज संपूर्ण सौरमंडल के 99.98 प्रतिशत के समकक्ष है। इसमें लगातार आणविक विखंडन होता रहता है, जो हाइड्रोजन को हीलियम में बदलता है। इसकी पीली सतह को फोटोस्फीयर कहते हैं।

मरक्यूरी (बुद्ध ग्रह)- यह हमारे सौरमंडल का सबसे पहला और सबसे छोटा ग्रह है, जो चांद जैसा दिखाई देता है। यह सूर्य की परिक्रमा 87.969 दिनों में पूरी करता है। इस ग्रह पर कोई वातावरण नहीं।

वीनस- **(शुक्र ग्रह)**- दूसरा ग्रह वीनस पृथ्वी का पड़ोसी ग्रह भी माना जाता है। यह सूर्य की परिक्रमा 224.7 दिनों में पूरी करता है। सबसे चमकदार होने के कारण इसे ध्रुव तारा भी कहा जाता है। प्यार और सौंदर्य की प्रतीक रोमन देवी वीनस पर इसका नाम पड़ा।

पृथ्वी-हमारी प्यारी पृथ्वी सौरमंडल के तीसरे ग्रह के रूप में जानी जाती है। केवल इस पर ही जीवन मुमकिन है। यह सूर्य की परिक्रमा लगभग 365 दिनों (1 साल) में पूरी करती है। इसका 71 प्रतिशत भाग पानी से ढंका है, जिस कारण इसे नील ग्रह भी कहा जाता है। इसके वातावरण में 21 प्रतिशत आ सीजन, 78 प्रतिशत नाइट्रोजन है। जीव-जंतुओं और प्रकृति के आधार पर पृथ्वी सौरमंडल का सबसे सुंदर ग्रह है।

मार्स- **(मंगल ग्रह)** - मंगल को लाल ग्रह भी कहा जाता है, योंकि आयरन ऑक्साइड की ज्यादा मात्रा के कारण इसका रंग लाल प्रतीत होता है। पृथ्वी की तरह ही इसके भी दोनों ध्रुवों पर बर्फ पाई जाती है। सूर्य का च कर यह लगभग 686.98 दिनों में पूरा करता है।

जूपिटर- **(बृहस्पति)** सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह, जिसमें पृथ्वी जैसे 1 हजार से अधिक ग्रह समा सकते हैं। इसके 63 चांद हैं। यह ग्रह गैसों का विशाल भंडार है, जिसमें 75 प्रतिशत हाइड्रोजन है, जिसके कारण इसके धरातल पर विशाल तूफ़ान चलते रहते हैं।

सैटर्न (शनि ग्रह) - सौरमंडल में छठे स्थान पर दूसरा सबसे बड़ा ग्रह है। इसके कम से कम 62 चंद्रमा हैं। इस ग्रह के चारों ओर मौजूद गोल छल्ले उन बर्फ और पत्थर के टुकड़ों से बने हैं, जो शायद कॉमैट्स और एस्टेरॉइड्स के हिस्से रहे हों। सूर्य का चक्कर लगाने में इसे 29 वर्ष 168 दिन लग जाते हैं।

यूरेनस- सातवां ग्रह यूरेनस तीसरा सबसे बड़ा ग्रह है। शनि ग्रह की भांति ही इसके इर्द-गिर्द भी छल्ले हैं। यह सूर्य की परिक्रमा 84 सालों में पूरी करता है।

नैप्च्यून- यह सबसे दूरस्थ ग्रह है। सूर्य की परिक्रमा 164.79 सालों में पूरी करता है, लेकिन इसका वर्ष इतना बड़ा है कि इसकी पहली परिक्रमा जुलाई 2011 में पूरी होगी।

ब्रुकलिन ब्रिज

ब्रुकलिन ब्रिज न्यूयार्क की ईस्ट रिवर के आरपार बना है। किसी समय इसे दुनिया का आठवां अजूबा माना जाता था। इस पुल की संकल्पना और इसे बनाने का विचार एक दूरदर्शी इंजीनियर जॉन रोबलिंग को आया था। तब पुलों के विशेषज्ञों ने कहा था कि ऐसा पुल बनाना संभव नहीं है, लेकिन रोबलिंग का प्रोजै ट इतना बढ़िया था कि लोग उसमें पैसा लगाने को तैयार हो गए। रोबलिंग अपना सपना साकार करने में जुट गए। लेकिन परियोजना को शुरू किए अभी थोड़ा ही समय बीता था कि उनकी एक दुर्घटना में मौत हो गई।

बेटे का संकल्प

पिता की मौत के बाद वाशिंगटन ने अपने पिता के सपने को पूरा करने का बीड़ा उठाया। वह भी इंजीनियर था। लेकिन किस्मत को शायद कुछ और ही मंजूर था। यह परियोजना शुरू हुए अभी कुछ ही समय बीता था कि वाशिंगटन भी एक दुर्घटना का शिकार हो गए। ए सीडैंट में उन्हें कई चोटें आईं, जिनकी वजह से उन्हें कई महीनों तक बिस्तर पर ही रहना पड़ा।

पत्नी का साथ

वाशिंगटन के ए सीडैंट के बाद उनकी मदद के लिए उनकी पत्नी आगे आई। वह केवल अपनी उंगलियां ही हिला सकते थे। वह अपनी पत्नी की बांह पर उंगलियों से अपनी बात को समझाते और इस तरह अपनी पत्नी के माध्यम से उन्होंने इंजीनियरों को संदेश भेजने शुरू कर दिए। उनकी मदद के लिए उनकी पत्नी ने भी इंजीनियरिंग की शिक्षा हासिल की। कुछ समय बाद जब वाशिंगटन बैठने के काबिल हुए, तो उन्होंने दूरबीन की मदद से पुल के काम पर नज़र रखनी शुरू कर दी।

सपना हुआ साकार

486 मीटर लंबा यह पुल उस समय का सबसे लंबा झूला पुल था। इसे बनाने में 14 साल लगे थे और जॉन रोबलिंग सहित 19 लोगों ने जान गंवाई। इस पर लागत आई थी- 1.5 करोड़ डॉलर, जोकि उस समय एक बहुत बड़ी रकम थी। यह पुल उस विश्वास की जीत थी, जो बेटे ने पिता पर और पत्नी ने पति पर किया था। उन्होंने दिखा दिया था कि इंसान अगर ठान ले, तो वह कोई भी मुश्किल काम कर सकता है। 24 मई 1883 को पुल खुलने के समय उसकी पूरी लंबाई को बिजली की रोशनियों से सजाया गया था। इस तरह यह संसार का पहला बिजली से रोशन पुल बना।

हम बताएं, आप बनाएं

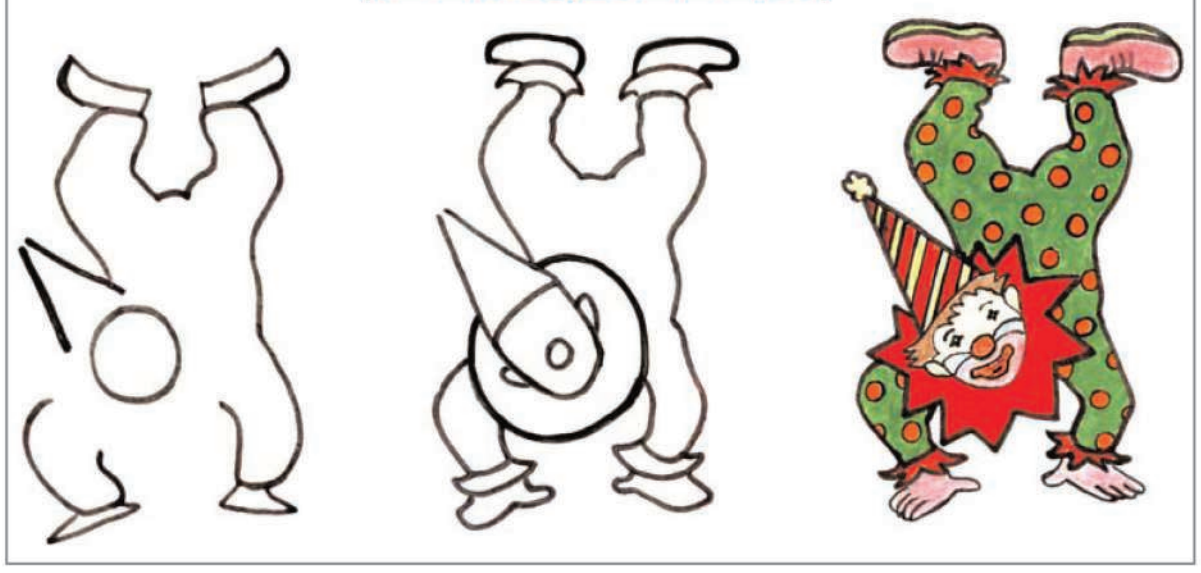

प्रोएक्टिव एप्रोच के साथ विकास कार्यों को दें गति : भजनलाल

जयपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राज उन्नति की प्रथम बैठक आयोजित हुई। इस दौरान उन्होंने लगभग 2 हजार करोड़ रुपये की 7 परियोजनाओं और 2 योजनाओं पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को परियोजनाओं एवं योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए निर्देशित किया। साथ ही, उन्होंने आमजन की परिवेदनाओं पर अधिकारियों से फीडबैक लेते हुए उन्हें राहत पहुंचाई। शर्मा ने जिला कलक्टर्स को निर्देश दिए कि आमजन की परिवेदनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए उनका समय पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। लंबित परिवादों के निस्तारण के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि राजकीय विभागों और कार्यालयों में आमजन के कार्य पूर्ण पारदर्शिता के साथ किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जवाबदेहिता के साथ विकास कार्यों को समय पर पूरा किया जाए। परियोजनाओं एवं योजनाओं के क्रियान्वयन में कोताही बरतने पर लापरवाह अधिकारियों और कार्मिकों पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि विभाग बेहतर सामंजस्य स्थापित करते हुए परियोजनाओं को गति प्रदान करें, जिससे लागत में वृद्धि न हो और लक्षित को राहत मिल सके।

मुख्यमंत्री ने राजस्थान सम्पर्क हेल्पलाइन के चयनित परिवादियों से उनके परिवाद निस्तारण पर फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन राज्य सरकार की नीतियों और योजनाओं का केन्द्र बिंदु है। अधिकारी पूरी जिम्मेदारी के साथ राजकीय दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि शासन सचिव, संभागीय आयुक्त, जिला कलक्टर्स राजस्थान सम्पर्क हेल्पलाइन पर प्राप्त परिवादों का नियमित सत्यापन करें। शर्मा ने मुख्य सचिव को अधिकारियों के लिए सत्यापन के प्रकरणों की सीमा तय करने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान परिवादियों ने मुख्यमंत्री को राजस्थान सम्पर्क हेल्पलाइन के प्रभावी संचालन के लिए धन्यवाद दिया। शर्मा ने जिला कलक्टर्स को विकास कार्यों में आवश्यक भू-आवंटन पर त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भूमि आवंटन के बाद शीघ्र निविदा जारी कर कार्य प्रारंभ किया जाए। जिन स्थानों पर

न्यूनतम मापदंडों के अनुरूप भूमि उपलब्ध नहीं है, वहां चरणबद्ध रूप से क्रियान्विति की जाए। उन्होंने जिला कलक्टर्स एवं सचिवों को प्रोएक्टिव एप्रोच के साथ प्रकरणों के निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने पीएम सूर्यघर 150 यूनिट मुफ्त बिजली योजना में अपेक्षित गति लाने के उद्देश्य से कैशलेस वैकल्पिक मॉडल पर शीघ्र कार्य करने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऊर्जा विभाग एवं जिला कलक्टर्स आईईसी गतिविधियां और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करें। श्री शर्मा ने अधिकारियों को योजना में राजस्थान को सिरमौर बनाने के लिए निर्देशित किया।

शर्मा ने अधिकारियों को जले हुए और खराब ट्रांसफार्मर्स को निर्धारित समय में बदलने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष योग्यजन पेंशनर्स का वार्षिक सत्यापन शत प्रतिशत शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके लिए प्रशासन को आवश्यक होने पर दिव्यांगजनों के घर जाने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने पालनहार योजना में पालनकर्ता एवं बच्चों के शत प्रतिशत वार्षिक सत्यापन सुनिश्चित करते हुए योजना में लंबित भुगतान को जारी करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने जयपुर के हीरापुरा बस टर्मिनल में बस रूटों के निर्धारण और यात्रियों के लिए शेड, पेयजल, पार्किंग सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने जयपुर जिला कलक्टर, जयपुर विकास आयुक्त एवं जयपुर नगर निगम आयुक्त को बस टर्मिनल से सुचारू यातायात सुनिश्चित करने के क्रम में आवश्यक कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि बस टर्मिनल से रोडवेज एवं लोक परिवहन बसों का संचालन प्रारंभ हो चुका है तथा टैक्रफिक कंट्रोल बोर्ड द्वारा नियमित मॉनिटरिंग भी की जा रही है। शर्मा ने अजमेर-चंदेरिया ब्रॉडगेज दोहरीकरण परियोजना के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए कि अजमेर, ब्यावर, भीलवाड़ा एवं चित्तौड़गढ़ जिलों में भूमि अधिग्रहण से संबंधित प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाएं।

मुख्यमंत्री ने श्रीगंगानगर, केसरीसिंहपुरा, श्रीकरणपुर, कोटा उत्तर, कोटा दक्षिण एवं सांगोद में सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट, 65 निकायों में फिकल स्लेज ट्रीटमेंट प्लांट (एफएसटीपी), लोहावट (फलोदी) में खेल स्टेडियम, लाडनूं में उप जिला चिकित्सालय, कोटा, अजमेर और भरतपुर जिलों में बालिका सैनिक स्कूलों की स्थापना की प्रगति की विस्तृत चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने जिला कलक्टर्स को पीएमश्री योजना के रैंकिंग के मापदंडों को पूरा करने के लिए प्रभावी योजना बनाने के लिए निर्देशित किया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अगर आप अपनी रचनात्मक प्रतिभा को सही तरीक़े से इस्तेमाल करें तो वह काफ़ी फ़ायदेमंद साबित होगी। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। शाम के लिए कोई ख़ास योजना बनाएँ और कोशिश करें कि यह ज़्यादा-से-ज़्यादा रुमानी हो। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। बच्चे भले ही आपका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना चाहते हों, लेकिन साथ ही ख़ुशियों की वजह भी साबित होते हैं। ताज़ा फूल की तरह अपने प्यार में भी ताज़गी बनाए रखें। दफ़्तर में आपके दुश्मन भी आज आपके दोस्त बन जाएंगे – आपके सिर्फ़ एक छोटे-से अच्छे काम की बदौलत। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अटके हुए मामले और घने होंगे व ख़र्चे आपके दिमाग़ पर छा जाएंगे। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें आप अपने जीवनसाथी के साथ प्रेम के चरम का अनुभव करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपके परिवार को आपसे बहुत ज़्यादा उम्मीदें हैं, जिसके चलते आप खीज महसूस कर सकते हैं। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। अपने लक्ष्यों का पीछा करने के लिए उम्दा दिन है। इस मामले में आप अपने दोस्तों की मदद भी ले सकते हैं। इससे आपका उत्साह बढ़ेगा और उद्देश्य को पाने में सहायता मिलेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

दोस्त से मिली ख़ास तारीफ़ ख़ुशी का ज़रिया बनेगी। सड़ेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। आज आपको लाभ मिलेगा, क्योंकि परिवार के सदस्य आपके सकारात्मक रुख़ से प्रभावित होंगे और उसे सराहेंगे। किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। जो लोग अब तक बेरोजगार हैं उन्हें अच्छी जॉब पाने के लिए आज और अधिक मेहनत करने की जरुरत है। मेहनत करके ही आप सही परिणाम पा पाएंगे। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ख़ुद को ज़्यादा आशावादी बनने के लिए प्रेरित करें। इससे न सिर्फ़ आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और व्यवहार लचीला होगा, बल्कि डर, ईर्ष्या और नफ़रत जैसे नकारात्मक मनोभावों में भी कमी आएगी। व्यापार में आज अच्छा ख़ास मुनाफा होने की संभावना है। आज के दिन आप अपने बिजनेस को नई ऊंचाईयां दे सकते है आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छुएगा। काम और घर पर दबाव आपको थोड़ा गुस्सैल बना सकता है। यह ऐसा दिन है जब आप ख़ुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। नए पारिवारिक व्यवसाय को शुरू करने के लिए शुभ दिन है। इसे सफल बनाने के लिए दूसरे सदस्यों की भी मदद लें। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

किसी संत पुरुष का आशीर्वाद मानसिक शान्ति प्रदान करेगा। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। दफ़्तर में कोई आपकी योजनाओं में अड़ंगा लगा सकता है- इसलिए आँखें खोलकर रखिए और अपने चारों तरफ़ हो रही गतिविधियों के प्रति सजग रहिए

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। विदेश में रह रहे किसी संबंधी से मिला उपहार आपको ख़ुशी दे सकता है। याद रखिए कि आँखें कभी झूठ नहीं बोलतीं। आज आपके प्रिय की आँखें आपको वाक़ई कुछ ख़ास बताएंगी। दफ़्तर में आपके दुश्मन भी आज आपके दोस्त बन जाएंगे – आपके सिर्फ़ एक छोटे-से अच्छे काम की बदौलत। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के सदस्य आपके नज़रिए का समर्थन करेंगे। अपने प्रिय के लिए बदले की भावना से कुछ हासिल नहीं होगा- बजाय इसके आपको दिमाग़ शांत रखना चाहिए और अपने प्रिय को अपनी सच्चे जज़्बात से परिचित कराना चाहिए। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

शारीरिक और मानसिक लाभ के लिए ध्यान व योग करना उपयोगी रहेगा। आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे- लेकिन ख़र्च में इज़ाफा आपके लिए बचत को और ज़्यादा मुश्किल बना देगा। अपना क़ीमती वक़्त अपने बच्चों के साथ गुज़ारें। यह सबसे बेहतर मरहम है। वे कभी न ख़त्म होने वाली ख़ुशियों का स्रोत साबित होंगे। मुहब्बत की टीस आज रात आपको सोने नहीं देगी। आज आपका मन ऑफिस के काम में नहीं लगेगा। आज आपके मन में कोई दुविधा होगी जो आपको एकाग्र नहीं होने देगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपको समझना चाहिए कि किसी का अनादर और गम्भीरता से न लेना रिश्ते में दरार डाल सकता है। नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा। कोशिश करें की कोई आपकी बातों या काम से आहत न हो और पारिवारिक ज़रूरतों को समझें। प्रेम जीवन की डोर को मजबूत बनाए रखना चाहते हैं तो किसी तीसरे की बातों को सुनकर अपने प्रेमी के बारे में कोई भी राय न बनाएं। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस ख़ाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते है।

आज का पंचांग

दिनांक : 18 जनवरी 2026 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : माघ , कृष्ण पक्ष
तिथि : अमावस्या रात्रि 01:26 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढा प्रात: 10:15 तक
योग : हर्षण रात्रि 09:10 तक
करण : चतुष्पद दोपहर 12:48 तक
चन्द्रराशि : धनु सायं 04:41 तक
सूर्योदय : 06:50, सूर्यास्त 06:02 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:46, सूर्यास्त 06:10 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:40, सूर्यास्त 06:04 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:39, सूर्यास्त 05:54 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : देव-पितृ कार्य माघी-मौनी अमावस्या, युगादि तिथि , शुक्र तारा अस्त है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजसमंद कलेक्टर का अनूठा संकल्प

जब तक गरीबों को हक नहीं तब तक मुझे वेतन नहीं

राजसमंद, 17 जनवरी (एजेंसियां)। सरकारी सेवा में संवेदनशीलता और जवाबदेही की एक नई मिसाल पेश करते हुए राजसमंद जिला कलेक्टर अरुण हसीजा ने एक बड़ा संकल्प लिया है। कलेक्टर हसीजा ने घोषणा की है कि जब तक जिले में पालनहार, सामाजिक सुरक्षा पेंशन और एनएफएसए (खाद्य सुरक्षा) के लंबित प्रकरणों का शत-प्रतिशत निस्तारण नहीं हो जाता, तब तक वे अपना व्यक्तिगत वेतन नहीं लेंगे। अधिकारियों को 28 जनवरी तक का अल्टीमेटम कलेक्टर ने जिले के सभी उपखंड अधिकारियों और संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने में किसी भी स्तर पर देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पालनहार योजना : जिन अनाथ बच्चों के सिर से पिता का साया उठ चुका है, उनका सत्यापन 28 जनवरी 2026 तक अनिवार्य रूप से पूरा हो।

पेंशन और एनएफएसए : वृद्ध, दिव्यांग और निराश्रितों की पेंशन के साथ-साथ खाद्य सुरक्षा (गेहूं) के लंबित मामलों का निपटारा इसी माह सुनिश्चित किया जाए।

लेखाधिकारी को लिखित निर्देश : न बनाएं मेरा वेतन बिल

कलेक्टर हसीजा ने अपने इस प्रण को केवल बातों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि कलेक्ट्रेट के लेखाधिकारी प्रवीण सिंह को लिखित निर्देश दिए हैं कि उनका जनवरी माह का वेतन बिल तब तक न रोका जाए, जब तक सभी एसडीएम अपनी ओर से शत-प्रतिशत सत्यापन का प्रमाण पत्र जमा नहीं कर देते।

शांति भंग के आरोप में शहर पुलिस ने किया कईयों को गिरफ्तार

भीलवाड़ा, 17 जनवरी (एजेंसियां)। जिला पुलिस अधीक्षक धमेन्द्र सिंह यादव,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन के निर्देश पर शहर की विभिन्न थाना पुलिस ने शांति भंग के आरोप में बीएनए-सएस की धारा 126/170 के तहत कईयों को गिरफ्तार किया है। जिनमें कोतवली पुलिस द्वारा राकेश पुत्र गोविन्द दास वैष्णव निवासी माली खेडा चमनपुरा थाना बनेडा,साजिद पुत्र शयद अली निवासी शबनम किराणा स्टोर के पास भोपालपुरा, प्रतापनगर थाना पुलिस द्वारा रेखा पत्नी जगदीश बावरी निवासी बजरंग कॉलोनी जवाहर नगर,जगदीश पुत्र बंशीलाल बावरी निवासी जवाहर नगर,नरेश उर्फ कल्लू पुत्र शंकर ढोली निवासी आजाद नगर,सदर पुलिस द्वारा गोवर्धन पुत्र पन्ना लाल जाट निवासी हलेढ़,भीमगंज पुलिस द्वारा दिग्विजय सिंह पुत्र गंगा सिंह राणावत निवासी छापरेल थाना कोटडी प्रमुख है।

दिया कुमारी ने दिए विकसित राजस्थान डॉक्यूमेंट के अनुरूप प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश

जयपुर, 17 जनवरी (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने निर्देश दिए कि सड़क, पुल तथा भवन आदि के जो प्रस्ताव आगामी बजट के लिए तैयार किए जा रहे हैं, उनमें संबंधित अधिकारी लोगों की जरूरत और क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता दें। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में शनिवार को सार्वजनिक निर्माण विभाग मुख्यालय में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी बजट को ध्यान में रखते हुए विभागीय तैयारियों एवं प्रस्तावित कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बजट से पूर्व सभी प्रस्तावों पर गहन समीक्षा एवं आवश्यक अभ्यास करें। उन्होंने कहा कि आमजन के लिए अत्यंत आवश्यक तथा संबंधित क्षेत्र की

वास्तविक जरूरतों को पूरा करने वाली सड़क परियोजनाओं को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि आगामी बजट के लिए सड़कों, पुलों एवं भवनों से जुड़े कार्यों का चयन जनहित, क्षेत्रीय आवश्यकता, यातायात सुविधा एवं सुरक्षा तथा दीर्घकालीन उपयोगिता को ध्यान में रखकर किया जाए। उन्होंने ऐसे प्रस्ताव तैयार करने पर जोर दिया जो विकसित राजस्थान डॉक्यूमेंट के अनुरूप हो, ताकि विकसित राजस्थान के लक्ष्य को जल्द से जल्द हासिल किया जा सके।

उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी प्रस्ताव तकनीकी रूप से सुदृढ़, वित्तीय रूप से व्यावहारिक एवं समयबद्ध क्रियान्वयन योग्य हों, ताकि बजट स्वीकृति के पश्चात कार्यों को शीघ्र धरातल पर उतारा जा सके। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव बनाते समय इस बात का ध्यान रखा जाये की प्रस्तावित सड़क परियोजना वन क्षेत्र, रिहायशी क्षेत्र अथवा अन्य किसी कारण से लंबित एवं बाधित न हो। उपमुख्यमंत्री ने जनता एवं क्षेत्र की जरूरतों के अनुरूप बजट घोषणाओं के लिए अधिकारियों को आगामी तीन दिन तक फील्ड विजिट के निर्देश दिए है।

बीजेपी सरकार की कमजोरियों और नाकामियों के चलते हरियाणा निर्यात में पिछड़ा : दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, 17 जनवरी (एजेंसियां)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि भारत सरकार के नीति आयोग ने एक बार फिर हरियाणा की बीजेपी सरकार की नाकामियों को उजागर किया है। नीति आयोग की (EPI) 2024 रिपोर्ट ने बीजेपी सरकार के खोखले विकास के दावों की पोल खोलकर रख दी है। औद्योगिक राज्य के रूप में देश भर में अलग पहचान रखने वाला हरियाणा नीति आयोग की निर्यात तत्परता सूचकांक (EPI) 2024 रिपोर्ट के अनुसार, समग्र रैंकिंग में गिरकर 10वें स्थान पर पहुँच गया है, जबकि एझख 2021 की रिपोर्ट में यह पाँचवें स्थान पर था। राज्य का स्कोर भी 63.55 से गिरकर 55.01 हो गया है, जो सीधे-सीधे सरकार की नीतिगत विफलता का प्रमाण है। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि सरकार की विफल विदेश व्यापार नीति और कूटनीतिक असफलता के कारण हरियाणा जैसे औद्योगिक राज्य को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। हरियाणा के उद्योग विदेशी बाजार में बुरी तरह कमज़ोर और असुरक्षित हो गए हैं। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि केंद्र और राज्य सरकार इस गंभीर संकट पर पूरी तरह चुप हैं। यदि सरकार ने समय रहते ठोस कदम नहीं उठाया तो आने वाले समय में हरियाणा के औद्योगिक ढांचे को भारी नुकसान होगा।दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों के चलते हरियाणा से लगातार उद्योग पलायन कर रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2018-19 से अब तक हरियाणा में 1446 फैक्ट्रियां या तो बंद हो गई या पलायन कर गई। पिछले 5 सालों में हरियाणा के औद्योगिक क्षेत्र में 12.2% की गिरावट आई है। कांग्रेस सरकार के समय प्रदेश में 6 नई IMT (HSIIDC औद्योगिक क्षेत्र) बनवाकर बड़े-बड़े उद्योग स्थापित कराए गए थे, यूपीए सरकार से रेल कोच फैक्ट्री, अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा जैसी हजारों करोड़ रुपयों वाली परियोजनाओं को मंजूर करवाया ताकि हरियाणा को तेज औद्योगिक विकास का फायदा मिले और हरियाणावासियों को रोजगार के नए अवसर मिलें। लेकिन, बीजेपी सरकार की नाकामियों व कमजोरी के कारण बड़ी परियोजनाएं एक-एक करके हरियाणा से बाहर चली गई।

डिजिटल पुलिसिंग से नागरिकों की सुरक्षा, पारदर्शिता और भरोसा हुआ मजबूत : डॉ.सुमिता मिश्रा

चंडीगढ़, 17 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि डिजिटल पुलिसिंग प्लेटफॉर्म को अपनाने से पुलिस व्यवस्था अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिक-हितैषी बनी है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी आधारित ये पहल न केवल नागरिकों को सशक्त बना रही हैं, बल्कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों की कार्यकुशलता और प्रभावशीलता को भी बढ़ावा दे रही है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि गृह मंत्रालय के अंतर्गत विकसित डिजिटल पुलिस पोर्टल नागरिकों को एक ही मंच पर अनेक पुलिस सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध करा रहा है। इसके माध्यम से अपराध एवं साइबर अपराध संबंधी शिकायत दर्ज

करना, शिकायतों की स्थिति जानना, एफआईआर की प्रति प्राप्त करना, लापता व्यक्तियों, चोरी अथवा बरामद वाहनों तथा वांछित अपराधियों से संबंधित जानकारी हासिल करना अब सरल और सुलभ हो गया है। इसके साथ-साथ घरेलू सहायकों, ड्राइवरों, किरायेदारों व कर्मचारियों के पूर्ववृत्त सत्यापन तथा पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट (पीसीसी) की सुविधा ने पुलिस थानों के अनावश्यक चक्कर कम किए हैं। उन्होंने कहा कि लापता व्यक्ति की तलाश करना, वाहन एनओसी जारी करना, निकटतम पुलिस स्टेशन की जानकारी, घोषित अपराधियों का विवरण तथा सीईआईआर प्रणाली के माध्यम से खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन को ब्लॉक व बरामद होने पर अनब्लॉक करने जैसी सुविधाएं नागरिक सुरक्षा की दिशा में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही हैं। डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि डिजिटल पुलिसिंग प्रणाली आंतरिक सुरक्षा और पुलिसिंग दोनों के लिए समान रूप से लाभकारी है। क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम (सीसीटीएनएस) सर्च, इंटरआ-परेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम(आईसीजेएस), आतंकवाद मामलों की निगरानी, साइबर प्रशिक्षण मॉड्यूल और अपराध विश्लेषण उपकरणों से जांच प्रक्रिया, डेटा-आधारित पुलिसिंग और अंतर-एजेंसी समन्वय को मजबूती मिली है।

हरियाणा पुलिस का डिजिटल स्ट्राइक: 1,018 आपत्तिजनक लिंक रिपोर्ट, 583 हटाए गए

चंडीगढ़ , 17 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस ने सोशल मीडिया पर बढ़ती अवैध और आपत्तिजनक गतिविधियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए एक बड़ा डिजिटल अभियान शुरू किया है। यह पहल इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से की जा रही है। सोशल मीडिया पर अक्सर आपत्तिजनक, राष्ट्र-विरोधी, धर्म-विरोधी और भ्रामक कंटेंट पोस्ट किया जा रहा था, जिससे तनाव और भ्रम फैल रहा था, इसलिए एक समन्वित कार्रवाई जरूरी हो गई थी। इसी उद्देश्य से साइबर हरियाणा टीम ने लगभग एक महीने पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की लगातार निगरानी शुरू की, और यह अभियान अभी भी जारी है। इस अभियान के तहत, अब तक कुल 1,018 आपत्तिजनक लिंक और प्रोफाइल की रिपोर्ट की गई है, जिनमें से 583 को सोशल मीडिया कंपनियों द्वारा पहले ही हटा दिया गया है या ब्लॉक कर दिया गया है। बाकी 435 समीक्षा के विभिन्न चरणों में हैं और जल्द ही हटा दिए जाएंगे। ये आंकड़े सोशल मीडिया पर व्यवस्था बनाए रखने में हरियाणा पुलिस की गंभीरता और त्वरित कार्रवाई को साफ तौर पर दिखाते हैं। अभियान के दौरान, साइबर टीम हर रोज ऐसे पोस्ट, वीडियो, लिंक और प्रोफाइल की पहचान कर रही है जिनमें गलत जानकारी, भड़काऊ भाषा या सार्वजनिक शांति भंग करने वाली सामग्री है। जैसे ही ऐसी सामग्री का पता चलता है। आईटी एक्ट की धारा 79(3)(बी) के तहत संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को नोटिस जारी किया जाता है, जिसमें तुरंत हटाने का निर्देश दिया जाता है। इस प्रक्रिया के किसी भी चरण में कोई ढिलाई नहीं बरती जा रही है। हरियाणा के डीजीपी अजय सिंघल ने कहा कि डिजिटल धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों को देखते हुए हरियाणा पुलिस ने एक और महत्वपूर्ण अभियान शुरू किया है। देश भर में संदिग्ध ट्रेडिंग और निवेश ऐप्स और चैनलों के बढ़ते संचालन को नियंत्रित करने के लिए, साइबर हरियाणा ने 12 जनवरी को एक विशेष और सुव्यवस्थित अभियान शुरू किया। इस पहल के तहत, अब तक 28 ऐसे ऐप्स और चैनलों की पहचान की गई है। इनमें से 14 को पहले ही डिजिटल प्लेटफॉर्म से सफलतापूर्वक

हटा दिया गया है, जबकि बाकी 14 सोशल मीडिया इंटरमीडियरी द्वारा अंतिम समीक्षा और हटाने की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल नागरिकों के लिए डिजिटल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है और ऑनलाइन घोटालों पर काफी हद तक रोक लगाएगी। आने वाले दिनों में, एक सुरक्षित डिजिटल माहौल पक्का करने के लिए ऐसे धोखेबाज़ ऐप्स के खिलाफ और भी ज्यादा सख्त और असरदार कार्रवाई की जाएगी। अजय सिंघल ने इस बात पर जोर दिया कि पुलिस सोशल मीडिया पर झूठी या भड़काऊ जानकारी फैलाने वालों के खिलाफ बहुत सख्त है और किसी भी हालत में ऐसी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि आज सोशल मीडिया युवाओं और समाज के हर वर्ग को प्रभावित करता है और एक भी गुमराह करने वाली या भड़काऊ पोस्ट सद्भाव और शांति के लिए सीधा खतरा बन सकती है। डीजीपी ने आगे कहा कि साइबर हरियाणा टीमें लगातार अलर्ट हैं और संवेदनशील या आपत्तिजनक पोस्ट पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें, निवेश करने से पहले किसी भी नए ऐप को वेरिफाई करें और बिना वेरिफाई किए संवेदनशील कंटेंट शेयर करने से बचें। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि अगर किसी को कोई संदिग्ध पोस्ट, लिंक या ऐप दिखे, तो उसे तुरंत पुलिस या साइबर हेल्पलाइन पर रिपोर्ट करें ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

साइबर अपराध से सावधान: फर्जी एपीके फाइल न खोलें, 1930 पर कॉल करें0: नितिका पंत

कुमरमभीम–आसिफाबाद, 17 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। समाज में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। जिला पुलिस अधीक्षक नितिका पंत (आईपीएस) ने चेतावनी दी कि व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म पर भेजे जाने वाले फर्जी ऑनलाइन ऑफर, डिस्काउंट लिंक और एपीके फाइलों से सावधान रहें।

उन्होंने कहा कि धोखेबाज इनका इस्तेमाल कर खाते खाली कर देते हैं। सोशल मीडिया पर मिलने वाले लिंक कभी न खोलें।

सावधानियां:– फर्जी लिंक या एपीके फाइलें दूसरों को फॉरवर्ड न करें।

व्हाट्सएप पर आने वाली कोई भी एपीके फाइल न डाउनलोड करें।

ट्रैफिक चालान.एपीके, आधार.एपीके, एसबीआई.एपीके, एसबीआई रिवार्ड्स.एपीके

पीएम किसान.एपीके, यूनियन बैंक.एपीके, सीएसई.एपीके, स्टेट बैंक.एपीके, ईकेवाईसी.एपीके ।

ऐसी फाइल खुलते ही फोन हैक हो जाता हैडेटा, फोटो, संपर्क चोरी हो जाते हैं और बैंक खाते खाली हो सकते हैं।

शिकायत के लिए: तुरंत 1930 (साइबरक्राइम हेल्पलाइन) पर कॉल करें या www.cybeA°cA°ime.gov.in पर रिपोर्ट करें।

बेल्लमपल्ली नगर निगम चुनाव

42% बीसी आरक्षण लागू होने तक न हो चुनाव : तेदेपा

बेल्लमपल्ली, 17 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) की बेल्लमपल्ली अर्बन एजीक्यूटिव कमेटी ने शनिवार को बैठक में नगर निगम चुनाव 42 प्रतिशत बीसी आरक्षण लागू होने के बाद ही कराने की मांग की।

सरकार ने चुनाव से ठीक पहले 42 प्रतिशत बीसी आरक्षण का प्रस्ताव पास कर केंद्र को भेजा था और एक दिन का राज्य बंद भी आह्वान किया गया था। हालांकि, सरपंच चुनावों को बड़े जोश से कराया गया, लेकिन बीसी आरक्षण को लेकर भ्रम की स्थिति बनी रही। कई पार्टियां राज्य सरकार को इसके लिए जिम्मेदार ठहराते हुए आरक्षण लागू होने तक चुनाव टालने की मांग कर रही हैं।

टीडीपी अर्बन वर्किंग कमेटी ने प्रस्ताव पारित कर कहा कि 42 प्रतिशत आरक्षण लागू होने तक कोई चुनाव न हो।

साथ ही पूरे बीसी समुदाय से इस मुद्दे पर संघर्ष के लिए तैयार रहने का आह्वान किया।

बैठक में टीडीपी अर्बन अध्यक्ष टी. मणिराम सिंह, उपाध्यक्ष बोल्लू मल्लैया, महासचिव ओ. जी–वरत्नम, गड्डाला नारायण, चिंतला रमेश, मंडल अध्यक्ष रामटेंकी हरिबाबू, गोमासा वेंकटेश, गोमसा राज्यम, एस.के. अजगर पाशा, पुल्लुरी पोशम, आर. गंगाधर गौड़, मदासी गोपाल, मेकला राजैया, बी. सत्यनारायण, गैनी तिरुपति, रामू, एमडी हसन सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा नियम पालन से दुर्घटनाएं रुकेंगी

आसिफाबाद, 17 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना पुलिस के अराइव सेफली कार्यक्रम के तहत जिले भर में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। जिला पुलिस अधीक्षक नितिका पंत आईपीएस ने कहा कि सड़क सुरक्षा ट्रिपलेट्स प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसे पुलिस अधिकारियों ने विभिन्न क्षेत्रों में सफलतापूर्वक संचालित किया।

एसपी ने अपील की, हेलमेट पहनना और सीट बेल्ट लगाना जैसे बुनियादी नियमों का पालन करें तो दुर्घटनाओं में भारी कमी आ सकती है। यातायात नियमों का सख्ती से पालन कर खुद और दूसरों की जान बचाएं।उन्होंने जोर दिया कि जनता की सुरक्षा पुलिस का मुख्य उद्देश्य है, इसलिए जिले में लगातार जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे।

सुंगापुर गांव में आयोजित भीमायक जातरा में आसिफाबाद विधायक श्रीमती कोवा लक्ष्मी जिन्होंने गदालपल्ली गांव में आयोजित जांगो लिंगो मुट्टी पूजा कार्यक्रम में भाग लिया और विशेष पूजा–प्रार्थनाएं कीं। इस अवसर पर विधायक ने आदिवासी महिलाओं के साथ नृत्य किया।

पूर्व विधायक हणुमंत शिंदे से स्वामीजी के खिलाफ टिप्पणी पर माफी मांगने की मांग

मदनूर, 17 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिचकुंडा बंडयप्पा मठ के प्रमुख सदगुरु 108 सोमयप्पा स्वामीजी पर अनुचित टिप्पणियां करने के लिए जुक्कल विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक हणुमंत शिंदे से माफी मांगने की मांग तेज हो गई है।तीन दिन पहले शिंदे ने स्वामीजी पर गांधी भवन नाम इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था। इससे आक्रोशित होकर मठ के श्रद्धालुओं ने शनिवार को जुक्कल क्षेत्र के विभिन्न मंडलों में रास्ता रोको प्रदर्शन किए। उन्होंने शिंदे को चेतावनी दी कि उनके 15 वर्ष के कार्यकाल में स्वयं ने इसी मठ से कई कार्यक्रम आयोजित किए और स्वामीजी के दर्शन–आशीर्वाद लिए थे, लेकिन हार के बाद उनकी याददाश्त कमजोर पड़ गई है।श्रद्धालुओं का कहना था कि यह पवित्र मठ सभी जाति–धर्म और पार्टियों के लोगों के लिए खुला है, जहां नेता आशीर्वाद लेने आते हैं। शिंदे यदि स्वामीजी से क्षमा नहीं मांगते, तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

बीआरएस ने की कागजनगर ईएसआई अस्पताल न हटाने माँग

कागजनगर, 17 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस पार्टी के स्टेट सीनियर नेता व एसपीएम वर्कर्स यूनियन अध्यक्ष कोंगा सत्यनारायण ने ईएसआई अस्पताल अधीक्षक जगन को ज्ञापन सौंपकर मांग की कि कागजनगर का ईएसआई अस्पताल निजामाबाद या कहीं और न हटाया जाए।

उन्होंने चेतावनी दी, अगर अस्पताल को दूसरी जगह ले जाया गया तो हम चुप नहीं बैठेंगे।

नेता गोलेम वेंकटेश सहित यूनियन कार्यकर्ताओं ने समर्थन दिया।

इस अवसर पर गोकरला श्यामराव, चिलुमुला वेंकटेश, राजामौली, राजेश, चक्रवर्ती एवं अन्य उपस्थित थे।

हजारों मजदूरों के लिए महत्वपूर्ण इस अस्पताल को हटाने की खबर से चिंता बढ़ गई है।

नेताओं का कहना है कि इससे मेडिकल सुविधाएं प्रभावित होंगी। बीआरएस ने केंद्र–राज्य सरकार से अस्पताल कागजनगर में ही बहाल करने की मांग की और जरूरत पड़ने पर प्रदर्शन की चेतावनी दी।

बेल्लमपल्ली शहर में बिजली विभाग के कर्मचारियों ने शनिवार को प्रजा बाटा कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस मौके पर, वे शहर की झुग्गी–झोपड़ियों में घूमे और बस्ती वासियों से सरकार की महत्वाकांक्षी गृह ज्योति योजना के लागू होने के बारे में पूछा। इस प्रोग्राम में बिजली विभाग के कर्मचारियों और ग्राहकों ने हिस्सा लिया।

सीएम कप–2025: मशाल रैली आयोजित

मदनूर, 17 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । कमारेड्डी जिले में सीएम कप–2025 के दूसरे चरण के तहत कागड़ा रैली (मशाल रैली) शनिवार को मदनूर मंडल केंद्र के सरकारी जिला परिषद हाईस्कूल परिसर से बैंड–बाजों के साथ शुरू हुई।

स्थानिक सरपंच ऊषा संतोष और मदनूर मंडल कांग्रेस अध्यक्ष दरासवार सायलु ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया तथा उत्साहपूर्वक मशाल रैली का नेतृत्व किया। सरपंच ने कहा कि सीएम कप का उद्देश्य युवाओं में खेल भावना और स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाना है।

कार्यक्रम में मंडल कांग्रेस अध्यक्ष गोपी, तहसीलदार एम.डी. मुजीब, मंडल विकास अधिकारी रानी, ग्राम पंचायत सचिव संदीप, विभिन्न गांवों के सरपंच, कांग्रेस कार्यकर्ता, नेता और छात्रों ने भाग लिया।

दुपहिया वाहन चोरी का मामला 2 घंटे में सुलटाया, चोर गिरफ्तार

आसिफाबाद, 17 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कागजनगर ग्रामीण पुलिस ने खुली जगह पर खड़ी बाइक चोरी की घटना मात्र दो घंटे में सुलझा ली। एसएचओ संदीप कुमार के नेतृत्व में चोर पोल्का वेंकटेश (34) को गिरफ्तार कर हीरो स्प्लेंडर प्लस बाइक (मूल्य लगभग 1 लाख रुपये) बरामद कर ली। पीड़ित ने बाजार जाते समय सड़क किनारे बाइक रोकी थी। लौटने पर गायब पाकर शिकायत की। चिंतागुडा गांव निवासी आरोपी के पास से वाहन बरामद हुआ। जिला एसपी नितिका पंत ने एसएचओ संदीप कुमार, कांस्टेबल शंकर व होमगार्ड दीपक की टीम को बधाई दी।

म्युनिसिपल वार्ड आरक्षण पूरी तरह पारदर्शी0: वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 17 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि आसिफाबाद (20 वार्ड) और कागजनगर (30 वार्ड) म्युनिसिपल चुनावों के लिए वार्ड आरक्षण पूरी तरह पारदर्शी तरीके से किया गया है।

शनिवार को इंटीग्रेटेड डिस्ट्रिक्ट कलेक्ट्रेट मीटिंग हॉल में म्युनिसिपल अधिकारियों, मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में डिलिमिटेशन कमीशन के अनुसार आरक्षण प्रक्रिया पूरी की गई। कलेक्टर ने बताया कि महिलाओं के लिए लॉटरी से वार्ड चयनित हुए और 50% सीटें एससी, एसटी, ओबीसी व जनरल श्रेणी महिलाओं के लिए आरक्षित की गईं। प्रमुख प्रतिभागी: आसिफाबाद म्युनिसिपल कमिश्नर: गजानन, कागजनगर म्युनिसिपल कमिश्नर: राजेंद्र, टाउन प्लानिंग अधिकारी: यशवंत, इलेक्शन विभाग अधिकारी एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल थे।

बेल्लमपल्ली नगर निगम: चेयरमैन पोस्ट जनरल महिला को, आरक्षण बदलाव से उम्मीदवार निराश

बेल्लमपल्ली, 17 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । बेल्लमपल्ली नगर पालिका के 34 वार्डों समेत चेयरमैन पोस्ट के लिए नया आरक्षण घोषित हो गया है। पुराने आरक्षण को पूरी तरह उलट दिया गया, जिससे ज्यादातर सीटें बदल गईं। इससे उम्मीदवारों को झटका लगा और उन्हें रणनीति बदलनी पड़ रही है।

आरक्षण का बंटवारा: 12 वार्ड एसटी जनरल, 10 एससी, 6 बीसी और 17 अनारक्षित। एससी से बीसी में बदले गए आरक्षण के कारण चेयरमैन सीट जनरल महिला के लिए हो गई। उम्मीदवारों का राजनीतिक भविष्य प्रभावित हुआ है, अब वे आसपास के वार्डों पर नजर डाल रहे हैं। नगर में आरक्षण पर चर्चा जोरों पर है, पुराने पार्षद और उम्मीदवार खुलकर बात कर रहे हैं।

विधायक हरीश बाबू ने 25 इंदिरम्मा हाउस दस्तावेज बांटे

कागजनगर, 17 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । सिरपुर टी विधायक डॉ. पलवई हरीश बाबू ने बालाजीनगर (वार्ड 10–11) का दौरा कर 25 लाभार्थियों को इंदिरम्मा हाउस स्वीकृति दस्तावेज वितरित किए। उन्होंने कहा कि बालाजीनगर में ड्रेनेज और पेयजल की गंभीर समस्या है। कागजनगर में पूर्ण अंडरग्राउंड ड्रेनेज सिस्टम लगेगा और दो नए ओवरहेड टैंक बनाकर पानी की समस्या हल करेंगे। कार्यक्रम में नगर निगम कमिश्नर: राजेंद्र, सैनिटरी इंस्पेक्टर: शंकर, भाजपा टाउन अध्यक्ष: आर्मी शिवकुमार, सिरपुर विधानसभा कन्वीनर: गोलापल्ली वीरभद्र चारी एवं अन्य पूर्व पार्षद सिंधम श्रीनिवास, कोंडा तिरुपति, कॉलोनी निवासी, भाजपा नेता–कार्यकर्ता आदि शामिल हुए।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 : वीनस विलियम्स ने वाइल्डकार्ड के लिए आयोजकों को धन्यवाद दिया, इतिहास रचने को तैयार

मेलबर्न,17 जनवरी (एजेंसियां) ।

सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स ने आस्ट्रेलियन ओपन 2026 के लिए वाइल्डकार्ड दिए जाने पर आयोजकों का आभार जताया है।45 वर्षीय अमेरिकी दिग्गज इस वाइल्डकार्ड के साथ सिंगल्स मेन ड्रा में खेलने वाली सबसे उम्रदराज महिला खिलाड़ी बन जाएंगी।

वीनस ने पिछले सीजन में 16 महीने के लंबे ब्रेक के बाद टेनिस में वापसी की थी।2026 की शुरुआत उन्होंने आकलैंड क्लासिक से की, जहां वाइल्डकार्ड एंट्री मिलने के बावजूद उन्हें पहले दौर में दुनिया की 53वें नंबर की खिलाड़ी पोलैंड की मैग्डा लिनेटे से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद होबार्ट इंटरनेशनल में भी उन्हें वाइल्डकार्ड मिला, लेकिन वहां 38 वर्षीय जर्मन खिलाड़ी टाटजाना मारिया के खिलाफ पहले ही दौर में बाहर हो गईं। यह मुकाबला डब्ल्यूटीए इतिहास का सबसे अधिक संयुक्त उम्र वाला मैच भी रहा।

मेलबर्न पार्क में पत्रकारों से बात करते हुए वीनस ने कहा, मुझे यहां आए हुए पांच साल हो गए हैं। यह समय बहुत तेजी से बीत गया। टेनिस आस्ट्रेलिया द्वारा दिए गए इस मौके के लिए मैं बेहद आभारी हूं। दर्शकों के सामने खेलने का अवसर मिलना मेरे लिए खास है। शहर में घूमते हुए और प्रतियोगिता के दौरान मुझे जबरदस्त समर्थन मिला है। मेरी कोशिश रहेगी कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूं। ओपन में वाइल्डकार्ड के आवंटन को लेकर इस बार काफी बहस भी देखने को मिली है। घरेलू स्टार निक किर्गियोस को लेकर भी सवाल उठे थे, जिन्होंने अंततः पुरुष एकल से नाम वापस ले लिया। किर्गियोस पिछले सीजन में सिर्फ चार सिंगल्स मैच पूरे कर पाए थे और उनकी रैंकिंग 600 से बाहर है। इसके बाद आयोजकों ने 40 वर्षीय पूर्व चैंपियन स्टैन वावरिंका को भी पुरुष एकल में वाइल्डकार्ड दिया। कुछ प्रशंसकों ने यह सवाल उठाया कि 2021 के बाद कोई ग्रैंड स्लैम मैच न जीत पाने वाली वीनस विलियम्स को किसी उभरती खिलाड़ी की बजाय वाइल्डकार्ड क्यों दिया गया। हालांकि, पूर्व ग्रैंड स्लैम चैंपियन एंडी रोडिक और किम क्लिस्टर्स ने वीनस के समर्थन में मजबूती से आवाज उठाई। मेलबर्न पार्क में दो बार फाइनल खेल चुकी वीनस, जापान की किमिको डेटे का रिकार्ड तोड़ेंगी, जो 2015 में 44 साल की उम्र में आस्ट्रेलियन ओपन के पहले दौर में हारी थीं। इस रिकार्ड पर प्रतिक्रिया देते हुए वीनस ने मुस्कुराते हुए कहा, मैंने इसके बारे में तब तक नहीं सोचा था, जब तक यह मीडिया में नहीं आया। तो, हां... यह मेरे लिए खुशी की बात है।

न्यूज ब्रीफ

नस्लभेदी टिप्पणी मामले में लिवरपूल की गोलकीपर पर एफए ने लगाया छह मैचों का प्रतिबंध

लंदन। इंग्लैंड फुटबाल एसोसिएशन (एफए) ने नस्लभेदी टिप्पणी के मामले में लिवरपूल की गोलकीपर राफाएला

बार्गग्राफे पर छह मैचों का प्रतिबंध लगा दिया है। लिवरपूल के कोच गैरेथ टेलर ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि खिलाड़ी अपने प्रतिबंध के पांच मैच पहले ही भुगत चुकी हैं। ब्रिटिश मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सितंबर में एफए ने बार्गग्राफे के खिलाफ जांच शुरू की थी। उन पर आरोप था कि उन्होंने अपनी ही टीम की एक खिलाड़ी के खिलाफ आपत्तिजनक और भेदभावपूर्ण भाषा का इस्तेमाल किया था। हालांकि, उस खिलाड़ी की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई। गैरेथ टेलर ने टाटनहैम हाटस्पर के खिलाफ रविवार को होने वाले विमेंस सुपर लीग मुकाबले से पहले पत्रकारों से कहा, इस मामले में अब एक अपडेट है। एफए ने अपनी विस्तृत जांच पूरी कर ली है और खिलाड़ी पर छह मैचों का प्रतिबंध लगाया गया है। यह प्रतिबंध उस दौरान लागू रहा जब हम मुकाबले खेल रहे थे, इसलिए वह इस सप्ताहांत चयन के लिए उपलब्ध नहीं होंगी। इसके बाद वह चयन के लिए उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने आगे कहा, हम खुश हैं कि अब यह मामला पूरा हो गया है। अब हमारे पास पूरी स्पष्टता है और हम सभी इस प्रकरण से आगे बढ़ सकते हैं। 25 वर्षीय राफाएला बार्गग्राफे जुलाई में लिवरपूल से जुड़ी थीं और अब तक विमेंस सुपर लीग में टीम के लिए तीन मुकाबले खेल चुकी हैं। फिलहाल लिवरपूल की टीम लीग तालिका में निचले पायदान पर है।

फार्मूला 1: 2026 सीजन में फेरारी के साथ लुईस हैमिल्टन को मिलेंगे नए रेस इंजीनियर

लंदन। सात बार के फार्मूला वन विश्व चैंपियन लुईस हैमिल्टन को 2026 सीजन में फेरारी के साथ एक

नए रेस इंजीनियर के साथ काम करना होगा। फेरारी ने शुक्रवार को घोषणा की कि रिकार्डो अदामी को उनकी मौजूदा भूमिका से हटाकर एक नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। फेरारी के बयान के अनुसार, रिकार्डो अदामी अब टीम के ड्राइवर अकादमी और पिछले कार परीक्षण कार्यक्रम (टेस्टिंग आफ प्रिवियस कार्स प्रोग्राम) का प्रबंधन करेंगे। टीम ने स्पष्ट किया कि हैमिल्टन के नए रेस इंजीनियर की घोषणा समय आने पर की जाएगी। पिछले सीजन में फेरारी के साथ अपने पहले वर्ष में हैमिल्टन और अदामी के बीच रेडियो पर हुई तीखी बातचीत को लेकर कई रिपोर्ट्स सामने आई थीं। हालांकि, हैमिल्टन ने इन अटकलों को खारिज करते हुए इसे महज शोर बताया था। हैमिल्टन ने मई 2025 में कहा था, क्या हमारे बीच मतभेद होते हैं हां, जैसे हर रिश्ते में होते हैं। लेकिन हम उन्हें सुलझा लेते हैं। हम दोनों एक ही लक्ष्य के लिए साथ हैं। इसके बावजूद, सीजन के अंत तक दोनों के बीच रेडियो पर असहज संवाद जारी रहे। 41 वर्षीय हैमिल्टन के लिए यह सीजन उनके करियर का सबसे निराशाजनक रहा, क्योंकि वह पूरे सत्र में एक भी बार पोडियम पर जगह नहीं बना सके। वहीं, उनके साथी ड्राइवर चार्ल्स लेक्लेर ने पोडियम फिनिश दर्ज की। गौरतलब है कि रिकार्डो अदामी इससे पहले चार बार के विश्व चैंपियन सेबास्टियन फेटेल और स्पेन के कार्लोस सैंज के साथ भी फेरारी में काम कर चुके हैं। वह पिछले 11 वर्षों से मारानेलो स्थित टीम का हिस्सा रहे हैं। फेरारी अगले सप्ताह अपनी नई कार की लिवरी लान्च करने जा रही है। इसके बाद सभी 11 टीमें 26 से 30 जनवरी के बीच बार्सिलोना में बंद दरवाजों के पीछे प्री-सीजन टेस्टिंग में हिस्सा लेंगी।

पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने नितीश रेड्डी की भूमिका पर उठाए सवाल, टीम इंडिया के प्लेइंग 11 पर जताई नाराजगी

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने न्यूजीलैंड के खिलाफ निर्णायक तीसरे वनडे से पहले

टीम इंडिया की प्लेइंग 11 को लेकर कड़ी आलोचना की है। कैफ ने विशेष रूप से युवा आलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी की भूमिका पर सवाल उठाते हुए टीम मैनेजमेंट की रणनीति पर हैरानी जताई। तीन मैचों की वनडे सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है और आखिरी मुकाबला 18 जनवरी को इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेला जाएगा। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कैफ ने कहा कि राजकोट में खेले गए दूसरे वनडे में चुनी गई टीम उन्हें समझ से परे लगी। उस मैच में भारत ने 284/7 का स्कोर बनाया, लेकिन सात विकेट से हार गई। कैफ ने सवाल उठाया कि टीम मैनेजमेंट नितीश रेड्डी से आखिर क्या भूमिका निभाने की उम्मीद कर रहा है। राजकोट मैच में नितीश ने नंबर सात पर बल्लेबाजी करते हुए 21 गेंदों में 20 रन बनाए और गेंदबाजी में केवल दो ओवर (0/13) ही किए। कैफ ने साफ शब्दों में कहा, मैं चुनी गई टीम को समझ नहीं पाया... न ही मैं नितीश रेड्डी की भूमिका समझ पाया। कोच और मैनेजमेंट बताए कि आखिर उनकी भूमिका क्या है। उन्होंने यह भी कहा कि रेड्डी को आलराउंडर के बजाय बल्लेबाज के रूप में देखा जाना चाहिए।

प्रो रेसलिंग लीग : हरियाणा थंडर्स ने पंजाब रायल्स को 7-2 से हराकर की शानदार शुरुआत

नोएडा,17 जनवरी (एजेंसियां) ।

हरियाणा थंडर्स ने प्रो रेसलिंग लीग 2026 में अपने पहले मुकाबले में दमदार प्रदर्शन करते हुए पंजाब रायल्स को 7-2 से करारी शिकस्त दी। शुक्रवार देर रात खेले गए इस मुकाबले में हरियाणा ने शुरुआती बढ़त बनाकर अंत तक दबदबा बनाए रखा। मैच की प्लेयर आफ द मैच रहीं नेहा सांगवान ने 57 किग्रा महिला वर्ग में पंजाब की कप्तान रोक्साना ज़ासीना को 8-0 से मात देकर शानदार प्रदर्शन किया। वहीं, अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियन और एशियन चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता प्रिया मलिक को 76 किग्रा महिला वर्ग में जुझारू प्रदर्शन के लिए फाइटर आफ द मैच चुना गया। प्रो रेसलिंग लीग 2026 का आयोजन 15 जनवरी से 1 फरवरी तक नोएडा इंडोर स्टेडियम में किया जा रहा है। हरियाणा ने मुकाबले की शुरुआत शानदार अंदाज में की। 86 किग्रा वर्ग में अशिरोव अशरफ ने रोमांचक मुकाबले में टारियल गैफ्रिंडाशविली को 6-5 से हराया। हालांकि, 74 किग्रा वर्ग में पंजाब के चंद्रमोहन ने पावर मिनट का फायदा उठाते हुए परविंदर को 13-6 से हराकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद मुकाबला पूरी तरह हरियाणा के पक्ष में चला गया। नेहा सांगवान ने 57 किग्रा महिला वर्ग में रोक्साना ज़ासीना को एकतरफा अंदाज में 8-0 से हराकर हरियाणा को बढ़त दिलाई।62 किग्रा वर्ग में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता इरीना कोलियाडेंको ने एना गोडिनेज को 15-2 से पराजित करते हुए बढ़त को और मजबूत किया। इसके बाद अंकुश चंद्रम ने चिराग छिकारा को 5-2 से हराया, जबकि 65 किग्रा वर्ग में तुमुर ओचिर तुल्गा ने इस्लाम गुसेनोव को 15-0 से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर मात दी। 76 किग्रा महिला वर्ग का मुकाबला सबसे ज्यादा रोमांचक रहा, जहां प्रिया मलिक और काजल ढोच्छक के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। मुकाबला 2-2 की बराबरी पर रहा, लेकिन अंतिम अंक के आधार पर काजल ने जीत दर्ज कर हरियाणा को 6-1 की बढ़त दिलाई। पंजाब के लिए दिनेश धनखड़ ने हेवीवेट वर्ग में अनिरुद्ध गुलिया को 7-3 से हराकर स्कोर 6-2 किया।दिन के आखिरी मुकाबले में हरियाणा की युई सुसाकी और पंजाब की हंशिका लांबा आमने-सामने थीं। यह मुकाबला फारफिट के जरिए ओलंपिक चैंपियन और चार बार की विश्व चैंपियन सुसाकी के नाम रहा।

अजिंक्य रहाणे निजी कारणों से रणजी ट्राफी के बाकी मैचों से बाहर

नई दिल्ली। मुंबई के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे इस सीजन की रणजी ट्राफी में मुंबई के लिए खेलते नहीं नजर आएंगे। रहाणे ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) को जानकारी दी है कि वे निजी कारणों से इस सीजन के बचे हुए दो लीग मैचों में हिस्सा नहीं लेंगे। मुंबई अपनी अगली दो लीग मुकाबलों में पहला हैदराबाद के खिलाफ 22 से 25 जनवरी तक और दूसरा दिल्ली के खिलाफ 29 जनवरी से 1 फरवरी तक एमसीए-बीकेसी ग्राउंड पर खेलेगी। एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, रहाणे ने स्पष्ट किया है कि वे इस सीजन के बाकी रेड-बाल मैचों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। टीम का हैदराबाद मैच के लिए ऐलान किया जाना हैं। रहाणे पिछले दो सीजन से मुंबई का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, लेकिन जुलाई 2023 के बाद से भारत के लिए खेलते नहीं दिखे। इस रणजी सीजन में उनका प्रदर्शन औसत रहा है, उन्होंने चार मैचों में केवल एक शतक बनाया। 37 वर्षीय रहाणे आगामी आईपीएल सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम का हिस्सा होंगे। इससे पहले उन्होंने मुंबई की कप्तानी भी छोड़ दी थी और शार्दुल ठाकुर को नया कप्तान बनाया गया था। कप्तानी छोड़ने के बावजूद रहाणे ने बतौर खिलाड़ी टीम में योगदान देने की प्रतिबद्धता जताई थी। रणजी ट्राफी की वर्तमान पाइंट्स टेबल में मुंबई ग्रुप डी में पांच मैचों में तीन जीत और दो ड्रा के साथ 24 अंकों के साथ शीर्ष पर है। अब टीम के दो लीग मैच बाकी हैं, जिनमें रहाणे की अनुपस्थिति को ध्यान में रखा जाएगा। अजिंक्य रहाणे ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट मैच 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था। उन्होंने 85 टेस्ट में कुल 5077 रन बनाए हैं, जिसमें 12 शतक और 26 अर्धशतक शामिल हैं। रहाणे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2023 के फाइनल में भी खेले थे, जिसमें उन्होंने दो पारियों में कुल 135 रन बनाए थे। हालांकि, उस मैच में आस्ट्रेलिया ने भारत को 209 रन से हराकर जीत हासिल की थी। रहाणे की अनुपस्थिति में मुंबई की टीम के लिए युवा खिलाड़ियों को मौके मिल सकते हैं और टीम प्रबंधन को बचे हुए लीग मैचों में रणनीति बदलने की आवश्यकता पड़ सकती है।

मेनिन्जाइटिस से जंग जीतकर लौटे डेमियन मार्टिन, बोले 2026 के लिए तैयार हूं

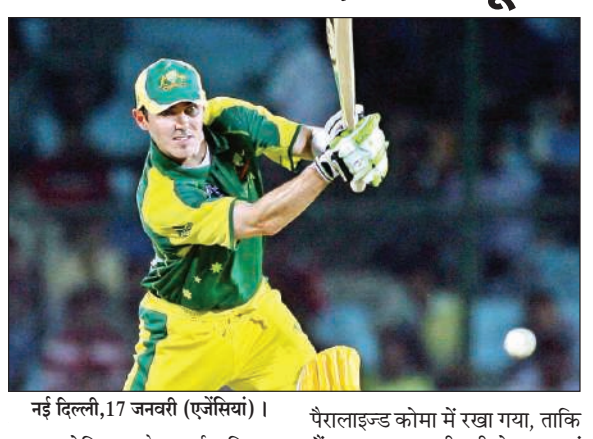

नई दिल्ली,17 जनवरी (एजेंसियां) ।

आस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर डेमियन मार्टिन ने मेनिन्जाइटिस जैसी गंभीर बीमारी से चमत्कारी रूप से उबरने के बाद सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट साझा की है।

54 वर्षीय मार्टिन ने शनिवार को एक्स पर लिखा, 2026 के लिए तैयार हूं, मैं वापस आ गया हूं।साथ ही उन्होंने और अपने परिवार, दोस्तों व शुभचिंतकों का आभार जताया।

डेमियन मार्टिन पिछले महीने अचानक बीमार पड़ गए थे। हालत बिगड़ने पर उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डाक्टरों ने उन्हें मेनिन्जाइटिस होने की पुष्टि की। यह बीमारी दिमाग और रीढ़ की हड्डी को ढकने वाली झिल्लियों में सूजन पैदा करती है। इलाज के दौरान उन्हें करीब एक हफ्ते से ज्यादा समय तक कृत्रिम कोमा (इंड्यूस्ड कोमा) में रखा गया था।

अपने पोस्ट में मार्टिन ने लिखा, 27 दिसंबर 2025 को मेरी जिंदगी मेरे हाथों से निकल गई थी, जब मेनिन्जाइटिस ने मेरे दिमाग को अपनी चपेट में ले लिया। मुझे बिना मेरी जानकारी के 8 दिनों के लिए पैरालाइज्ड कोमा में रखा गया, ताकि मैं इस खतरनाक बीमारी से लड़ सकूं और मैं लड़ा।

उन्होंने आगे बताया कि डाक्टरों ने उनके बचने की संभावना 50-50 बताई थी। कोमा से बाहर आने के बाद वह न चल पा रहे थे और न ही बोल पा रहे थे, लेकिन महज चार दिन के भीतर उन्होंने न सिर्फ चलना और बोलना शुरू कर दिया, बल्कि डाक्टरों को भी हैरान कर दिया। इसके बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और अब वे रिकवरी के दौर में हैं।

डेमियन मार्टिन ने 1992 से 2006 के बीच आस्ट्रेलिया के लिए 67 टेस्ट, 208 वनडे और 4 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। वह स्टीव वा की कप्तानी वाली आस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम के अहम स्तंभ रहे और अपनी शानदार स्ट्रोक-प्ले के लिए जाने जाते थे। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 13 शतक लगाए और 46.37 की औसत से रन बनाए। मार्टिन 2003 वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली आस्ट्रेलियाई टीम का भी हिस्सा थे। फाइनल में भारत के खिलाफ उन्होंने रिकी पोंटिंग के साथ मैच जिताऊ साझेदारी करते हुए नाबाद 88 रन बनाए थे।

ब्रिटेन में आईएसयू फिगर स्केटिंग

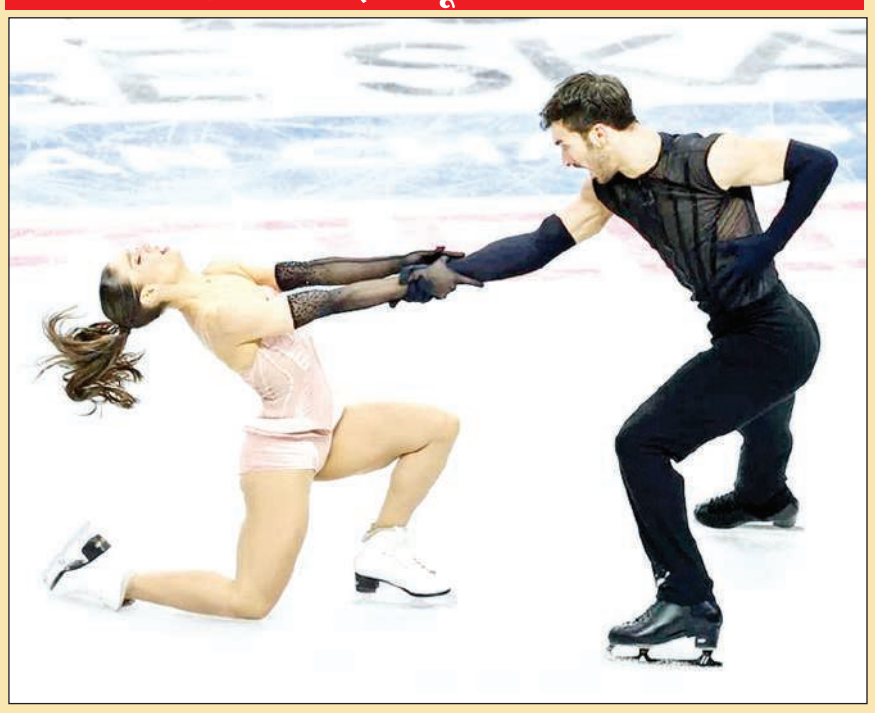

शेफ़ील्ड एरिना, शेफ़ील्ड, ब्रिटेन में आईएसयू फिगर स्केटिंग यूरोपीय चैंपियनशिप में फ्रांस के लॉरेंस फोरनियर ब्यूट्री और गुइलौम सिज़ेरॉन आइस डांस के दौरान प्रदर्शन करते हुए।

आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 : बांग्लादेश की भारत में भागीदारी को लेकर विवाद जारी

नई दिल्ली,17 जनवरी (एजेंसियां) ।

आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 के आगमन से पहले ही बांग्लादेश की टीम की भारत में भागीदारी को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। टूर्नामेंट की शुरुआत 7 फरवरी से हो रही है, लेकिन अब तक तय नहीं हो पाया है कि बांग्लादेश की टीम भारत में अपने चार लीग मैच खेलेगी या नहीं। इस मुद्दे को सुलझाने के लिए आईसीसी का दो सदस्यीय दल शनिवार को ढाका जाने वाला था, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार बांग्लादेश की तरफ से इसमें अड़चन पैदा कर दी गई।

आईसीसी के ढाका जाने वाले दल में एक भारतीय मूल का सदस्य और एंटी करप्शन व सिक्योरिटी प्रमुख एंड्रयू एफग्रेव शामिल थे। हालांकि रिपोर्ट के अनुसार, वीजा में देरी के कारण केवल एंड्रयू एफग्रेव ही ढाका पहुंच सके। बांग्लादेश ने भारतीय मूल के अधिकारी को वीजा देने में विलंब किया, जिससे पहले से तय कार्यक्रम प्रभावित हुआ। इस विवाद की जड़ आईपीएल में मुस्ताफिजुर रहमान की रिलीज से जुड़ी हुई है। बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए आईसीसी से मांग की थी कि उनके

चार मैच संयुक्त मेजबान श्रीलंका में कराए जाएं।आईसीसी और बीसीबी अब अंतिम प्रयास कर रहे हैं कि बांग्लादेश अपनी सुरक्षा की आश्वस्तियों के साथ भारत में खेले। आईसीसी की पूरी जिम्मेदारी अब एंड्रयू एफग्रेव पर आ गई है। एक पूर्व ब्रिटिश पुलिस अधिकारी के रूप में, एफग्रेव बांग्लादेशी अधिकारियों के सामने एक विस्तृत सुरक्षा योजना पेश करेंगे, जिससे उन्हें भारत में सुरक्षित खेलने के लिए आश्वस्त किया जा सके। विश्व कप शुरू होने में अब तीन सप्ताह से भी कम समय बचा है और यदि आईसीसी और बीसीबी के बीच बातचीत सफल नहीं होती है, तो टूर्नामेंट के आयोजन पर बड़ा संकट खड़ा हो सकता है। इस समय आईसीसी और बीसीबी की कोशिशें बांग्लादेश को भारत लाने और विश्व कप की सभी तैयारियों को समय पर पूरा करने पर केंद्रित हैं।

भारतीय खेल प्राधिकरण ने 26 खेलों में 323 असिस्टेंट कोच पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए

नई दिल्ली,17 जनवरी (एजेंसियां) ।

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने 26 खेल विधाओं में 323 असिस्टेंट कोच पदों पर भर्ती के लिए पात्र भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। खेल प्राधिकरण, युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्था है, जो सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1860 के तहत पंजीकृत है। चयनित असिस्टेंट कोचों की तैनाती देशभर में स्थित साई के क्षेत्रीय केंद्रों, राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों या प्रशिक्षण केंद्रों में की जाएगी। इन पदों के लिए वेतनमान लेवल-6 के तहत 35,400 से 1,12,400 तक होगा ।

इन खेलों में होगी भर्ती

असिस्टेंट कोच पदों के लिए जिन खेलों में रिक्तियां निकाली गई हैं, उनमें एथलेटिक्स (28), तीरंदाजी (12), बैडमिंटन (16), बास्केटबाल (12), बाक्सिंग (19), कैनोइंग (7), साइक्लिंग (12), फेंसिंग (11), हाकी (13), फुटबाल (12), जिम्नास्टिक्स (12), हैंडबाल (6), जूडो (6), कबड्डी (6), खो-खो (2), रोइंग (11), सेपक टकरा (3), शूटिंग (28), स्विमिंग (26), टेबल टेनिस (14), ताइक्वांडो (11), टेनिस (8), वालीबाल (10), वेटलिफ्टिंग (10), कुश्ती (22) और वुशु (6) शामिल हैं।

आरक्षण और योग्यता मानदंड

भर्तियां भारत सरकार की मानक आरक्षण नीति के अनुसार की जाएंगी। इसके अलावा प्रत्येक खेल विधा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण भी लागू होगा। इन पदों के लिए अधिकतम आयु सीमा 30 वर्ष निर्धारित की गई है।

आवश्यक योग्यता में साई एनएसएनआईएस, पटियाला या किसी मान्यता प्राप्त भारतीय/विदेशी विश्वविद्यालय से कोचिंग में डिप्लोमा या समकक्ष प्रमाणपत्र शामिल है। इसके अलावा ओलंपिक, पैरालंपिक, एशियाई खेल या विश्व चैंपियनशिप में भागीदारी के साथ कोचिंग का सर्टिफिकेट, अथवा संबंधित खेल में द्रोणाचार्य पुरस्कार प्राप्त उम्मीदवार भी पात्र होंगे।

चयन प्रक्रिया और करियर ग्रोथ

उम्मीदवारों का चयन दो चरणों में किया जाएगा — पहले कंप्यूटर आधारित आनलाइन लिखित परीक्षा और उसके बाद कोचिंग एबिलिटी टेस्ट। असिस्टेंट कोच पद कोच कैडर में ग्रुप बी का एंट्री लेवल पद है। चयनित कोच भविष्य में ग्रुप ए के तहत कोच, सीनियर कोच, चीफ कोच और आगे चलकर हाई परफार्मेंस कोच के पद तक पदोन्नति के पात्र होंगे। चयनित उम्मीदवारों की तैनाती देश में कहीं भी की जा सकती है और उनकी वरिष्ठता अखिल भारतीय स्तर पर निर्धारित होगी।

भर्ती से जुड़ी अधिक जानकारी भारतीय खेल प्राधिकरण के आधिकारिक माध्यमों और सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर उपलब्ध है।

सेबी के नए नियम, खर्चों की पारदर्शिता और गवर्नेंस पर जोर

नई दिल्ली,17 जनवरी (एजेंसियां) ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शुक्रवार को म्यूचुअल फंड उद्योग के लिए नए नियमों की अधिसूचना जारी की। ये बदलाव करीब तीन दशक पुराने ढांचे को पूरी तरह नया रूप देने वाले हैं। सेबी के मुताबिक नए नियमों का उद्देश्य खर्चों की पारदर्शिता बढ़ाना, निवेशकों को बेहतर जानकारी देना और फंड हाउस की गवर्नेंस को मजबूत करना है। ये सभी बदलाव 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होंगे। नए नियमों की सबसे अहम बात यह है कि अब म्यूचुअल फंड स्कीम्स अपना बेस एक्सपेंस रेशियो परफॉर्मेंस के आधार पर चार्ज कर सकेंगी। हालांकि इसके लिए सेबी द्वारा तय शर्तों का पालन अनिवार्य होगा। नियामक ने साफ किया है कि खर्चों की संरचना और उनकी जानकारी देने के नियमों में किसी तरह की ढील नहीं दी जाएगी। अब तक टोटल एक्सपेंस रेशियो में सभी तरह के खर्च शामिल रहते थे। नए ढांचे में बेस एक्सपेंस रेशियो केवल एसेट मैनेजमेंट कंपनी की मैनेजमेंट फीस तक सीमित रहेगा। ब्रोकरेज, सिक्योरिटीज ट्रांजेक्शन टैक्स, स्टैंप ड्यूटी और एक्सचेंज फीस जैसे खर्च अलग-अलग दिखाने होंगे। इससे निवेशकों को यह स्पष्ट रूप से समझ आ सकेगा कि उनका पैसा किन मदों में खर्च हो रहा है। सेबी ने ब्रोकरेज चार्ज पर भी कैप घटा दी है। कैश मार्केट में ब्रोकरेज की अधिकतम सीमा अब 6 बेसिस पॉइंट्स होगी, जो पहले करीब 8.59 बीपीएस थी। वहीं डेरिवेटिव्स सेगमेंट में यह सीमा घटकर 2 बीपीएस रह गई है, जो पहले 3.89 बीपीएस थी।

भारत ने इस देश को बेचा सामान और अमेरिका से होने वाले नुकसान की कर ली भरपाई

नई दिल्ली। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाकर निर्यात को नुकसान पहुंचाने की पूरजोर कोशिश की, लेकिन केंद्र की मोदी सरकार ने जल्द ही इसका हल भी निकाल कर अपना सामान उस देश को बेचना शुरू कर दिया जो खुद पूरी दुनिया को सामान बेच रहा है। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से जारी ट्रेड आंकड़ों को देखकर पता चलता है कि भारत ने अमेरिका को हुए निर्यात के नुकसान की भरपाई चीन से की है। वाणिज्य मंत्रालय ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स और समुद्री उत्पादों जैसी विभिन्न वस्तुओं के निर्यात में उछाल से बीते साल दिसंबर में चीन को होने वाला भारतीय निर्यात 67.35 फीसदी बढ़कर 2.04 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। निर्यात में यह तेजी मुख्य रूप से तेल खली, समुद्री उत्पाद, दूरसंचार उपकरण और मसालों जैसे उत्पादों के कारण रही। आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर में चीन से आयात भी 20 फीसदी बढ़कर 11.7 अरब डॉलर पहुंच गया है। इस तरह देखने पर चालू वित्तवर्ष में अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान चीन को होने वाला निर्यात 36.7 फीसदी बढ़कर 14.24 अरब डॉलर रहा, जबकि पहले नौ महीनों के दौरान आयात 13.46 फीसदी बढ़कर 95.95 अरब डॉलर हो गया।

न्यूज ब्रीफ

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 687 बिलियन डॉलर तक पहुंचा, बीते एक हफ्ते में सोने के दाम लगभग 2.5 प्रतिशत बढ़े

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 9 जनवरी को समाप्त हफ्ते में 392 मिलियन डॉलर बढ़कर 687 बिलियन डॉलर हो गया। इस बढ़ोतरी में मुख्य योगदान सोने की कीमतों में वृद्धि का रहा। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, इस हफ्ते गोल्ड रिजर्व की वैल्यू 1.56 बिलियन डॉलर बढ़कर 112.83 बिलियन डॉलर हो गई। इस वृद्धि का प्रमुख कारण अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने की कीमतों का तेजी से बढ़ना है। बीते एक हफ्ते में सोने के दाम लगभग 2.5 प्रतिशत और पिछले एक महीने में करीब 5.5 प्रतिशत बढ़े हैं। विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक फॉरेन करेंसी एसेट्स (एफसीए) की वैल्यू इस दौरान 1.12 बिलियन डॉलर घटकर 550.86 बिलियन डॉलर रह गई। एफसीए में डॉलर के साथ अन्य प्रमुख मुद्राएं जैसे येन, यूरो और पाउंड शामिल होती हैं, जिनकी वैल्यू डॉलर में व्यक्त की जाती है। इस हफ्ते एसडीआर की वैल्यू 39 मिलियन डॉलर घटकर 18.73 बिलियन डॉलर और आईएमएफ में रिजर्व पोजिशन 13 मिलियन डॉलर घटकर 4.758 बिलियन डॉलर रही। विदेशी मुद्रा भंडार किसी भी देश की आर्थिक स्थिति और मुद्रा विनिमय दर को स्थिर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बढ़ता हुआ भंडार यह संकेत देता है कि देश में डॉलर की आवक बनी हुई है और यह विदेशी व्यापार को आसान बनाता है। केंद्रीय बैंक जरूरत पड़ने पर इसे रुपये को डॉलर के मुकाबले गिरने से रोकने के लिए भी इस्तेमाल कर सकता है।

शैडोफैक्स टेक्नोलॉजी का आईपीओ 20 जनवरी को आएगा

नई दिल्ली। शैडोफैक्स टेक्नोलॉजी मेनबोर्ड आईपीओ के जरिए 1,907.27 करोड़ जुटाने जा रही है। कंपनी 8.06 करोड़ फ्रेश शेयर और 7.32 करोड़ ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शेयर जारी करेगी। आईपीओ का प्राइस बैंड 118 से 124 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। एक लॉट में 120 शेयर हैं, इसलिए रिटेल निवेशकों को न्यूनतम 14,880 रुपए का निवेश करना होगा। क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 75 फीसदी शेयर आरक्षित हैं। रिटेल निवेशकों के लिए 10 फीसदी और नॉन-इंस्टिट्यूशनल निवेशकों (एनआईआई) के लिए 15 फीसदी रिजर्व रखा गया है। ग्रे मार्केट में आईपीओ मजबूती से ट्रेड कर रहा है। वर्तमान में 15 रुपए के प्रीमियम पर चल रहा है, जिससे अनुमानित लिस्टिंग गेन 12.10 फीसदी है। सबसे अधिक जीएमपी 16 रुपए दर्ज किया गया। ओएफएस में फ्लिपकार्ट, नोकिया ग्रोथ पार्टनर, इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन समेत अन्य प्रमोटर्स शेयर बेच रहे हैं।

टाटा टेक्नोलॉजीज का मुनाफा 96 फीसदी गिरा, दिसंबर 2025 तिमाही में एकमुश्त ग्रेच्युटी प्रावधान से मुनाफे पर दबाव

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने दिसंबर 2025 को समाप्त तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 96 प्रतिशत घटकर 6.64 करोड़ रुपये रह गया। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी ने 168.64 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। कंपनी ने बताया कि मुनाफे में भारी गिरावट की मुख्य वजह नए लेबर कोड का सांविधिक असर है। टाटा टेक्नोलॉजीज ने विशिष्ट मद के तहत 114 करोड़ रुपये की ग्रेच्युटी का प्रावधान किया है। यह असर 21 नवंबर 2025 को सरकार द्वारा अधिसूचित चार नए लेबर कोड में वेतन की परिभाषा में बदलाव के कारण पड़ा। दिसंबर 2025 तिमाही में कंपनी कापरिचालन राजस्व 1,365.73 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की समान तिमाही में 1,317.38 करोड़ रुपये था। वहीं, कंपनी का कुल खर्च बढ़कर 1,217.99 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले 1,119.31 करोड़ रुपये था। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि तीसरी तिमाही ने व्यवसाय की मजबूती को दर्शाया है। मौसमी नरमी और अल्पकालिक चुनौतियों के बावजूद कंपनी ने वृद्धि दर्ज की है।

भारत-यूरोपीय संघ एफटीए महत्वपूर्ण देशहित से कोई समझौता नहीं : गोयल

27 जनवरी को व्यापार वार्ता पूरी होने की घोषणा संभव

नई दिल्ली,17 जनवरी (एजेंसियां) ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) अब तक किए गए सभी व्यापार समझौतों में सबसे महत्त्वपूर्ण होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस समझौते में देश के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और सभी संवेदनशील मुद्दों का समाधान भारत की संतुष्टि के अनुरूप किया जाएगा। स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम के अवसर पर गोयल ने कहा कि उन्होंने अब तक सात मुक्त व्यापार समझौते किए हैं और ये सभी विकसित देशों के साथ हुए हैं। भारत-ईयू एफटीए को उन्होंने इसलिए भी खास बताया क्योंकि दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच सीधी प्रतिस्पर्धा बहुत कम है। उनके अनुसार यह समझौता भारत और यूरोपीय संघ, दोनों के लिए फायदे का सौदा साबित होगा। इससे एक दिन पहले वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने संकेत दिया था कि भारत और ईयू के बीच चल रही व्यापार वार्ता के संपन्न होने की घोषणा 27 जनवरी को की जा सकती है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के अनुसार, प्रस्तावित समझौते में व्यापार से जुड़े सभी प्रमुख पहलुओं को शामिल किया जाएगा, हालांकि कृषि से जुड़े कुछ संवेदनशील विषयों को बातचीत से बाहर रखा गया है। गोयल ने कार्बन बॉर्डर समायोजन प्रणाली (सीबीएएम) और डेरी जैसे मुद्दों पर सरकार के रुख को स्पष्ट करते हुए कहा कि इन सभी विषयों पर भारत के हितों की पूरी रक्षा की जाएगी। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों की व्यापार नीति की आलोचना करते हुए कहा कि पहले कमजोर स्थिति में समझौते किए गए, जिनसे घरेलू उद्योगों और किसानों को नुकसान हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि आरसीईपी जैसे समझौतों में शामिल होने का अर्थ चीन के साथ एफटीए होता, जो 'मेक इन इंडिया', लघु उद्योगों और किसानों के लिए नुकसानदेह होता। गौरतलब है कि 25 से 27 जनवरी तक यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन भारत की राजकीय यात्रा पर रहेंगे।

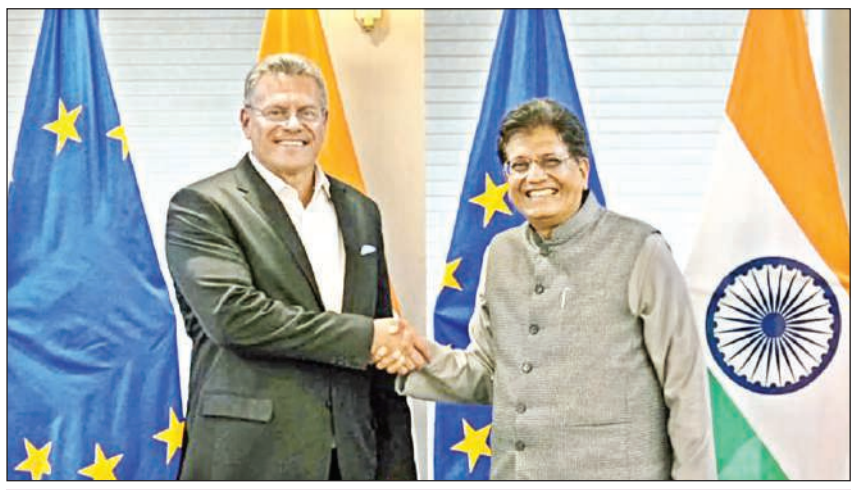

लोकप्रिय लॉजिक्स कार्गो ई-स्कूटर का 2026 फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च

नई दिल्ली। जेलियो ई-मोबिलिटी कंपनी ने अपने लोकप्रिय लॉजिक्स कार्गो ई-स्कूटर का 2026 फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च कर दिया है। नए लॉजिक्स फेसलिफ्ट की एक्स-शोरूम कीमत 56,551 रुपये से शुरू होती है। 2026 लॉजिक्स में पहले से ज्यादा मजबूत और मॉडर्न फ्रंट डिजाइन दिया गया है, जिससे इसकी रोड प्रेजेंस बेहतर होती है। यह स्कूटर खासतौर पर गिग वर्कर्स, डिलीवरी पार्टनर्स और छोटे बिजनेस ओनर्स की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यह स्कूटर ग्रे, व्हाइट, ग्रीन, ग्रीन-ब्लैक और रेड-ब्लैक जैसे कई कलर ऑप्शंस में उपलब्ध है। भारी लॉजिस्टिक्स इस्तेमाल को ध्यान में रखते हुए इसमें 150 किलोग्राम तक की लोडिंग कैपेसिटी दी गई है, जो इसे लास्ट-माइल डिलीवरी के लिए उपयुक्त बनाती है। राइड क्वालिटी को बेहतर बनाने के लिए स्कूटर में टेलिस्कोपिक फ्रंट सस्पेंशन और स्प्रिंग-लोडेड रियर सस्पेंशन दिया गया है। कंपनी का दावा है कि यह एक बार फुल चार्ज होने पर करीब 120 किलोमीटर की रेंज देता है। इसके अलावा, इसमें 90/90-12 फ्रंट टायर और 90/100-10 रियर टायर लगाए गए हैं, जो बेहतर ग्रिप और स्थिरता सुनिश्चित करते हैं। फीचर्स के मामले में जेलियो लॉजिक्स 2026 काफी एडवांस है। इसमें डिजिटल डैशबोर्ड, कीलेस एंट्री, मोबाइल चार्जिंग पोर्ट और कई स्मार्ट सेफ्टी फीचर्स शामिल हैं। एंटी-थेफ्ट डिटेक्शन, प्रॉक्सिमिटी लॉक-अनलॉक, साइड स्टैंड अलर्ट और रियल-टाइम व्हीकल डायग्नोस्टिक्स जैसे फीचर्स इसे ज्यादा सुरक्षित और भरोसेमंद बनाते हैं। जेलियो ई-मोबिलिटी के मैनेजिंग डायरेक्टर कुणाल आर्य के अनुसार, नया लॉजिक्स फेसलिफ्ट कम ऑपरेटिंग कॉस्ट, बेहतर सेफ्टी और स्मूथ राइड के साथ डिलीवरी राइडर्स और छोटे व्यवसायों की उत्पादकता बढ़ाने में मदद करेगा। स्कूटर टिकाऊ प्लास्टिक बॉडी के साथ आता है और इसमें 2 साल की व्हीकल वारंटी तथा 1 साल की बैटरी वारंटी दी जा रही है।

स्कूटर यामाहा ईवी-06 का प्रोडक्शन कर्नाटक में शुरू

नई दिल्ली,17 जनवरी (एजेंसियां) ।

भारतीय इलेक्ट्रिक स्कूटर बाजार में यामाहा कंपनी ने बड़ा कदम उठाया है। यामाहा ने इलेक्ट्रिक स्कूटर यामाहा ईवी-06 का प्रोडक्शन कर्नाटक में रिवर मोबिलिटी के होसकोटे प्लांट में शुरू कर दिया है। भारतीय ईवी बाजार में जहां होंडा और सुजुकी जैसे ब्रांड्स प्रीमियम कीमतों और सीमित विकल्पों के कारण चुनौती झेल रहे हैं, वहीं यामाहा ने एक अलग रणनीति अपनाई है। कंपनी ने बेंगलुरु स्थित रिवर मोबिलिटी के साथ पार्टनरशिप कर अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर को को-डेवलप किया है।

यामाहा ईवी-06, रिवर इंडी इलेक्ट्रिक स्कूटर पर आधारित जरूर है, लेकिन इसे केवल रीबैज्ड मॉडल नहीं कहा जा सकता। डिजाइन के मामले में ईवी-06 को अलग पहचान दी गई है। इसमें वर्टिकली स्टैक्ड एलईडी हेडलाइट्स, नया एप्रन, यूनिक साइड बॉडी पैनल्स और अपेक्षाकृत छोटी सीट के साथ अलग अंडर-सीट स्टोरेज डिजाइन मिलता है। ये बदलाव इसे रिवर इंडी से अलग और ज्यादा यामाहा-फील देते हैं। कंपनी का दावा है कि यह स्कूटर शहरी इस्तेमाल के साथ-साथ डेली कम्यूट के लिए भी उपयुक्त होगा। परफॉर्मेंस की बात करें तो यामाहा ईवी-06 एक बार फुल चार्ज होने पर करीब 160 किलोमीटर तक की रेंज देने में सक्षम है, जो इस सेगमेंट में इसे मजबूत दावेदार बनाती है।

इसे भारतीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ट्यून किया गया है। ईसी-06 के जरिए यामाहा न सिर्फ इलेक्ट्रिक सेगमेंट में अपनी मौजूदगी दर्ज कराना चाहती है, बल्कि भरोसेमंद और प्रैक्टिकल ईवी के रूप में अपनी पहचान भी बनाना चाहती है। प्रोडक्शन की शुरुआत के साथ ही यह साफ हो गया है कि यामाहा भारतीय ईवी बाजार को लेकर गंभीर है। हालांकि कंपनी ने अभी इसकी कीमत और लॉन्च डेट का आधिकारिक खुलासा नहीं किया है, लेकिन माना जा रहा है कि यामाहा इसे प्रतिस्पर्धी प्राइसिंग के साथ पेश कर सकती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बचाओ... बचाओ!..

पुलिस ने शुक्रवार को रैली के रूट मैप का निरीक्षण भी किया था, लेकिन उसी रात करीब 10:40 बजे अचानक अनुमति रद्द करने का संदेश भेज दिया गया।

'लश्कर साधना समिति' के बैनर तले विरोध प्रदर्शन

यह रैली 'लश्कर साधना समिति' के तत्वावधान में सिकंदराबाद नगर निगम की स्थापना की माँग को लेकर आयोजित की जा रही थी। तलसानी ने कहा, ''हमने सिकंदराबाद बचाओ के नारे के साथ काले झंडे और स्कार्फ पहनकर एक शांतिपूर्ण मार्च की योजना बनाई थी। अगर पुलिस एक-दो दिन पहले अनुमति रद्द करती, तो हम अदालत का दरवाजा खटखटाते।

उन्होंने आरोप लगाया कि अनुमति को अंतिम समय में जानबूझकर रद्द किया गया, ताकि प्रदर्शनकारियों को कानूनी विकल्प न मिल सके। इस दौरान पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं और नेताओं को हिरासत में ले लिया।

'सिकंदराबाद की पहचान मिटाने की कोशिश'

पूर्व मंत्री तलसानी ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार सिकंदराबाद के इतिहास और इसकी विशिष्ट पहचान के साथ छेड़छाड़ कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मलकाजगिरी, हैदराबाद और साइबराबाद निगमों से जुड़ी योजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जबकि सिकंदराबाद की अनदेखी की जा रही है।

उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा, शांति रैली को अस्थायी रूप से रोककर आप सैडिस्टिक (परपीडक) आनंद ले सकते हैं, लेकिन हम पीछे नहीं हटेंगे। हम जल्द ही अदालत जाएंगे और कानूनी रूप से अनुमति प्राप्त कर इस रैली का आयोजन करेंगे।

तेलंगाना भवन में बीआरएस नेताओं की नजरबंदी

सिकंदराबाद रैली को लेकर चल रहे हंगामे के बीच शनिवार को तेलंगाना भवन (बीआरएस मुख्यालय) के बाहर हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। पुलिस ने न केवल नेताओं को रैली स्थल पर जाने से रोका, बल्कि पार्टी कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नेताओं को तेलंगाना भवन से बाहर निकलने पर भी पाबंदी लगा दी।

पुलिस की इस घेराबंदी के कारण स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई, जब विधान परिषद में विपक्ष के नेता वी. मधुसूदना चारी को भी बाहर निकलने से रोक दिया गया। वे सिकंदराबाद जाने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें परिसर के भीतर ही रोक लिया।

विवाद तब बढ़ गया जब मधुसूदना चारी ने पुलिस को सूचित किया कि उन्हें उपचार के लिए निम्स अस्पताल जाना है, लेकिन पुलिस ने उनकी बात मानने से इनकार कर दिया। अपनी बीमारी और इलाज की आवश्यकता बताने के बावजूद अनुमति न मिलने पर बीआरएस नेताओं ने कांग्रेस सरकार और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

नाराज मधुसूदना चारी ने पुलिस अधिकारियों से सवाल किया, यह सरासर तानाशाही है। क्या कोई व्यक्ति इलाज के लिए अस्पताल भी नहीं जा सकता? हमें किस आधार पर रोका जा रहा है? इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने सरकार विरोधी नारों के साथ अपना विरोध दर्ज कराया।

काफी देर तक चले हंगामे और बहस के बाद, पुलिस प्रशासन अंततः नरम पड़ा। लंबे विलंब के बाद, बीआरएस एमएलसी को एक अलग वाहन में जाने की अनुमति दी गई। हालांकि, उन्हें कड़ी सुरक्षा और पुलिस एस्कॉर्ट के बीच ही अस्पताल जाने की इजाजत मिली।

रेवंत की...

यहाँ तक कि राज्य के प्रतीक चिन्ह से काकतीया मेहराब और चारमीनार को भी हटा दिया गया। इन तुगलकी कामों के अलावा रेवंत रेड्डी ने जनता के हित में कुछ नहीं किया।

सिकंदराबाद की पहचान खतरे में, बीआरएस बनाएगी अलग जिला

सिकंदराबाद नगर निगम की माँग का समर्थन करते हुए केटीआर ने कहा कि रेवंत रेड्डी के फैसलों से सिकंदराबाद अपनी ऐतिहासिक पहचान खोने की कगार पर है। उन्होंने घोषणा की, जब बीआरएस दोबारा सत्ता में आएगी, तो हम सिकंदराबाद को एक अलग जिला बनाएंगे और लोगों की सभी आकांक्षाओं को पूरा करेंगे।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि पिछले दो वर्षों में हैदराबाद में विकास के नाम पर एक ईंट तक नहीं लगाई गई है। जिस मुख्यमंत्री का खुद का भविष्य अनिश्चित है, वह लोगों को फ्यूचर सिटी बनाने का आश्वासन दे रहे हैं।

राहुल गांधी से मांगा जवाब:

''क्या यही है संविधान की भावना?''

शांति रैली को रोकने और नेताओं की गिरफ्तारी पर आक्रोश व्यक्त करते हुए केटीआर ने कहा कि पुलिस ने पहले अनुमति दी और फिर शुक्रवार देर रात इसे अचानक रद्द कर दिया। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया।

केटीआर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से भी सवाल किया। उन्होंने पूछा, राहुल गांधी स्पष्ट करें कि क्या तेलंगाना में इस तरह का क्रूर, अवैध और अन्यायपूर्ण व्यवहार करना संविधान की भावना के अनुरूप है ? उन्हें यहाँ के अलोकतांत्रिक शासन पर अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए। उन्होंने अंत में दोहराया कि बीआरएस अदालत जाएगी और कानूनी रूप से अनुमति लेकर शांति रैली का आयोजन करेगी।

मेट्रो फेज़-2...

की जानकारी साझा की। श्री खट्टर के अनुसार, एलएंडटी (एलएंडटी) से हैदराबाद मेट्रो फेज़-1 का अधिग्रहण राज्य सरकार द्वारा पहले पूरा किया जाना चाहिए। केंद्र सरकार के आगे बढ़ने से पहले इस प्रक्रिया से संबंधित सभी समझौतों, निर्णयों और वित्तीय लेन-देन को अंतिम रूप दिया जाना आवश्यक है।

सिकंदराबाद के सांसद किशन रेड्डी ने नई दिल्ली में श्री खट्टर से मुलाकात कर फेज़-2 के प्रस्तावों की प्रगति पर चर्चा की थी। बैठक के दौरान यह बताया गया कि मुख्यमंत्री पहले ही संयुक्त समिति के गठन और राज्य की ओर से दो अधिकारियों को नामित करने पर सहमति जता चुके हैं, लेकिन अभी तक नाम नहीं भेजे गए हैं।

162 किलोमीटर का विस्तार और 42,000 करोड़ की योजना

किशन रेड्डी ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि वे जल्द से जल्द नामांकन प्रक्रिया पूरी करें, ताकि परियोजना में और देरी न हो। उन्होंने पत्र में लिखा, मेरा अनुरोध है कि एलएंडटी से मेट्रो फेज़-1 के अधिग्रहण में तेजी लाई जाए और उसके बाद फेज़-2 के प्रस्ताव भारत सरकार को सौंपे जाएं।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने पहले ही घोषणा की है कि सरकार एलएंडटी से फेज़-1 का नियंत्रण अपने हाथ में लेगी, जिसके बाद मेट्रो का संचालन सरकार द्वारा किया जाएगा। इसका उद्देश्य हैदराबाद की यातायात चुनौतियों का समाधान करना और सार्वजनिक परिवहन ढांचे में सुधार करना है। हैदराबाद मेट्रो फेज़-2 (एऔरबी) के तहत आठ कॉरिडोर में कुल 162 किलोमीटर का विस्तार प्रस्तावित है, जिसकी अनुमानित लागत 42,000 करोड़ है।

हैदराबाद मेट्रो खरीदेगी 60 नए कोच

शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, हैदराबाद मेट्रो रेल (एचएमआर) ने 60 नए मेट्रो कोच खरीदने का निर्णय लिया है। विशेष बात यह है कि विभाग ने फेज़-2 की औपचारिक मंजूरियों का इंतजार किए बिना, इन कोचों की खरीद के लिए आवश्यक अनुमति हेतु राज्य सरकार से संपर्क किया है।

एचएमआर के प्रबंध निदेशक सरफराज अहमद ने पुष्टि की है कि जैसे ही सरकार से हरी झंडी मिलेगी, छह-कोच वाले ट्रेन सेट के लिए निविदा (टेंडर) जारी कर दी जाएगी। यह कदम मेट्रो में बढ़ती यात्रियों की संख्या और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए उठाया गया है।

एलएंडटी से होगा परिचालन का हस्तांतरण

सरकार के स्वामित्व वाली विशेष प्रयोजन इकाई (एसपीवी) वर्तमान में एलएंडटी मेट्रो रेल हैदराबाद (एल एंडटीएमआरएच) से 69.2 किलोमीटर लंबे फेज़-1 के परिचालन को अपने नियंत्रण में लेने की प्रक्रिया पर तेजी से काम कर रही है। लक्ष्य रखा गया है कि इस वित्तीय वर्ष के अंत तक अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी कर ली जाए।

इस महत्वपूर्ण बदलाव के लिए एचएमआर ने वित्तीय और लेखांकन पहलुओं की समीक्षा हेतु आईडीबीआई कैपिटल को वित्तीय सलाहकार नियुक्त किया है। इसके साथ ही, तकनीकी सलाहकार के चयन की प्रक्रिया भी अंतिम चरण में है। इस दौड़ में तीन सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां और डीबी व दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) सहित तीन निजी कंपनियां शॉर्टलिस्ट की गई हैं।

राज्य सरकार मेट्रो के ढांचे को दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) की तर्ज पर पुनर्गठित करने पर विचार कर रही है। इसमें मौजूदा ऋणों के पुनर्गठन और परिचालन दक्षता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

इसके अतिरिक्त, सरकार यात्रियों की सुविधा के लिए कॉमन टिकटिंग (साझा टिकट प्रणाली), स्टेशनों तक पहुँचने के लिए फर्स्ट और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी तथा मेट्रो स्टेशनों के नीचे स्ट्रीट फर्नीचर के रखरखाव जैसे मुद्दों को प्राथमिकता दे रही है। तकनीकी और वित्तीय सलाहकारों के साथ इन विषयों पर चर्चा जारी है, ताकि हैदराबाद मेट्रो को वैश्विक स्तर की परिवहन प्रणाली बनाया जा सके।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 18 जनवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

श्री शिव महापुराण कथा का भव्य समापन

वाराणसी, 17 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रीश्री 1008 महामण्डलेश्वर पूज्य स्वामी आशुतोषानन्द गिरि जी महाराज के पावन सानिध्य में कैलाश मठ, वाराणसी में आयोजित सप्तदिवसीय श्री शिव महापुराण कथा का विश्राम दिवस अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कथा स्थल पर भक्तिभाव से परिपूर्ण वातावरण, वेद-मंत्रोच्चार और शिवनाम के जयघोष गूंजते रहे।

इस पावन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूज्य महंत श्री बालकनाथ जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। आप भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष (राजस्थान), विधायक तिजारा, गद्दीनशीन महंत बाबा मस्तनाथ मठ, रोहतक (हरियाणा) एवं पूर्व सांसद, अलवर (राजस्थान) हैं।

अपने आशीर्वचनों में पूज्य महंत बालकनाथ जी ने शिवभक्ति के महत्व, राष्ट्रसेवा, सनातन संस्कृति की रक्षा तथा सामाजिक समरसता पर प्रेरणादायी विचार प्रस्तुत किए। साथ ही उन्होंने यजमान परिवार को इस पुनीत आयोजन के लिए बधाई एवं आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं की भी सक्रिय उपस्थिति रही।

कथा के दौरान पूज्य स्वामी आशुतोषानन्द गिरि जी महाराज ने द्वादश ज्योतिर्लिंगों की उत्पत्ति, उनके आध्यात्मिक रहस्य एवं पूजन फल का विस्तारपूर्वक वर्णन किया। महाराजश्री ने बताया कि श्रद्धा और विश्वासपूर्वक की गई शिव आराधना से समस्त कष्टों का निवारण होता है और भक्त की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। उन्होंने यजमान परिवार को सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं शिवकृपा की प्राप्ति हेतु विशेष आशीर्वाद प्रदान किया।

कथा के समापन अवसर पर विधिवत हवन, पूर्णाहुति एवं भव्य महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर पुण्यलाभ अर्जित किया। इसके उपरांत विशाल प्रसादी भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रेमपूर्वक प्रसाद ग्रहण किया।इस दिव्य आयोजन के आयोजक श्री रामाअवतार राजेंद्र शर्मा जी एवं श्री महेंद्र शर्मा जी (आश्रत परिवार), शक्कर कोटा, चारकमान, हैदराबाद द्वारा की गई उत्तम व्यवस्थाओं की श्रद्धालुओं द्वारा खूब प्रशंसा की गई। आयोजन की सुव्यवस्थित व्यवस्था, अनुशासन और भक्तिमय वातावरण ने सभी पर गहरा प्रभाव छोड़ा।

हॉट एयर बैलून की इमरजेंसी लैंडिंग से टला बड़ा हादसा, सुरक्षित बचाए गए यात्री

हैदराबाद, 17 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। संक्रांति उत्सव के हिस्से के रूप में आयोजित हॉट एयर बैलून फेस्टिवल के दौरान शनिवार को एक बड़ा हादसा टल गया। शहर के बाहरी इलाके से उड़ान भरने वाले एक गुब्बारे को तकनीकी खराबी के कारण इब्राहिम बाग झील के पास आपातकालीन स्थिति में उतरना पड़ा।

खबरों के अनुसार, हवा में अचानक आई तकनीकी खराबी के चलते गुब्बारे का वायु दबाव (रळअॅ ॲर्शीर्शीॲश) कम होने लगा। इसके बावजूद, पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए चुनौतीपूर्ण इलाके में गुब्बारे को सुरक्षित रूप से उतार लिया। टोकरी में सवार तीनों यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं और उन्हें कोई चोट नहीं आई है।

घटना के बाद, स्काईवाल्ट्ज बैलून सफारी (एडवेंचर टूरिज्म प्राइवेट लिमिटेड) ने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि लैंडिंग पूरी तरह नियंत्रित थी। कंपनी के बयान के अनुसार, शनिवार को कुल 18 हॉट एयर बैलून सफलतापूर्वक उड़ाए गए।

कंपनी ने सोशल मीडिया पर चल रही खबरों का खंडन करते हुए कहा कि बैलून ने अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप एक सामान्य लैंडिंग की। यह लैंडिंग झील के ऊपर नहीं हुई थी, जैसा कि कुछ सोशल मीडिया हैंडल पर प्रचारित किया जा रहा है। विमान में कोई खराबी या सुरक्षा संबंधी घटना नहीं हुई थी।

स्काईवाल्ट्ज ने बताया कि हॉट एयर बैलून के लिए कोई पूर्व निर्धारित लैंडिंग साइट या रनवे नहीं होता है। ये गुब्बारे हवा की दिशा में उड़ते हैं और पायलट वैश्विक विमानन नियमों के अनुसार सुरक्षित और खाली क्षेत्रों, जैसे कि खुले मैदानों का चयन करते हैं।

कंपनी ने जोर देकर कहा कि सभी उड़ानें लाइसेंस प्राप्त पायलटों और पंजीकृत विमानों के साथ संचालित की जा रही हैं और यात्रियों की सुरक्षा के साथ कभी समझौता नहीं किया गया है।

राज्य सरकार द्वारा आयोजित यह महोत्सव 18 जनवरी तक चलेगा। इसमें यूरोपीय देशों से आए अंतरराष्ट्रीय स्तर के गुब्बारे शामिल हैं। 10 किलोमीटर से अधिक लंबी उड़ानों के अलावा, शनिवार और रविवार शाम को सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड पर मटीथर्ड राइड्सफ (रस्सी से बंधे गुब्बारे की उड़ान) का भी आयोजन किया जा रहा है। इन राइड्स के लिए पहले ही भारी बुकिंग हो चुकी है।

तेलंगाना निकाय चुनाव :

भाजपा ने फूँका चुनावी बिगुल, 10 निगमों और 121 नगर पालिकाओं में लड़ेगी चुनाव

हैदराबाद, 17 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में आगामी नगर निगम और नगरपालिका चुनावों को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को आधिकारिक तौर पर अपने चुनावी अभियान की शुरुआत कर दी है। पार्टी ने राज्य के सभी 10 नगर निगमों और 121 नगर पालिकाओं में पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ने की घोषणा की है।सिकंदराबाद में आयोजित विजय संकल्प सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने पार्टी को एक उभरती हुई राजनीतिक शक्ति के रूप में पेश किया। उन्होंने दावा किया कि ग्रामीण तेलंगाना में हालिया स्थानीय निकाय चुनावों के प्रदर्शन ने राज्य के राजनीतिक परिदृश्य को पूरी तरह बदल दिया है।

पंचायत चुनावों में ऐतिहासिक सफलता का दावा

रामचंद्र राव ने बताया कि भाजपा समर्थित उम्मीदवारों ने लगभग 1,000 सरपंच पदों, 1,200–1,500 उप-सरपंच पदों और करीब 10,000 वार्ड सदस्य पदों पर जीत हासिल की है। उन्होंने कहा, पहले हमारे पास केवल 150 सरपंच थे, लेकिन यह उछाल दर्शाता है कि जनता का भाजपा पर भरोसा बढ़ रहा है।

विपक्षी दलों पर हमला करते हुए राव ने कहा कि बीआरएस अब जनता की नजरों से ओझल हो रही है और आंतरिक टूट की ओर बढ़ रही है। उन्होंने कांग्रेस पर भी आरोप लगाया कि वह निर्दलीय विजेताओं का श्रेय खुद लेने की कोशिश कर रही है।

40 प्रतिशत कमीशन वाली सरकार – कांग्रेस पर सीधा हमला

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस सरकार को विफल करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने एक भी चुनावी वादा पूरा नहीं किया है। उन्होंने मरयथु बंधुफ भुगतान में रोक, जॉब कैलेंडर में देरी और महिलाओं को मएक तुला सोनाफदेने जैसे अधूरे वादों पर सवाल उठाए।भाजपा नेता ने सरकार को 40 प्रतिशत कमीशन वाली सरकारङ्घङ्घ बताते हुए कहा कि मंत्रियों के बीच आपसी कलह और उद्योगपतियों को डराने-धमकाने से निवेशकों के बीच नकारात्मक संदेश जा रहा है।

केंद्र की योजनाओं का श्रेय लेने का आरोप

राव ने कहा कि तेलंगाना का वास्तविक विकास प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की वजह से हुआ है, जिसने पिछले 11 वर्षों में राज्य को 12 लाख करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत की है। उन्होंने एम्स बीबीनगर, काजीपेट कोच फैक्ट्री और रामागुंडम उर्वरक संयंत्र जैसे प्रमुख प्रोजेक्ट्स का उल्लेख किया।उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार राशन की दुकानों से प्रधानमंत्री की तस्वीरें हटाकर केंद्र की मुफ्त चावल योजना का श्रेय चुराने की कोशिश कर रही है। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि बेहतर आवास, स्वास्थ्य और किसान कल्याण के लिए तेलंगाना में डबल इंजन सरकार की आवश्यकता है। इस सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, बंदी संजय कुमार, विधायक दल के नेता अल्लेटी महेश्वर रेड्डी सहित कई सांसद और विधायक मौजूद रहे, जो आगामी शहरी निकाय चुनावों में कांग्रेस और बीआरएस के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाने का संकेत है।

ओवैसी का बड़ा ऐलान :

महाराष्ट्र में भाजपा-एनडीए के साथ गठबंधन की संभावनाओं को नकारा

हैदराबाद, 17 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। एआईएमआईएमके अध्यक्ष और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को स्पष्ट कर दिया है कि महाराष्ट्र की राजनीति में उनकी पार्टी भारतीय जनता

पार्टी या राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के साथ कोई समझौता नहीं करेगी। ओवैसी का यह बयान महाराष्ट्र नगर निकाय चुनावों में पार्टी को मिली बड़ी सफलता के बाद आया है, जो यह संकेत देता है कि एआईएमआईएम राज्य में एक स्वतंत्र राजनीतिक शक्ति के रूप में अपनी राह बनाने के लिए तैयार है।

महाराष्ट्र में 15 जनवरी को हुए नगर निगम चुनावों में एआईएमआईएम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए औरंगाबाद, अमरावती, मालेगाँव, नांदेड़, सोलापुर और परभणी जैसे प्रमुख शहरों के 13 नगर निगमों में कुल 125 वार्डों पर जीत हासिल की है। यह पिछले चुनावों (56 वार्ड) की तुलना में दोगुने से भी अधिक की बढ़त है।

हैदराबाद में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी की सफलता केवल मुस्लिम मतदाताओं तक सीमित नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस बार पार्टी के टिकट पर हिंदू और दलित उम्मीदवारों ने भी जीत दर्ज की है।

राजनीतिक विश्लेषक इसे ओवैसी की उस छवि को बदलने की कोशिश के रूप में देख रहे हैं, जिसमें उन्हें केवल एक विशिष्ट समुदाय की राजनीति करने वाला नेता माना जाता है। ओवैसी ने नवनिर्वाचित पार्षदों को निर्देश दिया कि वे जनता के साथ सीधे संपर्क में रहें और स्थानीय सुशासन पर ध्यान केंद्रित करें।

महाराष्ट्र की जीत से उत्साहित एआईएमआईएम ने अब अपना पूरा ध्यान तेलंगाना के आगामी नगर निकाय चुनावों की ओर मोड़ दिया है। पार्टी ने राज्य में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए चुनावी तैयारी तेज कर दी है।

पार्टी नेतृत्व ने इच्छुक उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए हैं और इसके लिए 20 जनवरी 2026 तक की समय सीमा तय की गई है। ओवैसी ने स्पष्ट किया कि जो पार्टियाँ हमें भाजपा की बी-टीम कहकर बदनाम करती थीं, उन्हें अब महाराष्ट्र के नतीजों को देखकर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए।

भाजपा-एनडीए के साथ किसी भी गठबंधन को सिरे से खारिज करके ओवैसी ने सहयोगियों और विरोधियों दोनों को कड़ा संदेश दिया है। महाराष्ट्र के खंडित विपक्षी स्थान में एआईएमआईएम खुद को एक मजबूत और स्वतंत्र विकल्प के रूप में पेश कर रही है।

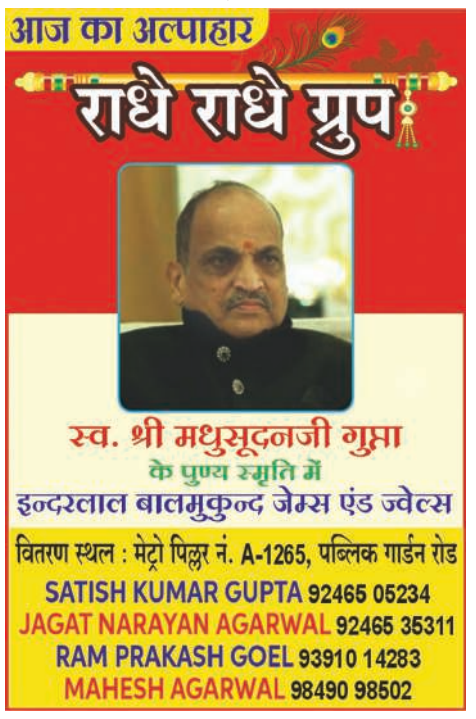

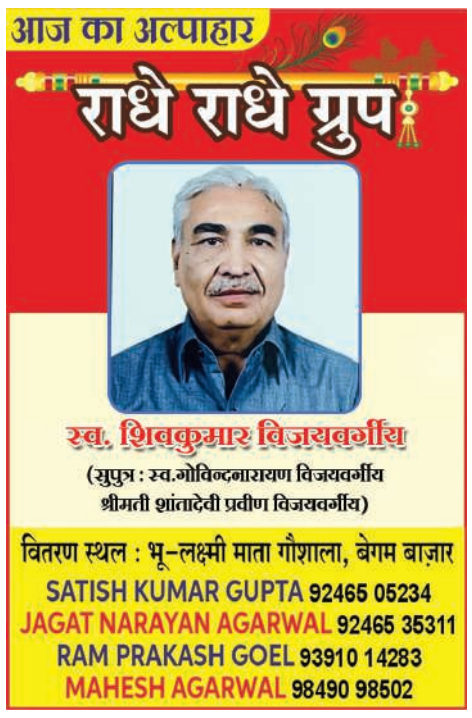

श्री खेमदास जी मठ बेगम बाजार में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव कल से

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी को दिया गया सादर आमंत्रण

हैदराबाद, 17 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री खेमदास जी मठ, बेगम बाजार, हैदराबाद में नवनिर्मित पंडित श्री गणेश नारायण जी (बावलिया बाबा), महासर माता, अग्रसेन जी महाराज, सिद्ध श्री हरिपुरुष जी महाराज, श्री खेमदास जी महाराज एवं बालक दास जी महाराज के मंदिरों में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आयोजन 19 जनवरी 2026 से 23 जनवरी 2026 तक किया जा रहा है। यह पावन आयोजन धार्मिक विधि-विधानों, मंत्रोच्चार एवं भक्ति भाव के साथ संपन्न होगा।

इस भव्य प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में पधारने हेतु भारत सरकार के केंद्रीय कोयला मंत्री श्रीमान जी. किशन रेड्डी को सादर आमंत्रण दिया गया। आमंत्रण देने के लिए श्री गणेश फाउंडेशन, हैदराबाद के प्रतिनिधि विशेष रूप से उपस्थित रहे।इस अवसर पर श्री गणेश फाउंडेशन, हैदराबाद के सदस्य शिशिर केडिया, आशीष निमाणी, कृष्ण कुमार केडिया, आशीष केडिया एवं मनीष शर्मा उपस्थित रहे।

सभी ने केंद्रीय मंत्री को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए उनके पावन सानिध्य का अनुरोध किया।

मठ परिसर में आयोजित होने वाला यह प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव श्रद्धालुओं के लिए आस्था एवं आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र बनने जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों के शामिल होने की संभावना है।

प्रजा एकता पार्टी के अल्पसंख्यक विभाग अध्यक्ष बने मुजाहिद

हैदराबाद, 17 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रजा एकता पार्टी ने तेलंगाना राज्य अल्पसंख्यक विभाग का अध्यक्ष नियुक्त करते हुए मुजाहिद अहमद अली खान को यह जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनाला श्रीनिवास ने उन्हें नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर मुजाहिद अहमद अली खान ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष द्वारा उन पर जो विश्वास जताया गया है, उसे वह पूरी तरह से निभाते हुए पार्टी के निर्देशों का पालन करते हुए आगे बढ़ेंगे।

आने वाले ग्रेटर हैदराबाद चुनावों में अधिक से अधिक सीटें जीतने के लिए वह पार्टी को मजबूत बनाएंगे। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक समुदायों के हितों के लिए काम करते हुए वह पार्टी को और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय समन्वयक राजू गौड़, दुब्बाका विधानसभा प्रभारी नरेश दुप्पला सहित अन्य लोगों ने भाग लिया। पार्टी नेताओं ने मुजाहिद अहमद अली खान की नई नियुक्ति पर उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दि हैदराबाद होलसेल आर्ट सिल्क क्लॉथ मर्चेंट्स एसोसिएशन की चुनावी प्रक्रिया विधिवत सम्पन्न

हैदराबाद, 17 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दि हैदराबाद होलसेल आर्ट सिल्क क्लॉथ मर्चेंट्स एसोसिएशन के वर्ष 2025–27 के चुनाव संपन्न कराने हेतु मुख्य चुनाव अधिकारी के रूप में मुकुंद लाल अग्रवाल की नियुक्ति की गई थी। एसोसिएशन के ये चुनाव दिनांक 04 जनवरी 2026 को होटल वेज व्यंजन में शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुए।

चुनाव प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात मुख्य चुनाव अधिकारी मुकुंद लाल अग्रवाल द्वारा चुनाव अधिकारी विनय जैन एवं राहुल अग्रवाल की उपस्थिति में चुनाव की संपूर्ण रिपोर्ट एवं सभी चुनावी सामग्री एसोसिएशन के नव निर्वाचित अध्यक्ष पुरुषोत्तम गुप्ता को एसोसिएशन कार्यालय में विधिवत रूप से सौंपी गई।

इसके साथ ही दि हैदराबाद होलसेल आर्ट सिल्क क्लॉथ मर्चेंट्स एसोसिएशन की चुनावी प्रक्रिया का औपचारिक रूप से समापन हुआ।

एसोसिएशन के सदस्यों ने शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से चुनाव संपन्न होने पर संतोष व्यक्त किया और नव निर्वाचित कार्यकारिणी को आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

राधे-राधे एक परिवार, सेवा ही पहचान : जगतनारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 17 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नामपल्ली, बेगम बाजार एवं केबीआर पार्क में संचालित निःशुल्क अन्नदान केंद्र मानवता और सेवा भाव की सशक्त मिसाल बन चुके हैं। बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम में ग्रुप संयोजक जगतनारायण अग्रवाल ने कहा कि सेवा ही राधे-राधे परिवार की पहचान है।

उन्होंने कहा कि ग्रुप बिना किसी भेदभाव के प्रतिदिन सैकड़ों जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध करा रहा है और समाज में भाईचारा व संवेदनशीलता का संदेश दे रहा है।

इस अवसर पर जगतनारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, विनोद तोषनीवाल, अनिल अग्रवाल, पन्ना लाल अग्रवाल, गोविंद राम पचेरिया, अरुण विजयवर्गी, लता गोयल, नीलम विजयवर्गी, मीना अग्रवाल एवं शर्मिला अग्रवाल उपस्थित रहे।राधे-राधे परिवार की यह निरंतर सेवा हैदराबाद में सामाजिक एकता और मानवीय मूल्यों को नई दिशा दे रही है।

राधे-राधे ग्रुप के अन्नदान केंद्र बने जरूरतमंदों के लिए आशा की किरण : हरीश जांगिड़

हैदराबाद, 17 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में केबीआर पार्क पर आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम सनातन धर्म की महान परंपरा अन्नदान का जीवंत उदाहरण बनता जा रहा है। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए हरीश जांगिड़ ने कहा कि सनातन धर्म में अन्नदान को सर्वश्रेष्ठ दान माना गया है, क्योंकि इससे न केवल शरीर का पोषण होता है, बल्कि आत्मा को भी तृप्ति मिलती है।

उन्होंने कहा कि शास्त्रों में वर्णित है कि अन्नं ब्रह्मा अर्थात अन्न ही ब्रह्म है। भूखे को भोजन कराना ईश्वर की सच्ची आराधना के समान है। इसी भाव के साथ राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य केवल भूख मिटाना नहीं, बल्कि समाज में सेवा संस्कार, आपसी भाईचारे और मानवीय संवेदनाओं को जागृत करना है।

हरीश जांगिड़ ने बताया कि राधे-राधे ग्रुप बिना किसी भेदभाव के प्रतिदिन निर्धन, निराश्रित एवं जरूरतमंद लोगों की निःस्वार्थ सेवा कर रहा है। यह सेवा कार्य जरूरतमंदों के लिए भोजन के साथ-साथ आत्मसम्मान, विश्वास और आशा का संबल बन रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि इस पावन सेवा अभियान में समाज के विभिन्न वर्गों के लोग जुड़ रहे हैं, जिससे यह कार्य धीरे-धीरे एक जनआंदोलन का रूप लेता जा रहा है। सेवा में सहभागी सभी सेवाभावी सदस्य इसे मात्र कर्तव्य नहीं, बल्कि पुण्य और सौभाग्य मानकर समर्पित भाव से योगदान दे रहे हैं।

इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, उमाकांत जी गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, रणधीर, जयप्रकाश अग्रवाल, राजन दहिया, वीरेंद्र पोखरियाल, हरीश कुमार तथा तेजप्रकाश अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

राधे-राधे ग्रुप की यह निरंतर अन्नदान सेवा न केवल सनातन संस्कृति के मूल्यों को सशक्त कर रही है, बल्कि हैदराबाद में सामाजिक समरसता, करुणा और मानवता को भी नई दिशा दे रही है।

श्री हरि नारायण चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा अयोध्या में अन्नदान का शिविर लगाया गया। जिसमें भाग लेते हुए अग्रवाल समाज तेलंगाना अशोकनगर शाखा के अध्यक्ष संजीव कुमार अग्रवाल एवं उनकी पत्नी श्वेता अग्रवाल।

सिखवाल युवा एवं महिला प्रकोष्ठ का निःशुल्क विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर आज

हैदराबाद, 17 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल युवा प्रकोष्ठ एवं महिला प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में रविवार, दिनांक 18 जनवरी 2026 को प्रातः 9.30 बजे से श्रीराम दरबार पंचायती बाड़ा में निःशुल्क विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर का उद्देश्य समाज के अधिक से अधिक लोगों को स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

संत सेवाराम जी महाराज एवं विशिष्ट अतिथियों को आमंत्रण

शनिवार को आयोजित बैठक में कार्यक्रम में पधारने हेतु मुख्य रूप से संत सेवाराम जी महाराज को आमंत्रित किया गया। साथ ही सम्मानित अतिथि के रूप में मुरलीधरजी कार्तिकजी व्यास कुरणावाला (दुधेश्वरी भक्त) को श्री सिखवाल समाज भवन में निमंत्रण दिया गया।

समाज के लिए गर्व का विषय है कि श्री मुरलीधरजी कार्तिक व्यास इस आयोजन में आंखों के चश्मों के लाभार्थी भी हैं।

अपोलो अस्पताल की टीम करेगी निःशुल्क जांच

प्रेस को जानकारी देते हुए प्रकोष्ठ अध्यक्ष नरेश पांडिया ने बताया कि अपोलो अस्पताल की विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम प्रातः 9.30 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक बीपी, मधुमेह, ईसीजी, आंख, दांत सहित अन्य बीमारियों की जांच करेगी। योग्य चिकित्सकों की निगरानी में परीक्षण के साथ-साथ आवश्यक औषधियां एवं उपचार संबंधी परामर्श भी दिया जाएगा। आंखों की जांच के उपरांत चश्मों के नंबर के अंतर्गत निःशुल्क चश्मों का वितरण भी किया जाएगा।

प्रकोष्ठ पदाधिकारियों की बैठक एवं व्यापक सहभागिता

अध्यक्ष नरेश पांडिया ने बताया कि इसी क्रम में सायं 5.00 बजे से ऋषि शृंग भवन में प्रकोष्ठ से जुड़े पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक भी आयोजित की जाएगी।

शनिवार को हुई बैठक में रामदेव नागला, नरेश पांडिया, मुरलीधर तिवाड़ी, संदीप जयलवाल, भगीरथ पांडिया, कार्तिक व्यास, आनंद प्रकाश व्यास, विजय उपाध्याय, तुलसीराम व्यास, किशोर उपाध्याय, ओमप्रकाश उपाध्याय, राकेश व्यास, कमला पांडिया, चौरी रमेश उपाध्याय, पवन पुरोहित, किरण व्यास, प्रेमलता व्यास, शीला पांडिया, संगीता पांडिया सहित बड़ी संख्या में प्रकोष्ठ के सदस्य उपस्थित रहे।

आयोजन समिति द्वारा समाज के सभी बंधुओं से अनुरोध किया गया है कि समय पर पधारकर इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। कार्यक्रम का समापन विजय शर्मा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

जैन भवन सिकंदराबाद में रजत प्रतिमाओं का भव्य 18 अभिषेक सम्पन्न

हैदराबाद, 17 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जैन भवन सिकंदराबाद में शनिवार को श्री अभिनन्दन-चन्द्रसागर जी महाराजा के पावन निश्रा में तथा साध्वीजी भव्यपूर्णाश्रीजी आदि ठाणा-3 की गरिमामयी उपस्थिति में अत्यंत भव्य, भावपूर्ण एवं भक्तिमय वातावरण में 18 अभिषेक का आयोजन संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर कुल 27 रजत प्रतिमाओं पर विधि-विधानपूर्वक 18 अभिषेक किए गए, जिससे संपूर्ण परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो गया।इस पुण्य आयोजन में तातेड परिवार (निवासी – सिरोही) की ओर से दो रजत प्रतिमाएँ - श्री जिरावला पार्श्वनाथ भगवान एवं श्री संकेश्वर पार्श्वनाथ भगवान - की 18 अभिषेक का विशेष लाभ लिया गया।तातेड परिवार की ओर से पुष्पा बेन, जैन रत्न रमेश गुंवंती देवी पुखराजजी तातेड, पूनम-रितेश, रीना-तपन, हिया, जिन्ने, एतांश, हरिथ तातेड एवं दीप्ति मोदी ने अपने आराध्य पार्श्वनाथ भगवान की रजत प्रतिमा का भी 18 अभिषेक श्रद्धापूर्वक संपन्न कराया।इस अवसर पर जैन भवन के अध्यक्ष श्री योगेश भाई खरगांधी, मंत्री श्री राजू भाई मुथा, श्री प्रकाशचंदजी लुनिया, बांठियाजी, सुभाष भाई गुलेचा, प्रेम मालेचा सहित अनेक गणमान्य श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।।18 अभिषेक की संपूर्ण विधि का सुचारु एवं शास्त्रसम्मत संचालन विधिकारक श्री निकेश भाई मंडार वाले द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से सहभागिता कर पुण्यलाभ अर्जित किया।

श्री राधा कृष्णा मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए कुमावत समाज तेलंगाना को आमंत्रण

हैदराबाद, 17 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री कुमावत समाज ट्रस्ट, मुलैकड़े (चेन्नई) द्वारा आयोजित राधा कृष्णा मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में भाग लेने हेतु कुमावत समाज तेलंगाना को औपचारिक आमंत्रण दिया गया। इस अवसर पर समाज की ओर से आमंत्रण देने हेतु पधारे पुखराज मानणिया, माणकचंद नागौरा, चंपालाल मावर एवं मदनलाल दुबलदिया का कुमावत समाज तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष तिलायचा सोनाराम तथा कुमावत समाज किसरा के अध्यक्ष पप्पुलाल बाकरेचा द्वारा सम्मान किया गया।

पधारे हुए अतिथियों ने श्री राधा कृष्णा मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की रूपरेखा, कार्यक्रमों एवं आयोजन की विस्तृत जानकारी दी तथा तेलंगाना प्रांत में निवासरत सभी कुमावत समाज बंधुओं को सपरिवार इस पावन महोत्सव में सहभागिता के लिए आमंत्रित किया।

इस अवसर पर समाज के सदस्य धर्माराम डेया, सोहनलाल मानणिया, रूपाराम मालीवाड़, जगदीश रोहिवाल, पारस पटेल, जयप्रकाश चांदोरा, महेन्द्र दुबलदिया सहित अनेक समाज बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

सीबीएनइ नगर, रसूलपुरा में लगभग 340 परिवारों में निःशुल्क सब्जी वितरित करते हुए समाज सेवी संतोषचंद श्रीश्रीमाल।

पृथक सिकंदराबाद नगर निगम (एसएमसी) की स्थापना की माँग को लेकर भारत राष्ट्र समिति द्वारा आयोजित रैली के कारण शनिवार को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन और उसके आसपास के इलाकों में भारी तनाव व्याप्त रहा। पुलिस ने बीआरएस नेताओं को स्टेशन की ओर बढ़ने से रोकने के लिए बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियां कीं।

अन्नदान और आनंद, नथानी दंपति की वर्षगाँठ बनी सेवा पर्व

हैदराबाद, 17 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के पास निरंतर चल रहे निःशुल्क अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत आज का आयोजन सेवा, समर्पण और भाईचारे की अनुपम मिसाल बना। इस विशेष अवसर पर राजेश एवं अनीता नथानी दंपति की शादी की सालगिरह भी सादगी, श्रद्धा और सामाजिक सरोकार के भाव के साथ मनाई गई।

कार्यक्रम के दौरान राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने नथानी दंपति का केक काटकर, शॉल ओढ़ाकर तथा स्मृति-चिह्न भेंट कर आत्मीय सम्मान किया। जय श्री राधे-राधे के जयघोष से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा और सेवा स्थल उत्सव में परिवर्तित हो गया।

इसी सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत बड़ी संख्या में जरूरतमंद एवं निराश्रित लोगों को पूरे सम्मान और प्रेमभाव के साथ भोजन वितरित किया गया। उपस्थित सदस्यों ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के निरंतर मानव सेवा करना है तथा समाज के हर वर्ग तक सहयोग और करुणा का संदेश पहुँचाना है।

आज की नामपल्ली सेवा में रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, ई-जगन (चंपापेट), गौरव गोयल, बरखा गोयल, गोपाल गोयल, जयप्रकाश सरदा, प्रीतिका अग्रवाल, भाकरराम कुमावत, कमला देवी कुमावत, भगतराम गोयल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, संजय गोयल, किरण गोयल, राजेश नथानी, अनीता नथानी, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, कैलाशचंद केडिया, निर्मला केडिया, महेश अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

भाव-विभोर नथानी दंपति ने कहा, हमारे जीवन के इस विशेष दिन को सेवा और सहयोग की भावना के साथ मनाकर राधे-राधे परिवार ने इसे वास्तव में अविस्मरणीय बना दिया। हमारी शादी की सालगिरह को आध्यात्मिक और सामाजिक दृष्टि से मनाने का जो सौभाग्य मिला है, उसके लिए हम हृदय से आभारी हैं।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, Service No.JC-708898Y Rank: NB/SUBEDAR Name: PRADYUMNA MALLIK, presently residing at F-302, K.R.Residency, Near Masjid and Madrasa for Poor, SV Officer's Colony, R.K.Puram, Secunderabad-500056, Telangana that I have changed my daughter's name from PRATIVA MALLICK to PRATIVA MALLIK in my service records. that my daughter's date of birth is 06-09-2009 (Six Nine Two Thousand nine) Affidavit No 41AA 461025 dt 09/01/26.

CHANGE OF NAME

I, PRAVATI MALLIK, is legally wedded spouse of No JC-708898Y Rank: NB/SUBEDAR Name: PRADYUMNA MALLIK, presently residing at F-302, K.R.Residency, Near Masjid and Madrasa for Poor, SV Officer's Colony, R.K.Puram, Secunderabad-500056 do hereby That I have changed my name from PRAVATI MALLICK to PRAVATI MALLIK for my husband's service records. That my date of birth is 29-05-1983 (Twenty Nine May Nineteen eighty Three) Affidavit..No 41AA 461024 Dt..09/01/26

CHANGE OF NAME

I, NAU BAHAR R/o (V)-Tirpari, (P)-Khandewla, (T)-Farrukhnagar, (D)-Gurgaon, Haryana - 122504, have changed my name from NAU BAHAR to NAUBAHAR SINGH, vide affidavit dt.16-1-2026, before Sec-Bad Court.

CHANGE OF NAME

I, Geetha KP M/o Sugith KP, R/o Koorapoyal House, Thachampoyil, (P)-Thamarassery, (D)-Kozhikode, Kerala - 673573, have changed my name from GEETHA KP to GEETHA K, vide affidavit dt.17-1-2026, before Sec-Bad Court.

निवेदक : कार्य समिति

ॐ शिव मंदिर गौशाला
पालमाकुल, शमशाबाद
OM SHIV MANDIR GOSHALA
MAHAVEER CO.OP.URBAN BANK LTD,
Shamshergunj Branch
C/A No. 003103000000072
IFSC CODE: HDFC0CMCUBL

शिव मंदिर गौशाला
शमशेरगंज, हैदराबाद
SHIV MANDIR GOSHALA
AP MAHESH BANK CO.OP.URBAN BANK LTD,
Begum Bazar Branch
C/A No. 002001200018617
IFSC CODE: APMC00002

आज रविवार, 18-1-2026
मौनी अमावस्या है।

जो पुरुष गौओं की सेवा करता है और सब प्रकार से उनका अनुगमन करता है, उस पर संतुष्ट होकर गौएँ उसे अत्यंत दुर्लभ वर प्रदान करती है। गौओंके साथ मन से भी कभी द्वेष न करे, उन्हे सदा सुख पहुँचाये, उनका यथोचित सत्कार करे और नमस्कार आदि के द्वारा उनका पूजन करते रहे। जो मनुष्य जितेन्द्रिय और प्रसन्नचित होकर नित्य गौओंकी सेवा करता है, वह समृद्धि का भागी होता है।

गौमाता को हरी घांस की सेवा कर पुण्य के भागी बने।
गौसेवा हेतु सहयोग राशि स्कैन कर सकते हैं।

हमारे यहाँ शुद्ध एवं पवित्र गिर गाय का घी उपलब्ध है

9849379735, 9100353375
राजस्थानी महिला संघ द्वारा भजन अपराह्न 3 से 5 बजे तक

रेवंत ने महबूबनगर के चित्तायबोइनपल्ली में आईआईआईटी की आधारशिला रखी

महबूबनगर, 17 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को जिले के जडचेरला मंडल स्थित चित्तायबोइनपल्ली गांव में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान का शिलान्यास किया। लगभग 200 करोड़ की अनुमानित लागत से बनने वाले इस संस्थान के माध्यम से जिले में उच्च शिक्षा के नए द्वार खुलेंगे।

शिलान्यास समारोह के बाद आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि आईआईआईटी परिसर का निर्माण एक वर्ष के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार महबूबनगर जिले में हर प्रकार के शैक्षणिक संस्थान लाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर उनके साथ मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा, जुपल्ली कृष्णा राव और वकीती श्रीहरि भी मौजूद थे।

रेवंत रेड्डी ने भावुक होते हुए कहा कि बुर्गुला रामकृष्ण राव के बाद महबूबनगर जिले को 75 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद फिर से राज्य का नेतृत्व (मुख्यमंत्री पद) करने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा, ङ्घमैं इस अवसर का सर्वोत्तम उपयोग जिले में प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों और सिंचाई परियोजनाओं को स्थापित करने के लिए करने हेतु दृढ़ संकल्पित हूँ।

शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज की कई समस्याओं का एकमात्र समाधान शिक्षा ही है और यही भविष्य के अवसरों की कुंजी है। उन्होंने विद्यार्थियों से कड़ी मेहनत करने और अपनी भाषाई दक्षता सुधारने का आह्वान किया ताकि वे जीवन में सफलता प्राप्त कर सकें।मुख्यमंत्री ने अपनी व्यक्तिगत यात्रा साझा करते हुए बताया कि कैसे वे अचमपेट निर्वाचन क्षेत्र के एक सुदूर गाँव से निकलकर जनता के समर्थन से महज 17 वर्षों में मुख्यमंत्री के पद तक पहुँचे।

Best wishes to :
Shri Kutch Kadwa Patidar Samaj (Hyderbad - Secunderabad)
Patidar Bhavan, Moosapet - Kukatpally on their Silver Jubilee Celebrations
Love for Cow Foundation
Jasmat Patel - 9848865900, Ridesh Jagirdar - 9849988999

।। श्री गणेशाय नमः।।
रविवार, दि. 18 जनवरी 2026, मौनी अमावस्या के अवसर पर पधारें
श्री आईजी गौशाला
रविवार, दि. 18 जनवरी 2026, मौनी अमावस्या, मल्कारम, बालाजीनगर, (कापरा मंडल) (रजि.नं.720/2008)
के अवसर पर सपरिवार पधार कर गौसेवार्थ दान-पुण्य कर लाभ लेवें
एक दिन गौ माता के नाम जागरण साउंड व्यवस्था : राठौड़ साउंड एंड डिजिटल स्टूडियो
भँवरलालजी सीरवी, ओमप्रकाशजी कुमावत, रमेशजी प्रजापत, पुष्पाजी सीरवी,
आई माताजी भजन मंडली बालाजीनगर, अचलारामजी हाम्बड़, मोहनलालजी भायल,
गिरधारीलालजी प्रजापत, पिंटुजी सागर एवं लक्ष्मणजी सुथार द्वारा भजन प्रस्तुत किए जाएँगे।
आज की महाप्रसादी लाभार्थी :
तुलसी बाई पँवार, मूलाराम (पुत्र श्री उमारामजी पँवार) परिवार, डुंडीगल वाले
गौशाला के बैंक एकॉउंट में भी दान राशि जमा कराकर पुण्य के भागीदार बनें
(Sri Aaiji Gowshala, SBI A/c Cheeryal A/c No. 62492036580, IFSC : SBIN0020435)
निवेदक : श्री आईजी गौशाला के पदाधिकारी व सदस्यगण
अध्यक्ष : मंगलाराम पंवार 9246108583 सचिव : हुक्माराम सानपुरा 9441118022

For details contact: जीवराम पटेल, बसंत पटेल, भरत पटेल, अनिल पटेल
जसमत पटेल - 7288047779 | मनसुख पटेल - 98850 30582 | अशोक पटेल - 93910 43371 | किरण पटेल - 9885114502
Advertising Courtesy: Love for Cow Foundation
SUNDAY 2 SUNDAY - CHALO GAUSHALA
Sunday 18 Jan is Mauni Amavasya, Visit Gaushala & get Gau Mata Blessings
आयोजक : पू. रामचंद्र डोंगरेजी महाराज गौशाला
Injapur, Sagar Road, Hyderabad. Telangana

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.